आज का विचार

मुस्कुराहट, अपनापन, स्वभाव और चरित्र बस ये ही अपने है, इनसे ही हम फलते फूलते है।

दैनिक
सिटी दर्पण
आईना सच का

चंडीगढ़। वीरवार, 1 फरवरी, 2024 | वर्ष 22, अंक 27, मूल्यः 3 रुपए | RNI Regn No: CHAHIN/2003/09265 Established 2003 | wwwcitydarpancom

सिटी दर्पण-राष्ट्रीय दैनिक हिंदी समाचार पत्र की अधिकारिक वेबसाइट पर जाने के लिए स्कैन करें।

सीएम मान ने पंजाब भर के डिप्टी कमिश्नरों के साथ मीटिंग में राज्य में लागू लोक हितैषी और विकासमुखी नीतियों की समीक्षा की

नागरिक सेवाएं लागू करने में किसी भी तरह की कोताही बर्दाश्त नहीं होगी: भगवंत मान

दर्पण न्यूज सर्विस
चंडीगढ

पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने बुधवार को यहाँ सभी जिलों के डिप्टी कमिश्नरों के साथ उच्च स्तरीय बैठक की और राज्य में नागरिक सेवाएं मुहैया करने की समीक्षा की। यहाँ पंजाब भवन में बैठक की अध्यक्षता करते हुए मुख्यमंत्री ने राज्य में घर-घर सेवाएं योजना को लागू करने पर जिलों की कारगुजारी पर संतुष्टी जाहिर की। उन्होंने कहा कि इस महत्वाकांक्षी योजना का मंतव्य 43 नागरिक सेवाओं को लोगों के घर-घर तक पहुंचाना है। भगवंत सिंह मान ने डिप्टी कमिश्नरों को कहा कि लोगों की भलाई के लिए इस योजना को मिशनरी उत्साह से लागू करना सुनिश्चित बनाया जाए। एक और एजंडे संबंधी बात करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि इस समय राज्य में 664 आम आदमी क्लीनिक कार्यशील हैं और अब तक इन क्लीनिकों में 98 लाख के करीब मरीज इलाज सुविधाओं का लाभ ले चुके हैं। उन्होंने कहा कि अब तक 40.50 करोड़ रुपए की दवाएँ और 5.77 करोड़ रुपए के लैब टैस्ट की सुविधा का लाभ मरीज उठा चुके हैं। भगवंत सिंह मान ने कहा कि 150 नये आम आदमी क्लीनिक जल्दी ही राज्य के लोगों को समर्पित किये जाएंगे, जिसके लिए सभी तैयारियाँ मुकम्मल कर ली गई हैं। उन्होंने डिप्टी कमिश्नरों को इन क्लीनिकों की बाकायदा जांच सुनिश्चित बनाने के लिए कहा।

मुख्यमंत्री ने आगे कहा कि राज्य सरकार ने फैसला किया है कि सरकारी अस्पतालों में डॉक्टरों द्वारा लिखी जाने वाली सभी दवाएँ मरीजों को अस्पताल के अंदर ही उपलब्ध करवाई जाएंगी। उन्होंने बताया कि जिला अस्पतालों और सब-डिवीजनल अस्पतालों में 276 दवाएँ पहले ही अनिवार्य दवाओं की सूची में शामिल की गई हैं। भगवंत सिंह मान ने कहा कि अनिवार्य दवाओं की सूची (ई.डी.एल.) के अलावा अन्य दवाओं की खरीद के लिए कार्य विधि (स्टैंडर्ड ऑपरेटिंग प्रोसीजर) जारी की गई है और डिप्टी कमिश्नर यह सुनिश्चित बनाऐंगे कि दवाएँ मरीजों के लिए उपलब्ध हों। मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि राज्य सरकार ने सडक हादसों के पीड़ितों के लिए फरिश्ते स्कीम भी शुरू की है, जिसके अंतर्गत नजदीकी सूचीबद्ध अस्पताल में पीड़ित का इलाज मुफ्त

किया जाएगा। उन्होंने डिप्टी कमिश्नरों को यह सुनिश्चित बनाने के लिए कहा कि जिला स्तरीय समितियाँ निर्धारित सीमा/दिनों से अधिक होने वाले खर्चे की बिना किसी देरी से पड़ताल करने को सुनिश्चित बनाएँ। भगवंत सिंह मान ने बताया कि राज्य भर में इस स्कीम के अंतर्गत 52 पैकेज निर्धारित किए गए हैं और 495 अस्पतालों को सूचीबद्ध किया गया है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार ने हरेक गाँव में टेलों पर नहरी पानी मुहैया करने के लिए कई कदम उठाए हैं। उन्होंने डिप्टी कमिश्नरों को कहा कि वह इस समूची प्रक्रिया को जल्दी मुकम्मल करें, जिससे किसानों को लाभ मिले। भगवंत सिंह मान ने कहा कि राज्य सरकार किसानों की भलाई के लिए नहरी पानी के तर्कसंगत प्रयोग को सुनिश्चित बनाने के लिए वचनबद्ध है।

मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि राज्य सरकार अमृतसर, बठिंडा, फाजिल्का, फतेहगढ़ साहिब, जालंधर, कपूरथला, लुधियाना, एस.ए.एस नगर और तरनतारन जिलों में 13 नए स्कूल ऑफ ऐमिनेंस खोलेगी। उन्होंने सम्बन्धित जिलों के डिप्टी कमिश्नरों को इन स्कूलों के समय पर शुरू होने को सुनिश्चित बनाने के लिए कहा, जिससे विद्यार्थियों को इसका अधिक से अधिक लाभ मिल सके। भगवंत सिंह मान ने डिप्टी कमिश्नरों को सभी स्कूलों में 31 मार्च तक चारदीवारी, पखाने, फर्नीचर, पीने वाले पानी की सुविधा के साथ-साथ इंटरनैट/वाई-फाई की सुविधा सुनिश्चित बनाने के लिए भी कहा।

अधिकारियों को स्कूलों का औचक दौरा करने को भी कहा

मुख्यमंत्री ने डिप्टी कमिश्नरों को जिला शिक्षा विकास समिति के साथ लगातार बैठकें करने के अलावा स्कूलों का औचक दौरा करने के लिए भी कहा। उन्होंने अधिकारियों को विद्यार्थियों के लिए स्कूली वर्दियाँ समय पर सुनिश्चित बनाने के साथ-साथ जिला स्तर पर स्कूली शिक्षा के अलग प्रोजेक्टों की पहचान करने के लिए कहा। भगवंत सिंह मान ने स्कूल कैंपस के अंदर खतरा बने वृक्षों और असुरक्षित इमारतों संबंधी एस.ओ.पीज लागू करने की जरूरत पर जोर दिया। मुख्यमंत्री ने डिप्टी कमिश्नरों को एक ओर गाँवों के विकास को बढ़ावा देने और दूसरी ओर जरूरतमंदों के लिए रोजगार मुहैया करवाने के लिए मनरेगा स्कीम के सुचारू प्रयोग करने के लिए भी कहा। उन्होंने कहा कि अब तक राज्य में इस स्कीम के अंतर्गत 308 लाख दिहाडियाँ पैदा करके 8.17 लाख परिवारों को रोजगार दिया जा चुका है। भगवंत सिंह मान ने कहा कि राज्य ने सभी जिलों के लिए 2000 करोड़ रुपए के खर्च करने का लक्ष्य निर्धारित किया है, जिसको सभी जिलों के लिए 440 लाख दिहाडियों में बाँटा गया है। उन्होंने सभी डिप्टी कमिश्नरों को मौजूदा वित्तीय वर्ष में यह लक्ष्य प्राप्त करना सुनिश्चित बनाने के लिए कहा।

दिल्ली-अमृतसर-कटड़ा राष्ट्रीय राजमार्ग के निर्माण कार्य में तेजी लाने के निर्देश

एक अन्य मुद्दे पर ध्यान देते हुए मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को दिल्ली-अमृतसर-कटड़ा राष्ट्रीय राजमार्ग के निर्माण कार्य में तेजी लाने के लिए कहा। उन्होंने कहा कि इस महत्वाकांक्षी प्रोजैक्ट के मुकम्मल होने पर दिल्ली से पंजाब और जम्मू-कश्मीर जाने वाले यात्रियों खासकर माता वैष्णो देवी तीर्थ स्थान पर माथा टेकने के इच्छुक यात्रियों के समय, पैसे और ऊर्जा की बचत होगी। भगवंत सिंह मान ने बताया कि 254 किलोमीटर लंबा यह हाईवे 11,510 करोड़ रुपए की लागत से बनाया जायेगा और यह राज्य के 9 जिलों जालंधर, संगरूर, मालेरकोटला, पटियाला, कपूरथला, लुधियाना, अमृतसर, तरन तारन और गुरदासपुर से होकर गुजरेगा। मुख्यमंत्री ने डिप्टी कमिश्नरों को कहा कि वह अपने अधिकार क्षेत्र में सडकों के उचित रख-रखाव को सुनिश्चित बनाएँ। उन्होंने कहा कि सडकों की देखभाल के लिए पी.डब्ल्यू.डी. के अधिकारियों को पहले ही फंड अलॉट कर दिए गए हैं। भगवंत सिंह मान ने कहा कि सडकों पर यात्रियों की यातायात सुचारू बनाए रखने के लिए सरकार कोई कसर बाकी नहीं छोड़ेगी।

हर काम देश के नाम

रक्षा लेखा विभाग (पश्चिम कमान सेना) के प्रधान नियंत्रक दिनेश सिंह की सेवानिवृति

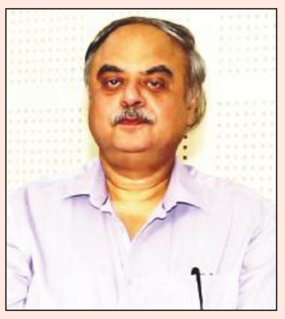

चंडीगढ़ (दर्पण न्यूज सर्विस)। दिनेश सिंह (आईडीएएस) रक्षा लेखा विभाग (सेना) चण्डीगढ़ से बतौर प्रधान नियंत्रक 32 वर्ष से अधिक की महत्वपूर्ण सेवाएं विभिन्न विभागों भीतर और बाहर के संगठन में देने के बाद बुधवार, दिनांक 31 जनवरी 2024 को सेवानिवृत हो गए` वह अगस्त 2022 से पीसिडीए (सेना) चंडीगढ़ का प्रभार संभाल रहे थै वह भारतीय रक्षा लेखा सेवा (आईडीएएस) के 1991 बैच के अधिकारी हैं।

ज्ञानवापी मामले में हिंदू पक्ष की बड़ी जीत

वाराणसी। ज्ञानवापी स्थित नंदी के मुख के सामने दक्षिणी दीवार के पास मौजूद तहखाने में वर्ष 1551 से व्यास पीठ स्थापित रहा। इसी व्यास पीठ से मां श्रृंगार गौरी की पूजा, भोग, आरती की जाती रही। वर्ष 1993 में राज्य सरकार व जिला प्रशासन के मौखिक आदेश के जरिये पूजा-पाठ और परंपराओं को बंद करा दिया था। ज्ञानवापी परिसर के चारों ओर लोहे की बैरिकेडिंग भी करा दी गई थी। दिसंबर 1993 में ही तत्कालीन जिलाधिकारी ने व्यास पीठ के तत्कालीन पुजारी पंडित सोमनाथ व्यास के प्रवेश पर प्रतिबंध लगाते हुए पूजा-पाठ पर रोक लगा दी।

हैप्पीनेस सेंटर में विद्यार्थी, शिक्षक, कर्मचारी व आमजन खुश रहने के तौर तरीके सीख सकेंगे: मनोहर लाल

मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय में किया रेखी आनंद विज्ञान उत्कृष्टता केंद्र का उद्घाटन

भूपेंद्र शर्मा
चंडीगढ (दर्पण न्यूज सर्विस)

हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री मनोहर लाल ने कहा कि कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के मनोविज्ञान विभाग में रेखी फाउंडेशन फॉर हैप्पीनेस के सहयोग से हैप्पीनेस सेंटर बनाया गया है, इस हैप्पीनेस सेंटर में विद्यार्थी, शिक्षक, कर्मचारी व आमजन खुश रहने के तौर तरीके सीख सकेंगे और जीवन में आने वाली चुनौतियों का सामना भी सरलता से कर सकेंगे। मुख्यमंत्री मनोहर लाल बुधवार को कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के मनोविज्ञान विभाग में स्थापित किए गए रेखी आनंद विज्ञान उत्कृष्टता केंद्र के उद्घाटन अवसर पर बोल रहे थे।

मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने कहा कि विद्यार्थियों को सेंटर के माध्यम से खुशी विज्ञान पढ़ाई जाएगी, जिसके माध्यम से तकनीकी दौर में तनाव मुक्त होकर युवा खुश मन से अपने लक्ष्य प्राप्ति के लिए कार्य कर सफलता हासिल करेंगे। उहोंने इस सेंटर की स्थापना के लिए कुलपति प्रो सोमनाथ सचदेवा, रेखी फांउडेशन के प्रतिनिधि डॉ. किरणजोत सिंह व डॉ. प्रभलीन सिंह सहित इस सेंटर की स्थापना में सहयोग देने वाली उनकी पूरी टीम को बधाई दी।

कुरुक्षेत्र विवि के कुलपति प्रो सोमनाथ सचदेवा ने कहा कि हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री मनोहर लाल की सोच तथा राज्यपाल एवं कुलाधिपति श्री बंडारू दत्तात्रेय के कुशल नेतृत्व में यह केन्द्र स्थापित किया गया है। इस केन्द्र के माध्यम से शिक्षक, गैर शिक्षक कर्मचारी और विद्यार्थियों को मानसिक तनाव से बाहर निकलने, कार्य के दबाव को कम करने, पढ़ाई के साथ-साथ अन्य विषम परिस्थितियों से बाहर निकलने व उनको खुशी-खुशी सुलझाने के तौर तरीके सिखाए जाएंगे ताकि वे एक बेहतर जीवन जीने के साथ राष्ट्र निर्माण में अहम भागीदारी कर सकें। मनोविज्ञान विभाग के अध्यक्ष प्रो रोहतास सिंह ने बताया कि कुलपति प्रो. सोमनाथ सचदेवा के निर्देशन में हैप्पीनेस सेंटर को मनोविज्ञान विभाग में बनाया गया है। उन्होंने बताया कि रेखी फाउंडेशन फॉर हैप्पीनेस 2016 में डॉ. सतिंद्र सिंह रेखी और उनकी पत्नी हरप्रीत रेखी द्वारा अमेरिका में शुरू किया गया था, जिसका लक्ष्य विभिन्न विश्वविद्यालयों में हैप्पीनेस सेंटर को स्थापित करना है। सेंटर का उद्देश्य विद्यार्थियों, शिक्षकों से लेकर सभी के जीवन में व्यक्तिगत व सार्वजनिक जीवन में सुधार करना है।

इस अवसर पर राज्यमंत्री सरदार संदीप सिंह, जिला उपायुक्त शांतनु शर्मा, पुलिस अधीक्षक सुरेन्द्र सिंह भौरिया, कुलसचिव प्रो संजीव शर्मा, छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रो. एआर चौधरी, डॉ. किरणजोत सिंह, डॉ. प्रभलीन सिंह, प्रो. ब्रजेश साहनी, प्रो. रोहतास सिंह, प्रो. हरदीप लाल जोशी, प्रो. अनिल गुप्ता, डॉ. दीपक राय बब्बर, डॉ. राजरतन, डॉ. आशू धवन, डॉ. आबिद अली, ओएसडी पवन रोहिल्ला, डॉ. जितेन्द्र जांगडा, एक्सईन पंकज शर्मा सहित शिक्षक मौजूद थे।

चंपई सोरेन होंगे झारखंड के नए मुख्यमंत्री

दर्पण न्यूज सर्विस
नई दिल्ली

चंपई सोरेन झारखंड के अगले मुख्यमंत्री होंगे। झारखंड मुक्ति मोर्चा ने यह कदम मौजूदा मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के इस्तीफे के फैसले के बाद उठाया है। चंपई हेमंत सोरेन के करीबी रिश्तेदार बताए जा रहे हैं। मौजूदा सरकार में चंपई कैबिनेट मंत्री की जिम्मेदारी संभाल रहे थे। सरकार में झामुमो के अलावा कांग्रेस भी सहयोगी थी।

चंपई सोरेन झारखंड विधानसभा के सदस्य हैं। वर्तमान में वह झारखंड मुक्ति मोर्चा पार्टी से सरायकेला विधानसभा सीट से विधायक हैं। कैबिनेट मंत्री के रूप वह हेमंत सोरेन सरकार में परिवहन, अनुसूचित जनजाति और अनुसूचित जाति और पिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग की जिम्मेदारी संभाल रहे थे। चंपई ने 1974 में जमशेदपुर स्थित राम कृष्ण मिशन हाई स्कूल से 10वीं की पढ़ाई की थी।

जब बिहार से अलग झारखंड राज्य की मांग उठ रही थी उस दौरान

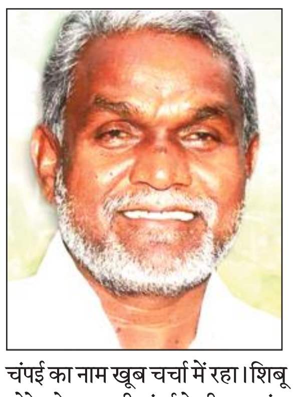

चंपई का नाम खूब चर्चा में रहा। शिबू सोरेन के साथ ही चंपई ने भी झारखंड के आंदोलन में भाग लिया। इसके बाद ही लोग उन्हें 'झारखंड टाइगर' के नाम से बुलाने लगे।

2005 में चंपई पहली बार झारखंड विधानसभा के लिए चुने गए थे। इसके बाद 2009 में भी विधायक बने। उन्होंने सितंबर 2010 से जनवरी 2013 तक विज्ञान और प्रौद्योगिकी, श्रम और आवास मंत्री की जिम्मेदारी संभाली। वहीं जुलाई 2013 से दिसंबर 2014 तक खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति, परिवहन कैबिनेट मंत्री थे।

विकसित भारत संकल्प यात्रा में 51 लाख से ज्यादा लोगों ने भागीदारी कर हरियाणा को बनाया सिरमौर

दर्पण न्यूज सर्विस
चंडीगढ

- मौके पर सरकार की नीतियों की जानकारी लेकर करवा रहे हैं समाधान
- यात्रा गांवों से होती हुई शहर के मोहल्लो तक पहुंची

विकसित भारत संकल्प यात्रा हरियाणा के लोगों के लिए कारगर साबित हुई है। जहां पहले लोगों को समस्याओं के समाधान के लिए ब्लाक व जिला मुख्यालय के सरकारी कार्यालयों में जाना पड़ता था, वहीं यात्रा के दौरान लोगों की समस्याओं का उन्हीं के घर-द्वार पर समाधान हो रहा है। इससे उनके धन व समय की भी बचत हुई।

हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री मनोहर लाल की दूरदर्शी सोच है कि विकसित भारत संकल्प यात्रा के दौरान लोगों को केंद्र व राज्य सरकार की हितकारी योजनाओं से अवगत कराने के साथ-साथ उन्हें लाभ भी पहुंचाना है। इस प्रक्रिया की लोगों ने खूब सराहना भी की है। मुख्यमंत्री इस दौरान लोगों की मिली समस्याओं व उनके समाधान को लेकर भी गंभीर हैं। वे स्वयं इसका फीड बैक लेकर अधिकारियों को निर्देश देते हैं कि वे लोगों की दिक्कतों को दूर करें। यात्रा को लेकर लोगों में खासा उत्साह है। यात्रा में 51 लाख 20 हजार 718 लोगों ने भागीदारी कर हरियाणा को देश का सिरमौर बना दिया है। इस दौरान महिलाओं की खासी भागीदारी रही। यात्रा में 21 लाख 54 हजार 375 महिलाओं ने हिस्सा लेकर जता दिया है कि नारी शक्ति सरकार की नीतियों में पूरे तन -मन से विश्वास जता रही हैं।

हरियाणा फिल्म एवं मनोरंजन नीति के तहत सब्सिडी के लिए चार फिल्मों का चयन

दर्पण न्यूज सर्विस
चंडीगढ

हरियाणा सरकार द्वारा हरियाणा फिल्म एवं मनोरंजन नीति-2022 के तहत सब्सिडी के लिए चार फिल्मों का चयन किया गया है। यह चयन हरियाणा फिल्म प्रमोशन बोर्ड के अंतर्गत गठित गवर्निंग कौंसिल की बैठक में किया गया है जिसकी अध्यक्षता गवर्निंग कौंसिल की अध्यक्ष मीता वशिष्ठ ने की। चयनित फिल्मों को 50 लाख रुपए से लेकर दो करोड़ रुपए तक की सब्सिडी दी जाएगी। इस अवसर पर सूचना, जन सम्पर्क, भाषा एवं संस्कृति विभाग के

महानिदेशक एवं कौंसिल के सदस्य सचिव श्री मंदीप सिंह बराड़ भी उपस्थित थे। बराड़ ने बताया कि जल्द ही राज्य सरकार द्वारा आयोजित एक समारोह में चयनित फिल्मो को सब्सिडी दी जाएगी। उल्लेखनीय है कि प्रदेश के गठन से लेकर अब तक वर्तमान सरकार ने ही पहली बार फिल्म नीति लागू की है। इस नीति का मुख्य उद्देश्य प्रदेश की लोक संस्कृति के संरक्षण देने के साथ- साथ बढ़ावा देना तो है ही, साथ ही सिनेमा के रूप में लोगों का स्वस्थ मनोरंजन उपलब्ध करवाना है। इसके अलावा इस माध्यम से राज्य में रोजगार के अवसरों में भी बढ़ोतरी होगी। फिल्म नीति बनने के उपरांत सिंगल -विंडो शूटिंग परमिशन एवं सब्सिडी प्रोत्साहन से बॉलीवुड के अलावा अन्य भाषाओँ में फिल्में बनाने वाले निमार्ताओं ने भी हरियाणा आकर्षित करने लगा है। बैठक में कौंसिल के सदस्यों में अभिनेत्री सुमित्रा हुडा, अभिनेता यशपाल शर्मा, हरीश कटारिया भी उपस्थित थे। इस अवसर पर पूर्व आईपीएस श्री अनिल कुमार, प्रसिद्ध फिल्म मेकर एवं स्क्रिप्ट राइटर रूमी जाफरी मुख्यमंत्री के मीडिया सलाहकार श्री राजीव जेटली वर्चुअल माध्यम से जुड़े और अपने विचार सांझा किए।

सीएम योगी से प्रान्तीय सिविल सेवा (कार्यकारी शाखा) के वर्ष 2021 बैच के प्रशिक्षु अधिकारियों ने भेंट की

अधिकारी जनता से संवाद बनाकर उनकी समस्याओं का प्रभावी समाधान करें: योगी आदित्यनाथ

दर्पण न्यूज सर्विस
लखनऊ

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से यहां उनके सरकारी आवास पर प्रान्तीय सिविल सेवा (कार्यकारी शाखा) के वर्ष 2021 बैच के प्रशिक्षु अधिकारियों ने भेंट की। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को सम्बोधित करते हुए कहा कि पीसीएस अधिकारी प्रशासनिक व्यवस्था की रीढ़ हैं। कानून-व्यवस्था और विकास कार्यक्रमों के क्रियान्वयन में इन अधिकारियों की महत्वपूर्ण भूमिका है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार की जनकल्याणकारी नीतियों का लाभ जनता तक पहुंचे इसके लिए जरूरी है कि प्रशासनिक अधिकारीगण तमाम विषयों और मुद्दों से भली-भांति परिचित हों। उन्हें अपने दायित्वों का भली प्रकार निर्वहन करने के लिए परिश्रमी और तेसे फैसले लेने में भी सक्षम होना चाहिए। साथ ही, मामलों का निस्तारण पारदर्शी तथा समयबद्ध ढंग से किया जाना चाहिए। अधिकारियों को व्यवस्था के प्रति जवाबदेह होने के साथ ही, गरीब, कमजोर तथा वंचित वर्ग के हितों के प्रति सचेत व संवेदनशील होना चाहिए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि आप सभी अधिकारीगण उस महत्वपूर्ण कड़ी का हिस्सा बनने जा रहे हैं, जहां आम जनमानस की समस्याओं को बहुत नजदीक से सुनने का अवसर मिलेगा। एक कॉमन मैन की पीड़ा को सुनने का अवसर प्राप्त होगा। व्यक्ति तभी फेल होता है, जब वह छोटी-छोटी बातों को नजरअंदाज करता है। आपके लिए छोटी सी चीज दूसरे के लिए बड़ी भी हो सकती है। मुख्यमंत्री ने कहा कि खेत की पैमाइश आपके लिए छोटी हो सकती है, लेकिन जिसका परिवार उस खेत पर आश्रित है, यदि कोई दबंग व्यक्ति उस गरीब व्यक्ति के खेत पर जबरदस्ती कब्जा करना चाहता है वह उस पीड़ित व्यक्ति के लिए बहुत बड़ी घटना होती है। उस स्थिति में खेत की पैमाइश की उसकी मांग उसे तत्काल राहत और न्याय दिला सकती है। राजस्व से जुड़े मामलों को लम्बित न रखा जाए, इससे कॉमन मैन प्रभावित होता है। ऐसे मामलों के लम्बित रहने की दशा में तमाम दावेदार आ जाते हैं, जिससे अन्ततः विवाद की स्थिति उत्पन्न हो जाती है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि संवाद लोकतंत्र की ताकत है। हमें इस ताकत का इस्तेमाल करना होगा। आपकी सबसे बड़ी ताकत ह्यूमन इण्टेलीजेंस है। आपका व्यावहारिक पक्ष अच्छा है, तो जनता की समस्याएं नहीं अटकेंगी और जनप्रतिनिधियों के साथ भी आपका बेहतर संवाद होगा। समस्याओं से जुड़े स्थलों जैसे-प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र, थाना इत्यादि से संवाद स्थापित कर मेरिट के आधार पर शिकायतों व समस्याओं का निस्तारण करें। समस्याओं के निस्तारण के प्रति आप सभी को आग्रही बनना होगा। अधिकारी जनता से संवाद बनाकर उनकी समस्याओं का प्रभावी समाधान करें। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार द्वारा आई0जी0आर0एस0 पोर्टल, सी0एम0 हेल्पलाइन, तहसील दिवस तथा थाना दिवस की व्यवस्था को और प्रभावी बनाया गया है। शिकायतकर्ता की संतुष्टि ही समस्या के निस्तारण का अन्तिम मापदण्ड है। जनता से प्राप्त शिकायतों में 90 प्रतिशत शिकायतें थाना और तहसील से सम्बन्धित होती हैं। अपने कार्य क्षेत्र में प्रत्येक कार्य दिवस में जनसुनवाई करें। तहसील दिवस और थाना दिवस पर टीम बनाकर समय-सीमा तय करते हुए कार्यवाही को आगे बढ़ाएं। जो न्याय संगत हो, उसी पर कार्य किया जाए। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि यह सभी अधिकारीगण उत्तर प्रदेश की जनता की भावनाओं के अनुरूप एक बेहतर और संवेदनशील प्रशासन देने में सफल होंगे।

आज का कार्टून

केंद्र पंजाब को अटल-भू जल योजना में शामिल करे: जौड़ामाजरा

चेतन सिंह जौड़ामाजरा ने कहा, निरंतर पत्र-व्यवहार के बावजूद राज्य की सुनवाई नहीं हो रही

दर्पण न्यूज सर्विस
चंडीगढ़

पंजाब के जल संसाधन और भूमि एवं जल संरक्षण मंत्री स. चेतन सिंह जौड़ामाजरा ने केंद्र सरकार को फिर अपील की है कि वह भूजल के निरंतर घटने के कारण चिंताजनक स्थिति की ओर बढ़ रहे पंजाब राज्य को अटल-भू जल योजना में शामिल करे। उन्होंने अफसोस जताया कि राज्य सरकार द्वारा निरंतर पत्र-व्यवहार करने के बावजूद केंद्र सरकार के कान पर जूँ नहीं सरक रही। पंजाब सिविल सचिवालय स्थित अपने दफ्तर में राज्य में भूजल के कम हो रहे स्तर को रोकने और पानी को प्रदूषित होने से बचाने सम्बन्धी राज्य सभा मैंबर संत बलबीर सिंह सीचेवाल के साथ विचार-विमर्श के दौरान स. चेतन सिंह जौड़ामाजरा ने बताया कि जल संसाधन विभाग द्वारा इस मामले सम्बन्धी कई बार लिखा जा चुका है परन्तु केंद्र सरकार द्वारा कोई सुनवाई नहीं की जा रही। उन्होंने संत सीचेवाल से अपील की कि वह अपने स्तर पर भी केंद्र सरकार के पास राज्य की माँग जोरदार ढंग से उठाएँ।

उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार द्वारा अटल-भू-जल योजना के अंतर्गत उन राज्यों की मदद की जाती है, जहाँ भूजल की स्थिति गंभीर है परन्तु देश का पेट भरने वाले पंजाब के साथ सौतेली माँ का सुलूक करते हुए केंद्र सरकार ने पंजाब को इस योजना में शामिल ही नहीं किया, जबकि राज्य में भूजल का स्तर निरंतर घटता जा रहा है।

इसी दौरान संत बलबीर सिंह सीचेवाल ने बताया कि जल संसाधनों संबंधी बनी संसदीय समिति में वह मैंबर होने के नाते इस योजना के अंतर्गत पंजाब को बाहर रखे जाने पर पहले भी सख़्त ऐतराज जता चुके हैं और पंजाब को इस योजना में शामिल करने के लिए लिख भी चुके हैं।

संत सीचेवाल द्वारा सतलुज नदी के धुस्सी बाँध पर पक्की सडक बनाने की माँग संबंधी कैबिनेट मंत्री ने अधिकारियों को आदेश दिए कि वह तुरंत पंजाब मंडी बोर्ड से सम्पर्क कायम करें ताकि सडक बनाने सम्बन्धी आगे की कार्यवाही अमल में लाई जा सके। उन्होंने कहा कि दरिया किनारे सडक बनने से धुस्सी बाँध को मजबूती मिलेगी और बाढ़ के दौरान दरार पडऩे की घटनाओं को काफी हद तक रोका जा सकेगा।

स. चेतन सिंह जौड़ामाजरा ने विभाग के अधिकारियों को हिदायत की कि वह राज्य के दरियाओं और पुलों के नीचे सफाई सुनिश्चित बनाएँ ताकि दरिया के पानी की निकासी सही ढंग से हो सके। उन्होंने कहा कि अब जब बरसातों के समय में 6 महीने का समय रह गया है तो यह जरूरी है कि सफाई के कार्यों में तेजी लाई जाए।

बैठक के दौरान जल संसाधन विभाग के प्रमुख सचिव श्री कृष्ण कुमार, चीफ इंजीनियर (ड्रेनेज) श्री हरदीप सिंह महन्दीरत्ता, चीफ इंजीनियर (नहरें) श्री शेर सिंह और अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

संक्षिप्त-समाचार

पंजाब में तीन आईपीएस समेत 26 पुलिस अधिकारियों का तबादला

चंडीगढ़। पंजाब के गृह विभाग ने बुधवार को तीन आईपीएस समेत 26 पुलिस अधिकारियों का तबादला कर दिया है। बड़ी बात यह है कि 1998 बैच के आईपीएस नीलाभ किशोर को एसटीएफ की कमान सौंपी गई है। एडीजीपी नीलाभ किशोर को यह नई पोस्टिंग खाली पड़े पद पर पदोन्नित के अनुसार दी गई है। आईपीएस शिवे कुमार वर्मा को एडीजीपी इंटरनल सिक्योरिटी, आईपीएस जसकरण सिंह को रोपड़ रेंज के एडीजीपी के साथ एसएएस नगर के इंटेलिजेंस-2 के एडीजीपी की जिम्मेदारी सौंपी गई है। यह तीनों अधिकारी बीते रोज ही प्रोमोट किए गए थे। तीन आईपीएस के अलावा पीपीएस नरेश कुमार को जालंधर पीएपी का एआईजी और 75वीं पीएपी बटालियन का कमांडेंट लगाया गया है। सतवीर सिंह को डीसीपी अमृतसर हेडक्वार्टर, भूपिंदर सिंह को लुधियाना सीआईडी का जोनल एआईजी के साथ लुधियाना आईआरबी की तीसरी टुकड़ी का कमांडेंट बनाया गया है। पीपीएस बलजीत सिंह को पंजाब एसपीयू का एआईजी, गुरप्रीत सिंह को एसपी कपूरथला हेडक्वार्टर, तेजबीर सिंह को कपूरथला ऑपरेशन एंड ट्रैफिक का एसपी, गुरमीत सिंह को एसपी बठिंडा हेडक्वार्टर, कंवलप्रीत सिंह को एसपी श्री मुक्तसर साहिब हेडक्वार्टर, गुरप्रताप सिंह को जालंधर एडीसीपी-1, बलविंदर सिंह को गुरदासपुर इन्वेस्टिगेशन का एसपी, चंद सिंह को जालंधर ऑपरेशन एंड सिक्योरिटी का एडीसीपी, मनोज कुमार को होशियारपुर का एसपी हेडक्वार्टर, मनप्रीत सिंह को जालंधर रुरल का स्पेशल ब्रांच का एसपी, गुरमीत कौर को लुधियाना हेडक्वार्टर एडीसीपी, अमनदीप कौर को एडीसीपी जालंधर ट्रैफिक बनाया गया है। मेजर सिंह को संगरूर लड्डा कोठी सेकेंड आईआरबी का असिस्टेंट कमांडेंट, मनमीत सिंह को एसपी श्री मुक्तसर साहिब इन्वेस्टिगेशन, बलजीत सिंह को एसपी हेडक्वार्टर फरीदकोट, जसमीत सिंह साहीवाल को फरीदकोट इन्वेस्टिगेशन एसपी के साथ पीबीआई एसपी, परमिंदर सिंह को लुधियाना रुरल इन्वेस्टिगेशन का एसपी, जशनदीप सिंह गिल को पंजाब एसएएस नगर साइबर क्राइम एसपी और नवनीत सिंह महल को रोपड़ पीबीआई एसपी का कार्यभार सौंपा गया है।

धुंध में ट्रक चालक को नहीं दिखा स्पीड ब्रेकर, दो लोगों को कुचला, दोनों की मौत

हलवारा। पंजाब के हलवारा में मंगलवार रात को घनी धुंध में ट्रक चालक ने एक वायुसेना अधिकारी समेत दो लोगों को कुचल दिया। लुधियाना-बठिंडा राजमार्ग पर भारतीय वायुसेना केंद्र हलवारा स्थित अफवा कांप्लेक्स के सामने मंगलवार रात 10 बजे के करीब हादसा हुआ। रायकोट की तरफ से आ रहे ट्रक चालक को धुंध की वजह से स्पीड ब्रेकर दिखाई नहीं दिया और वह सड़क के बीच में खड़े टेंपो समेत दो लोगों को रौंदते निकल गया। मृतकों की पहचान वायुसेना अधिकारी चंदर बोस (40) और होटल मालिक ताहिर मोहम्मद (45) के तौर पर हुई है। थाना सुधार पहुंचे वायुसेना के उच्च अधिकारियों ने ट्रक ड्राइवर के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की मांग की और मुकदमा दर्ज करवाया। जानकारी के अनुसार वायुसेना अधिकारी चंदर बोस का भाई प्रीतम बोस भी ताहिर मोहम्मद के बगल में खोखे में होटल खोल रखा। मंगलवार रात करीब 10 बजे चंदर बोस अपने भाई प्रीतम बोस की मदद करने दुकान पहुंचे थे। चंदर बोस और ताहिर मोहम्मद टेंपो में रखी पानी से भरी बाल्टियां उतार रहे थे। धुंध के कारण कुछ भी दिखाई नहीं दे रहा था। इसी दौरान रायकोट की तरफ से आ रहा ट्रक चालक स्पीड ब्रेकर नहीं देख सका और अनियंत्रित होकर टेंपो से टकरा गया। टक्कर इतनी तेज थी कि ताहिर मोहम्मद की मौके पर ही हो गई और चंदर बोस को दूर तक घसीटते ले गया।

बीपीएल परिवारों को मकान मरम्मत के लिए दी जा रही है 80 हजार रुपये की आर्थिक सहायता

चंडीगढ। हरियाणा अनुसूचित जाति एवं पिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग द्वारा सभी बीपीएल परिवारों को डॉ. बीआर अम्बेडकर आवास नवीनीकरण योजना के तहत मकान मरम्मत के लिए 80 हजार रुपये की आर्थिक मदद दी जा रही है। अभी तक यह लाभ केवल अनुसूचित जाति के बीपीएल परिवारों को ही दिया जा रहा था लेकिन पिछले वर्ष हरियाणा सरकार ने इस योजना में बदलाव करते हुए इसमें सभी बीपीएल परिवारों को शामिल करने का निर्णय लिया था। एक सरकारी प्रवक्ता ने इस संबंध में जानकारी देते हुए बताया कि सरकार ने योजना के तहत लाभार्थियों का दायरा बढ़ाने के साथ-साथ योजना के तहत मिलने वाली राशि को भी 50 हजार रुपये से बढ़ाकर 80 हजार रुपये किया था।

कैबिनेट सब-कमेटी द्वारा स्कूल शिक्षा विभाग से सम्बन्धित अलग-अलग यूनियनों के साथ बैठक

दर्पण न्यूज सर्विस
चंडीगढ़

वित्त मंत्री एडवोकेट हरपाल सिंह चीमा और प्रवासी मामलों संबंधी मंत्री कुलदीप सिंह धालीवाल के सम्मिलन वाली कैबिनेट सब-कमेटी द्वारा आज स्कूल शिक्षा विभाग से सम्बन्धित अलग-अलग यूनियनों के साथ बैठक करके उनके मसलों संबंधी विस्तार में चर्चा की गई। यहाँ पंजाब सिविल सचिवालय में हुई इन बैठकों के दौरान कैबिनेट सब-कमेटी द्वारा मुड़ बहाल कच्चे अध्यापक यूनियन, ओवरएज बेरोजगार यूनियन, अनएडिड स्टाफ फ्रंट, बी.एड. टैट पास बेरोजगार अध्यापक यूनियन और दफ्तरी कर्मचारी यूनियनों के प्रतिनिधियों के साथ अलग-अलग तौर पर बैठक करते हुए उनकी माँगों संबंधी हमदर्दी से विचार किया गया। इस दौरान इन नेताओं द्वारा कैबिनेट सब-कमेटी को अपने माँग-पत्र भी सौंपे गए। खुशगवार माहौल में हुई इन बैठकों के दौरान कैबिनेट सब-कमेटी द्वारा यूनियनों की तरफ से पेश माँग-पत्रों में शामिल नुक्तों संबंधी स्कूल शिक्षा विभाग के अधिकारियों के साथ पड़ाववार चर्चा की। कैबिनेट सब-कमेटी ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि यूनियनों द्वारा उठाई गईं जायज माँगों के समाधान के लिए उनके साथ लगातार बैठकें की जाएँ, जिससे उचित समाधान निकाले जा सकें।

इसी दौरान वित्त मंत्री एडवोकेट हरपाल सिंह चीमा द्वारा एन.एच.एम. एम्पलॉयज यूनियन के साथ भी बैठक की गई। वित्त मंत्री ने स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए कि यूनियन की माँगों सम्बन्धी अन्य राज्यों द्वारा अपनाई गई नीति का अध्ययन किया जाए। इन बैठकों में सचिव स्कूल शिक्षा कमल किशोर यादव, सचिव वित्त गुरप्रीत कौर सपरा, विशेष सचिव-कम-डायरैक्टर जनरल स्कूल शिक्षा विनय बुबलानी, विशेष सचिव स्कूल शिक्षा गौरी पराशर जोशी और यूनियन नेताओं में रमन कुमार मलोट, प्रवीन शर्मा, जगमोहन सिंह, निरभय सिंह जहांगीर, गुरविन्दर सिंह गिल, जसवीर कौर, गुरविन्दर सिंह, सतनाम सिंह और सुखचैन सिंह उपस्थित थे।

नैनो यूरिया स्प्रे करवाने के लिए 15 फरवरी तक करें आवेदन

- केवल 100 रुपए में दी जाएगी नैनो तरल यूरिया
- प्रदेश में एक लाख एकड़ भूमि पर स्प्रे का लक्ष्य

दर्पण न्यूज सर्विस
चंडीगढ

कृषि एवं किसान कल्याण विभाग द्वारा रासायनिक उर्वरकों का इस्तेमाल कम करने और प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने के उद्देश्य से राज्य सरकार द्वारा लगभग एक लाख एकड़ भूमि पर स्प्रे करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। इस योजना के तहत सरकार किसानों को आधी कीमत पर नैनो तरल यूरिया प्रदान करेगी। इसका लाभ लेने हेतू सभी जिलो के किसान 15 फरवरी, 2024 तक पोर्टल पर आवेदन कर सकते हैं। सरकारी प्रवक्ता ने बताया कि भिवानी, फतेहाबाद, हिसार, करनाल व सिरसा में 7000-7000 एकड़ भूमि पर नैनो यूरिया स्प्रे किया जाएगा। इसी प्रकार कुरूक्षेत्र, जीन्द व कैथल में 6000-6000 एकड़ तथा सोनीपत व यमुनानगर में 5000- 5000 एकड़ भूमि और अम्बाला, पानीपत, महेन्द्रगढ, रेवाड़ी, रोहतक व पलवल में किसानों की 4000-4000 एकड़ भूमि पर स्प्रे का लाभ दिया जाएगा। उन्होंने बताया कि मेवात व झज्जर में 3000-3000 एकड़, चरखी दादरी, फरीदाबाद व गुरूग्राम में 2000-2000 एकड़ तथा पंचकूला में 1000 एकड़ भूमि पर नैनो यूरिया स्प्रे छिडकाव का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। इस स्कीम के तहत किसानों को नैनो यूरिया की बोतल केवल 100 रुपये में प्रदान की जाएगी तथा शेष खर्च राज्य सरकार द्वारा वहन किया जाएगा। इसके साथ ही खेत में ड्रोन व अन्य माध्यम से छिडकाव का प्रबंध भी किया जाएगा।

सूचना एवं लोक संपर्क विभाग द्वारा लोक संपर्क अधिकारी डॉ. सरबजीत सिंह कंगनीवाल को सेवानिवृत्ति पर गरिमापूर्ण विदाई

दर्पण न्यूज सर्विस
चंडीगढ़

सूचना एवं लोक संपर्क विभाग, पंजाब द्वारा आज लोक संपर्क अधिकारी डॉ. सरबजीत सिंह कंगनीवाल को उनकी सेवानिवृत्ति के अवसर पर गरिमापूर्ण विदाई दी गई। उन्होंने विभाग में तकरीबन 22 साल शानदार सेवाएं निभाईं। विदाई समारोह के दौरान डॉ. सरबजीत सिंह कंगनीवाल के साथ अपनी निजी साझ को याद करते हुए ज्वाइंट डायरैक्टर स. रणदीप सिंह आहलूवालिया, ज्वाइंट डायरैक्टर स. हरजीत सिंह गरेवाल, ज्वाइंट डायरैक्टर श्री प्रीत कंवल सिंह, डिप्टी डायरैक्टर श्री इशविन्दर सिंह गरेवाल, डिप्टी डायरैक्टर श्री मनविन्दर सिंह, डिप्टी डायरैक्टर श्रीमती शिखा नेहरा, डिप्टी डायरैक्टर श्री गुरमीत सिंह खैहरा, आई.पी.आर.ओ. श्री नवदीप सिंह गिल और श्री कुलतार सिंह मियांपुरी एवं अन्य अधिकारियों ने डॉ. कगनीवाल के जीवन के विभिन्न पहलूओं को उजागर किया। डॉ. कगनीवाल द्वारा विभाग में निभाई गईं शानदार सेवाओं की सराहना करते हुए उन्होंने कहा कि डॉ. कगनीवाल की बेमिसाल सख़्त मेहनत, समर्पण और लगन उनके साथियों और नए भर्ती हुए स्टाफ सदस्यों को पूरी शिद्दत के साथ सेवाएं निभाने के लिए हमेशा प्रेरित करती रहेगी। वक्ताओं ने कहा कि सेवानिवृत्त होने के बाद डॉ. कगनीवाल अपनी सामाजिक जिम्मेदारी को प्रभावशाली ढंग से निभाने के अलावा अपने परिवार के साथ अपना कीमती समय बिता सकेंगे। इस अवसर पर स्टाफ सदस्यों द्वारा डॉ. सरबजीत सिंह कगनीवाल और उनकी पत्नी डॉ. माल्ती सिंह, वैज्ञानिक, नाईपर (मोहाली) को भी स्मृति चिह्न देकर सम्मानित किया गया।

10,000 रुपए रिश्वत लेने के दोष में पंजाब होम गार्ड का जवान विजीलैंस द्वारा काबू

- होमगार्ड बाकी रहते 20,000 रुपए की और माँग कर रहा था
- शिकायत मिलने पर की गई कार्रवाई

दर्पण न्यूज सर्विस
चंडीगढ़

पंजाब विजीलैंस ब्यूरो ने आज पुलिस चौकी गाँव ललतों कलाँ, जिला लुधियाना में तैनात पंजाब होम गार्ड (पी.एच.जी.) के वॉलंटियर हरजिन्दर सिंह को 10,000 रुपए की रिश्वत लेने के दोष अधीन काबू किया है।

इस सम्बन्धी जानकारी देते हुए आज यहाँ राज विजीलैंस ब्यूरो के सरकारी प्रवक्ता ने बताया कि उक्त मुलजिम के विरुद्ध यह केस भाई बाला कॉलोनी, पक्खोवाल रोड, लुधियाना की रहने वाली मनदीप कौर द्वारा मुख्यमंत्री भ्रष्टाचार विरोधी एक्शन लाईन पर दर्ज करवाई गई ऑनलाइन शिकायत की जांच के उपरांत दर्ज किया गया है।

उन्होंने आगे बताया कि शिकायतकर्ता ने अपनी शिकायत में दोष लगाया कि पुलिस चौकी ललतों कलाँ, लुधियाना में तैनात पी.एच.जी. वॉलंटियर हरजिन्दर सिंह और ए.एस.आई. रविन्द्र कुमार उसके भाईयों के विरुद्ध दर्ज पुलिस केस में उसकी मदद करने के बदले उससे 30,000 रुपए रिश्वत की माँग रहे हैं। शिकायतकर्ता ने आगे दोष लगाया कि उक्त ए.एस.आई. द्वारा मुलजिम पी.एच.जी. वॉलंटियर हरजिन्दर सिंह उससे पहले ही 10,000 रुपए रिश्वत ले चुका है और अब बाकी रहते 20,000 रुपए माँग रहा है। शिकायतकर्ता ने सबूत के तौर पर उक्त पी.एच.जी. वॉलंटियर द्वारा की गई माँग की रिकॉर्डिंग भी विजीलैंस को सौंप दी।

शिकायत मिलने के उपरांत विजीलैंस रेंज लुधियाना ने शिकायत की पड़ताल की और शिकायतकर्ता द्वारा लगाए गए दोषों को सही पाया। इस रिपोर्ट के आधार पर मुलजिम पी.एच.जी. वॉलंटियर हरजिन्दर सिंह के खिलाफ विजीलैंस ब्यूरो के थाना लुधियाना रेंज में भ्रष्टाचार निवारक अधिनियम कानून की धारा 7 के अधीन एफ.आई.आर नंबर 05 तारीख 31.01.2024 के अंतर्गत केस दर्ज करके उसको गिरफ्तार कर लिया गया है।

बताने योग्य है कि मुलजिम को कल अदालत में पेश किया जायेगा। उन्होंने आगे बताया कि इस मामले की आगे की जांच के दौरान उपरोक्त ए.एस.आई रविन्द्र कुमार और अन्य पुलिस कर्मचारियों की भूमिका की भी जांच की जाएगी।

मेडटेक मित्र: भारत निर्मित मेडटेक उत्पादों का हाईवे

केंद्र सरकार ने मेडटेक मित्र नाम से इनोवेटर्स की मदद के लिए एक पहल शुरू की है जिसका लक्ष्य क्लिनिकल मूल्यांकन, विनियामक सुविधा और नए मेडटेक उत्पादों को बढ़ावा देना हैक

नए मेडटेक उत्पाद (जैसे चिकित्सा उपकरण या डायग्नोस्टिक) की यात्रा एक आविष्कारक के विचार से शुरू होती है जो एक प्रयोगशाला में इसकी प्रमाण अवधारणा (पीओसी) का प्रदर्शन करता है। फिर आविष्कारक को आगे के परीक्षण के लिए प्रोटोटाइप के निर्माण हेतु एक भागीदार की आवश्यकता भी होती है। उत्पाद के लिए पशु अध्ययन की आवश्यकता और आखिर में मानव अध्ययन को सख्त नियामक और नैतिक दिशानिर्देशों का पालन करते हुए और मजबूत अनुसंधान विधियों को नियोजित करने की आवश्यकता भी होती है। एक अनुमोदित और लाइसेंस प्राप्त उत्पाद बड़े पैमाने पर उत्पादन और बाजार में प्रवेश के अवसर की प्रतीक्षा करता है।

इनोवेटर्स और स्टार्टअप अपने तकनीकी काम में बहुत अच्छे हो सकते हैं, लेकिन विचार-विमर्श से लेकर क्लिनिकल सेटिंग में उपयोग के लिए तैयार उत्पाद तक की जटिल यात्रा को पूरा करना उनके लिए कठिन होता है; और अक्सर समय पर व्यापक मार्गदर्शन और सुविधा नहीं मिल पाती है।

ज्यादातर इनोवेटर्स विनियामक आवश्यकताओं, परीक्षण और सत्यापन, उद्योग ग्रेड उत्पादन, पशु अध्ययन, मूल्यांकन/परीक्षण, प्रौद्योगिकी मूल्यांकन अनिवार्यताओं, आदि के बारे में समझ और अवसरों की कमी से संबंधित कठिनाइयाँ का सामना करते हैं। परिणामस्वरूप, बड़ी संख्या में संभावित प्रभावी मेडटेक उत्पाद विकास पाइपलाइन के विभिन्न चरणों में अटके रहते हैं, और कभी भी मुख्यधारा में नहीं आ पाते हैं। निराशा हाथ लगती है और कई इनोवेटर्स हार मान जाते हैं। यह अस्वीकार्य स्थिति युवाओं की नवीन और उद्यमशीलता की भावना और प्रतिभा को दबा देती है; और देश के नवोन्मेषी, आर्थिक और स्वास्थ्य सेवा से जुड़े हितों को कमजोर करती है। केंद्र सरकार ने वैज्ञानिकों, इनोवेटर्स और स्टार्टअप्स के सामने आने वाली इन समस्याओं का समाधान करने के लिए मेडटेक उत्पाद विकास की यात्रा को सुविधाजनक बनाने के लिए एक हैंडहोल्डिंग हाईवे बनाया है। सुशासन दिवस के अवसर पर (25 दिसंबर 2023), भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर) ने नीति आयोग और स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय के केंद्रीय औषधि मानक और नियंत्रण संगठन (सीडीएससीओ) के साथ साझेदारी में मेडटेक मित्र पहल शुरू की। आईसीएमआर के मेडिकल डिवाइस एंड डायग्नोस्टिक्स मिशन सचिवालय द्वारा आईसीएमआर वेबसाइट पर एक पोर्टल (https://medtechmitrÔ.icmr.org.in) चालू किया गया है। इसपर एक आवेदक इनोवेटर/स्टार्टअप उत्पाद और उसके विकास के चरण का ऑनलाइन विवरण भरकर मार्गदर्शन का अनुरोध करता है। आईसीएमआर-सीडीएससीओ टीम मामले की जांच करती है और आवश्यक मदद के लिए कठिनाई की पहचान कर व्यक्तिगत बातचीत करती है और विशिष्ट सुविधात्मक कदमों के लिए आवेदक की मदद करती है।

प्री-क्लिनिकल और क्लिनिकल अध्ययन एक बड़ी चुनौती हैं इसमें सहयोगी टीम और फंड की आवश्यकता होती है। मेडटेक मित्र टीम इनोवेटर्स को आईसीएमआर के प्री-क्लिनिकल और क्लिनिकल ट्रायल नेटवर्क और अन्य शोध संस्थानों के शोधकताओं से जोड़ेगी। वैज्ञानिक समीक्षा प्रक्रिया द्वारा चयनित नवीन चिकित्सा प्रौद्योगिकियों पर प्री-क्लिनिकल और क्लिनिकल अध्ययन करने वाले संस्थानों को फंडिंग की पेशकश की जाएगी।

भारत में निर्मित मेडटेक उत्पादों के विकास, सत्यापन, प्राधिकरण के इस राजमार्ग में अटल इनोवेशन मिशन (एआईएम), फार्मास्यूटिकल्स विभाग, अनुसंधान संस्थानों का इंटेंट नेटवर्क और कलाम इंस्टीट्यूट ऑफ हेल्थ टेक्नोलॉजी और स्वास्थ्य अनुसंधान विभाग के दो कार्यक्रम (भारत में स्वास्थ्य प्रौद्योगिकी मूल्यांकन और दिशानिर्देश केंद्र) के मुख्य भागीदार हैं।

इस पहल के लॉन्च के कुछ ही दिनों के अंदर, 80 से अधिक इन्नोवेटर्स मेडटेक मित्र से जुड़े हैं जो इस तरह की हैंडहोल्डिंग प्रणाली की आवश्यकता को दशार्ता है। भविष्य में इस प्रणाली की संभावनाएँ बहुत अधिक हैं।

मेडटेक उद्योग एक उभरता हुआ क्षेत्र है, जिसका मूल्य वर्तमान में 11 बिलियन अमेरिकी डॉलर है, और 2030 तक 50 बिलियन अमेरिकी डॉलर तक पहुंचने की ओर अग्रसर है। भारत का नवाचार पारिस्थितिकी तंत्र तेजी से चमक रहा है। देश में 1 लाख (कुछ साल पहले के 500 की तुलना में) से अधिक स्टार्टअप हैं जिनमें से एक महत्वपूर्ण अनुपात चिकित्सा प्रौद्योगिकियों पर केंद्रित है।

भारत में डायग्नोस्टिक्स जैसे चिकित्सा उपकरणों की भारी मांग है, लेकिन हम उनमें से 80% आयात करते हैं। स्वदेशी मेडटेक उत्पाद अक्सर निम्न स्तर की तकनीक वाले होते हैं। देश की वर्तमान और भविष्य की जरूरतों और वैश्विक मांग को पूरा करने के लिए भी हमे इसे बदलना होगा। चिकित्सा प्रौद्योगिकियों का सुपर हब बनना भारत की नियति है। इसके लिए हमारे नवाचार और अनुसंधान एवं विकास प्रणाली को उत्कृष्टता हासिल करनी होगी। और हमारे उद्योग को खुद को दुनिया भर में उच्च-स्तरीय और नवीन मेडटेक उत्पादों के आपूर्तिकर्ता के रूप में बदलना होगा। सरकार ने हाल ही में मेडटेक सेक्टर को बढ़ावा देने के लिए कई कदम उठाए हैं। चिकित्सा उपकरण पार्क विकसित किये जा रहे हैं। राष्ट्रीय चिकित्सा उपकरण नीति लॉन्च की गई है। फार्मा-मेडटेक क्षेत्र में अनुसंधान एवं विकास और नवाचार पर एक राष्ट्रीय नीति जारी की गई। फार्मा-मेडटेक क्षेत्र में अनुसंधान और नवाचार को बढ़ावा देने के लिए एक योजना (पीआरआईपी) भी हाल ही में शुरू की गई है ताकि फार्मा-मेडटेक उद्योग में वृद्धिशील नवाचार के पारंपरिक दृष्टिकोण से विघटनकारी नवाचार तक एक आदर्श बदलाव प्रदान किया जा सके।

मेडटेक मित्र पहल को प्रधानमंत्री के 'जय विज्ञान, जय अनुसंधान' और मेक-इन-इंडिया के आह्वान को मूर्त रूप देते हुए मेडटेक क्षेत्र के लिए नवाचार और अनुसंधान एवं विकास परिवेश को प्रेरित करने के उपरोक्त प्रयासों की निरंतरता के रूप में देखा जाना चाहिए। विकसित भारत की प्रगति में मेडटेक उत्पाद हमारे औद्योगिक पोर्टफोलियो का एक प्रमुख हिस्सा बनकर उभरेंगे।

मेडटेक मित्र एक पोर्टल नहीं है, बल्कि विशेषज्ञ सहायता, सुविधा, तकनीकी सहायता और नियामक मार्गदर्शन की एक पूरी प्रणाली है। सरकार मेडटेक मित्र विंडो तक पहुंचने के लिए वैज्ञानिकों, इन्नोवेटर्स, स्टार्टअप और स्थापित कंपनियों को आमंत्रित करती है। हम इनोवेटर्स इनेबलर के मित्र को लगातार सीखने और सुधारने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

मेडटेक मित्र में भारत के मेडटेक इनोवेशन इकोसिस्टम और मेक-इन-इंडिया मिशन के लिए गेम-चेंजर बनने की क्षमता है। यह मंच किफायती, स्वदेशी, उच्च गुणवत्ता वाले चिकित्सा उपकरणों और निदान के माध्यम से सार्वभौमिक स्वास्थ्य सेवा प्राप्त करने के भारत के प्रयासों को भी मजबूत करेगा।

विनोद के पॉल

डॉ. विनोद पॉल नीति आयोग के सदस्य हैं।

दैनिक सिटी दर्पण
आईना सच का
न्वोन्मेषक: स्व. कृष्णा शर्मा
स्व. गीता शर्मा
संस्थापक: सतपॉल शर्मा
स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक एंव संपादक भुपेंद्र शर्मा द्वारा इंप्रेशन्ज प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग लिमिटेड प्रेस, प्लॉट न. 22, ग्राउंड फ्लोर, फेस-2, इंडस्ट्रियल एरिया, पंचकूला-134113 (हरियाणा) पर मुद्रित एंव 801/1 सेक्टर-40ए, चंडीगढ़ से प्रकाशित
सभी विवादों का केंद्र न्यायालय चंडीगढ़ होगा।
स्थानीय कार्यालय
801/1, सेक्टर-40ए, चंडीगढ़।
संपर्क: 7888450261
Email: citydarpan1@gmail.com

नैतिकता में संवेदनशीलता की भूमिका सबसे ज्यादा: मनोहर लाल

मुख्यमंत्री बोले- सोच और दृष्टिकोण को बदलकर ही नैतिकता के रास्ते पर चला जा सकता है

दर्पण न्यूज सर्विस
चंडीगढ़

- गीता के ज्ञान की प्रासंगिकता आज भी उतनी ही हैझस्वामी ज्ञानानंद
- हरियाणा पुलिस अकादमी मधुबन में आयोजित हुई नैतिकता को लेकर कार्यशाला
- प्रदेश के सभी आइएएस और आईपीएस अधिकारियों के साथ-साथ विभिन्न विभागों के अध्यक्षों ने लिया भाग

हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री मनोहर लाल ने प्रदेश के प्रशासनिक और पुलिस अधिकारियों का आान करते हुए कहा कि नैतिकता का सबसे बड़ा गुण संवेदनशीलता भी है इसीलिए हम सभी को समाज के अभावग्रस्त और पीड़ित लोगों के प्रति संवेदनशीलता रखते हुए काम करना होगा ताकि हम स्वयं को एक आदर्श के रूप में स्थापित कर सकें। मुख्यमंत्री श्री मनोहर लाल बुधवार को हरियाणा पुलिस अकादमी मधुबन में हिपा द्वारा प्रदेश के प्रशासनिक और पुलिस अधिकारियों के लिए आयोजित नैतिकता शिविर को बतौर मुख्यातिथि के तौर पर सम्बोधित कर रहे थे।

उन्होंने कहा कि हिपा द्वारा आयोजित इस मिशन कर्मयोगी हरियाणा अभियान के तहत अभी तक प्रदेश के करीब 2 लाख कर्मचारी लाभान्वित हो चुके हैं। इस अभियान का मुख्य उद्देश्य अधिकारी और कर्मचारियों के दृष्टिकोण को सही दिशा में ले जाना है ताकि हरियाणा प्रदेश को भी विकास की सही दिशा में ले जाया जा सके। मुख्यमंत्री ने कहा कि अपनी सोच और दृष्टिकोण को बदलकर ही नैतिकता के रास्ते पर चला जा सकता है। भ्रष्टाचार और अनैतिकता इसमें सबसे बड़ी रुकावट है। हमें स्वयं को अगर आदर्श के रूप में स्थापित करना है तो सोच और दृष्टिकोण बदलकर दूसरों को भी बदलना होगा। मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने जिस तरह से 2047 तक विकसित भारत की कल्पना की है, उन्होंने स्वयं से लेकर आमजन तक इस कल्पना को ले जाने का काम किया है। क्योंकि समाज में नैतिकता के आने से ही इसकी कल्पना को साकार किया जा सकता है।

उन्होंने मिशन कर्मयोगी अभियान के लिए हिपा की प्रशंसा करते हुए कहा कि आगामी 31 मार्च तक सभी अधिकारियों और कर्मचारियों को इस अभियान के तहत नैतिकता का पाठ पढ़ाया जाएगा। यही नहीं 2 साल में पुन इसका दूसरा चरण भी रखा जाएगा क्योंकि इससे शिद्दता और स्वच्छता आएगी और जब वातावरण में शुद्धता आती है तो वातावरण ठीक हो जाता है। इसी तरह हमें अपने विचारों को भी ठीक करना है ताकि फील्ड में काम करने वाले अधिकारी और कर्मचारी भी शिद्त्ता और शुद्धता के साथ जनसेवा के लिए कार्य करें। मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने कहा कि सोच और दृष्टिकोण में परिवर्तन आने से अच्छे कार्य होते हैं और यही कार्य प्रदेश में सरकारी नौकरियों की भर्तियों में हमने किया। मिशन मेरिट के तहत अधिकारी और कर्मचारियों की भर्ती की गई, जिसका कई बार विरोध भी झेलना पड़ा लेकिन उसके परिणाम सबके सामने हैं कि योग्य और पात्र युवा ही सरकारी नौकरियों में आ रहे हैं। उन्होंने कहा कि नैतिकता और संस्कार हमारे मन को मजबूत बनाते हैं जिससे सेवा करने का भाव उत्पन्न होता है। इसके बाद फिर व्यक्ति अपने अधीनस्थ कर्मचारियों में जाकर कार्य करता है जिससे उसको संतोष और संतुष्टि प्राप्त होती है। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने 40 एवी बूस्टर नामक प्रेरक वचन का भी शुभारंभ किया। यह प्रेरक वचन मुख्यमंत्री मनोहर लाल के साथ-साथ स्वामी ज्ञानानंद महाराज व अन्य विद्वानों के प्रेरक वचन होंगे जो प्रदेश के सभी कर्मचारियों तक पहुंचाए जाएंगे। गीता मनीषी महामंडलेश्वर स्वामी ज्ञानानंद महाराज ने अपने संबोधन में कहा कि मुख्यमंत्री श्री मनोहर लाल गीता को अपनी प्रेरणा मानते हैं और गीता का व्यावहारिक ज्ञान भी यही है कि हमारे आचरण में वह बातें सिद्ध हो जो हम गीता से सीख कर अपने दैनिक जीवन में उतारते हैं। उन्होंने कहा कि ज्ञान की पूर्णता तभी प्रकट होती है जब संघर्ष सामने हो। अच्छाई बुराई श्रेयस और प्रेयस का भी तब ही पता चलता है। स्वामी ज्ञानानंद महाराज ने कहा कि बुराई प्रारंभ में अच्छाई लगती है लेकिन उसका परिणाम हमेशा बुरा होता है। इसी तरह अच्छाई शुरूआत में कठिन होती है लेकिन उसका परिणाम हमेशा अच्छा रहता है। इसके लाखों उदाहरण आज समाज में दिखाई देते हैं। हमें अपने जीवन प्रबंधन में भी गीता को उतारना चाहिए। उन्होंने कहा कि देश के प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी नित्य रूप से गीता का पाठ करते हैं। उन्होंने भी कर्म योगी बनने के सिद्धांत को सोच और दृष्टिकोण को बदलने के लिए कहा है इसलिए हम सबको स्वार्थ को छोड़कर पुरुषार्थ और परमार्थी बनना चाहिए। कार्यक्रम में हिपा की महानिदेशक चंद्रलेखा मुखर्जी ने हिपा की तरफ से मुख्यमंत्री मनोहर लाल सहित स्वामी ज्ञाननंद व अन्य सभी का स्वागत अभिनंदन किया। इस मौके पर गृह सचिव व वित्तआयुक्त टीवीएसएन प्रसाद, पुलिस महानिदेशक शत्रु जीत कपूर, मुख्यमंत्री के अतिरिक्त प्रधान सचिव डॉ अमित कुमार अग्रवाल, सूचना जनसंपर्क एवं भाषा विभाग के महानिदेशक मनदीप सिंह बराड़, हरियाणा पुलिस अकादमी के निदेशक एसएस राव भी उपस्थित रहे।

संक्षिप्त-समाचार

80 हजार विद्यार्थियों का मूल्यांकन करेगा श्री विश्वकर्मा कौशल विश्वविद्यालय

चंडीगढ। श्री विश्वकर्मा कौशल विश्वविद्यालय,पलवल प्रदेश के सरकारी स्कूलों में स्किल सब्जेक्ट पढ़ रहे दसवीं और बारहवीं कक्षा के 80 हजार विद्यार्थियों का मूल्यांकन करेगा। यह मूल्यांकन 22 जिलों के 1248 स्कूलों में पहली फरवरी से शुरू होगा। विश्वविद्यालय ने इसके लिए 300 से भी ज्यादा प्रशिक्षित लोगों की टीम तैयार की है। विश्वविद्यालय के प्रवक्ता ने इस बारे में जानकारी देते हुए बताया कि इस अभियान के लिए हरियाणा शिक्षा परियोजना परिषद के साथ अनुबंध हुआ है। इसके अंतर्गत हरियाणा के विभिन्न स्कूलों में दसवीं और बारहवीं कक्षा में स्किल सब्जेक्ट पढ़ने वाले कुल 80 हजार 53 विद्यार्थियों के मूल्यांकन का जिम्मा श्री विश्वकर्मा कौशल विश्वविद्यालय को मिला है। इनमें दसवीं कक्षा के विद्यार्थियों की संख्या 44 हजार 492 है, जबकि बारहवीं के 35 हजार 561 विद्यार्थी शामिल हैं। विशेषज्ञों की टीम प्रैक्टिकल असेसमेंट करेगी और विद्यार्थियों का सर्टिफिकेशन किया जाएगा। उन्होंने बताया कि यह मूल्यांकन नेशनल स्किल क्वालिफिकेशन फ्रेमवर्क के मानकों पर होगा। विद्यार्थियों के सर्टिफिकेशन के आधार पर उनके क्रेडिट भी क्रेडिट बैंक में जाएंगे। भविष्य में स्किल पर आधारित कोर्स करते समय उन्हें इन अंकों का लाभ मिलेगा। स्किल को बढ़ावा देने के लिहाज से यह सरकार की महत्वाकांक्षी योजना है। इससे स्कूली स्तर पर विद्यार्थियों में कौशल शिक्षा के प्रति रुझान बढ़ रहा है। विश्वविद्यालय इसी के अनुरूप अपने प्रोग्राम डिजाइन कर रहा है, ताकि स्कूली स्तर पर स्किल सीख कर आने वाले विद्यार्थी इन्हें अपने करियर के रूप में अपना सकें। उन्होंने बताया कि यह मूल्यांकन आईटी, एग्रीकल्चर, अपैरल, बैंकिंग एन्ड फिनांस, ऑटोमेटिव, ब्यूटी एन्ड वैलनेस, कंसट्रक्शन, हेल्थ केयर, मीडिया एंटरटेनमेंट, फिजिकल एजुकेशन, प्लंबिंग, पावर, टूरिज्म एन्ड हॉस्पिटैलिटी और रिटेल विषयों में मूल्यांकन किए जाएंगे।

सफीदों में 20 करोड़ रुपए की लागत से सड़कों का होगा उद्धार

चंडीगढ। हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री मनोहर लाल ने जींद जिला के सफीदों क्षेत्र में सडकों के उद्धार के लिए 20.10 करोड़ रुपए की मंजूरी दी है। सरकार के इस निर्णय से हरियाणा में कनेक्टिविटी बढ़ेगी और लोगों को निर्बाध परिवहन की सुविधा मिलेगी। एक सरकारी वक्ता ने इस बारे में जानकारी देते हुए बताया कि ग्रामीण क्षेत्रों से उत्पादन को बाजार केंद्रों, तहसील मुख्यालयों, ब्लॉक विकास मुख्यालयों, रेलवे स्टेशनों आदि तक पहुंच प्रदान करने वाली सड़कों को अन्य जिला सड़कें (ओडीआर) के रूप में जाना जाता है। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री ने सफीदों क्षेत्र के लिए गांव जामनी रिटोली से बनिया खेड़ा से तेली खेड़ा ,भुसलाना से डिडवाड़ा सड़क , लुदाना से निजामपुर सड़क, ढाढरथ से रायचंदवाला रोड, रत्ता खेड़ा से सिंघपुरा सड़क , धारौली से गंगोली रोड ,खरकड़ा से बहादुरपुर रोड , जींद-सफीदों रोड से शिल्ला खेड़ी स्कूल रोड , सरफाबाद से जागसी रोड, धातरथ से खरक गदियान रोड , हाडवा से बगरू सड़क का नवीनीकरण एवं चौड़ीकरण किया जायेगा। उन्होंने आगे कहा कि यह पहल हरियाणा सरकार की बुनियादी ढांचे के विकास के प्रति प्रतिबद्धता को दशार्ती है और निस्संदेह राज्य भर में सड़क नेटवर्क और कनेक्टिविटी में सुधार करके जनता को पर्याप्त लाभ पहुंचाएगी।

सैकेण्डरी व सीनियर सैकेण्डरी परीक्षा मार्च -2024 के लिए परीक्षार्थियों के आवेदन-पत्र आज से लाईव

चंडीगढ़। हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड भिवानी द्वारा सैकेण्डरी व सीनियर सैकेण्डरी वार्षिक परीक्षा मार्च-2024 के लिए अराजकीय अस्थाई मान्यता प्राप्त विद्यालयी परीक्षार्थियों के ऑनलाइन आवेदन-पत्र आज से बोर्ड की वेबसाइट पर भरे जाने हैं। इस बारे में जानकारी देते हुए बोर्ड प्रवक्ता ने बताया कि सैकेण्डरी व सीनियर सैकेण्डरी वार्षिक परीक्षा मार्च-2024 के लिए अराजकीय अस्थाई मान्यता प्राप्त विद्यालयों के ऑनलाइन आवेदन-पत्र भरने की तिथि बिना विलम्ब शुल्क 31 जनवरी से 07 फरवरी, 2024 तक निर्धारित की गई है। उन्होंने बताया कि सैकेण्डरी परीक्षा हेतु परीक्षार्थियों के लिए परीक्षा शुल्क 750 रुपए, माईग्रेशन शुल्क 50 रुपए व 100 रुपए प्रायोगिक विषय/विषयों शुल्क कुल 900/- रुपए निर्धारित किया गया है। इसके अतिरिक्त यदि सैकेण्डरी के परीक्षार्थी द्वारा अतिरिक्त विषय की परीक्षा दी जानी है तो उसे परीक्षा शुल्क के अलावा 200/- रुपए अतिरिक्त विषय शुल्क भी जमा करवाना होगा। उन्होंने आगे बताया कि सीनियर सैकेण्डरी परीक्षा हेतु परीक्षार्थियों के लिए परीक्षा शुल्क 900 रुपए, माईग्रेशन शुल्क 100 रुपए एवं 100 रुपए प्रायोगिक विषय/विषयों शुल्क कुल 1100 रुपए निर्धारित किया गया है।

लोगों की उम्मीदों, भरोसे और विश्वास पर पूरी तरह खरी उतर रही मोदी की गारंटी गाड़ी : डॉ. कमल गुप्ता

चंडीगढ।हरियाणा के शहरी स्थानीय निकाय मंत्री डॉ. कमल गुप्ता ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के आत्मनिर्भर और विकसित भारत के सपने को साकार करने की दिशा में विकसित भारत संकल्प यात्रा-जनसंवाद लोगों की उम्मीदों, भरोसे और विश्वास पर पूरी तरह खरी उतर रही है और जनकल्याण व जनसेवा को समर्पित होकर आगे बढ़ रही है। डॉ. कमल गुप्ता आज विकसित भारत संकल्प यात्रा के दौरान हिसार में आयोजित जनसंवाद कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि मोदी की गारंटी वैन देशभर में घूम-घूम कर गरीबों व वंचितों को सरकार की योजनाओं से लाभान्वित कर रही है। सरकार का लक्ष्य देश की आजादी के शताब्दी वर्ष में भारत को आत्मनिर्भर और विकसित राष्ट्र बनाने का है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार के कार्यकाल में जहां गरीबों का कल्याण हुआ है, वहीं देश का मान-सम्मान भी बढ़ा है। उन्होंने कहा कि गरीब बीपीएल परिवारों को निःशुल्क उज्ज्वला गैस कनेक्शन प्रदान करते हुए कहा कि सरकार द्वारा समाज के सबसे कमजोर वर्गों के सामाजिक-आर्थिक उत्थान के लिए शुरू की गई उज्ज्वला योजना सहित अन्य प्रमुख योजनाओं को शत-प्रतिशत अंतिम छोर तक पहुंचाने का प्रयास किया जा रहा है। डॉ. कमल गुप्ता ने कहा है कि किसी भी योजना के सफल होने के लिए उसका हर लाभार्थी तक पहुंचना बहुत जरूरी है।

संपादकीय — मानसिक दबाव

बच्चों का बेहतर भविष्य बनाने के लिए प्रचलित धारणाओं के शिकार अभिभावक अपनी महत्त्वाकांक्षाएं अपने बच्चों के जरिए पूरा करना चाहते हैं। राजस्थान के कोटा में एक छात्रा की खुदकुशी की घटना से फिर यही पता चलता है कि पिछले कई वर्षों से लगातार इस समस्या के गहराते जाने के बावजूद इसमें सुधार के लिए कोई गंभीरता नहीं दिख रही। गौरतलब है कि छात्रा ने आत्महत्या करने से पहले अपने माता-पिता को संबोधित पत्र में लिखा कि 'मैं जेईई नहीं कर सकती, इसलिए आत्महत्या कर रही हूं। मैं हारी हुई हूं, मैं ही इसकी वजह हूं, यह आखिरी विकल्प है।स

यह बताने के लिए काफी है कि पढ़ाई-लिखाई से लेकर 'कुछ बड़ा' कर पाने के बोझ और समूची व्यवस्था से किस स्तर पर त्रासद स्थितियां पैदा हो रही हैं, जिसमें किशोरवय बच्चों के सामने जिंदगी और मौत में किसी एक को चुनने का विकल्प पैदा हो रहा है। इस वर्ष किसी विद्यार्थी की आत्महत्या की यह दूसरी घटना है। जब इस तरह की कोई घटना व्यापक चर्चा का विषय बन जाती है, सब तरफ चिंता जताई जाने लगती है, तब इसके हल के लिए विभिन्न स्तरों पर उपाय करने की बातें की जाती हैं। मगर शायद इस समस्या की जड़ों की पहचान कर उसके मुताबिक ठोस रास्ते निकालने की पहल नहीं हो पा रही है।

वाल है कि जिस किशोरावस्था में बच्चे कई तरह की मानसिक-शारीरिक उथल-पुथल से गुजरते रहते हैं, उसमें उनके सिर पर पढ़ाई-लिखाई और भविष्य की चिंता को एक बोझ के रूप में कौन डाल देता है! इसके बाद उस चिंता को भुनाने के लिए कोचिंग संस्थानों ने जैसा सख्त तंत्र खड़ा किया है और उसमें जिस तरह बहुत सारे बच्चे पिस और टूट रहे हैं, उस पर कोई लगाम क्यों नहीं है?

सरकारों को इससे संबंधित कोई स्पष्ट और ठोस नीति बनाने की जरूरत क्यों नहीं लग रही है? यह त्रासदी तब भी कायम है जब पिछले कई वर्षों से लगातार कोटा में ऐसी परीक्षा की तैयारी करने वाले छात्र-छात्राओं की खुदकुशी अब एक व्यापक चिंता का विषय बन चुकी है। ऐसी आत्महत्याओं का कारण एक ही होता है कि किसी बच्चे ने परीक्षा और तैयारी के सामने खुद को लाचार पाया और उसे कोई अन्य रास्ता नहीं सूझा।

यह समझने की जरूरत क्यों नहीं महसूस हो रही है कि जिस उम्र में कई बच्चों के सिर पर इस तरह की पढ़ाई और उससे संबंधित परीक्षा में बेहतरीन नतीजे लाने का बोझ लाद दिया जाता है, उस दौरान वे विषम हालात से निपट सकने के लिए कितनी परिपक्वता रखते हैं। आमतौर पर मान लिया गया है कि जीवन में सफल होने के लिए डाक्टर-इंजीनियर या कोई उच्च प्रशासनिक अधिकारी बनना ही अच्छा विकल्प है। इन परीक्षाओं में कामयाबी को लेकर किसी विद्यार्थी के भीतर कितनी रुचि है या उसके लिए वह कितना सक्षम है, इसका आकलन करने की कोई जरूरत नहीं समझी जाती।

दूसरी ओर, बच्चों का बेहतर भविष्य बनाने के लिए प्रचलित धारणाओं के शिकार अभिभावक अपनी महत्त्वाकांक्षाएं अपने बच्चों के जरिए पूरा करना चाहते हैं। जबकि किशोरवय स्कूल-कालेज की पढ़ाई-लिखाई के साथ-साथ व्यक्तित्व निर्माण का एक नाजुक दौर होता है। इसके बजाय अगर प्रवेश परीक्षा के लिए पढ़ाई में दिलचस्पी न होने के बावजूद किसी बच्चे के सामने अकेला विकल्प यही रख दिया जाता है, तो उसके सोचने-समझने और संवेदना की दिशा बाधित होगी ही। ऐसे में अगर बच्चे जीवन से हार जाते हैं, तो इसकी जिम्मेदारी किस पर जाएगी? जाहिर है, यह परिवार, समाज, शिक्षा जगत और सरकार के लिए सोचने का मुद्दा है कि आखिर यह होड़ कहां जाकर रुकेगी!

आज का राशिफल

मेष: आज कई सारे रुके हुये काम दोबारा शुरू हो सकते हैं। बातचीत द्वारा परिस्थितियों को सम्भाल लेंगे। व्यवसाय और करियर में आपको अच्छा धन लाभ होगा। बीमार लोगों के स्वास्थ्य में सुधार होगा। प्रेमी जन के साथ आप रोमान्टिक डेट पर जा सकते हैं।

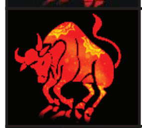
वृषभ: आपकी जीवनशैली में सुधार होगा। एकाग्रता के साथ कार्य करेंगे, तो परिणाम बेहतरीन तरीके से मिलेंगे। परिजनों के साथ आप अच्छा समय बितायेंगे। व्यापार में नया अनुबन्ध कर सकते हैं। किसी सहकर्मी से आपका झगड़ा हो सकता है। घर की जरूरतों का ध्यान रखें।

मिथुन: घर की जिम्मेदारियाँ आपको सम्भालनी होंगी। जॉब में किसी तरह के बदलाव को लेकर विचार बनेगा। प्रेम सम्बन्धों को लेकर परिजनों का रुख सहयोगात्मक रहेगा। गरिष्ठ भोजन के सेवन से आपको कब्ज की शिकायत हो सकती है।

कर्क: दिखावे और आडम्बर के चक्कर में गलती न हो इसका ध्यान रखें। मित्रों से आपको काफी मदद मिल सकती है। भविष्य को लेकर थोड़े आशंकित रहेंगे। चिकित्सा के पेशे से जुड़े लोगों के ऊपर काफी दबाव हो सकता है। आज अपने शौक को पूरा करने में समय लगा सकते हैं।

सिंह: सन्तान की शिक्षा में उत्तम परिणाम देखने को मिलेंगे। आनन्द और उल्लास के साथ समय व्यतीत होगा। व्यवसाय में उत्तरोत्तर उन्नति के योग बन रहे हैं। दाम्पत्य सम्बन्धों में काफी प्रगाढ़ता रहेगी। जीवनसाथी की सलाह से आपको व्यवसाय में काफी लाभ मिल सकता है।

कन्या: परिवार में मांगलिक कार्यों की रूपरेखा बन सकती है। आपको लक्ष्यों के प्रति सहज रहना चाहिये। समय पर काम नहीं होने से तनाव हो सकता है। आपको काफी भागदौड़ करनी पड़ेगी। लेकिन इसका आपको सकारात्मक परिणाम भी अवश्य मिलेगा। नकारात्मक लोगों से दूरी बनाकर रखें।

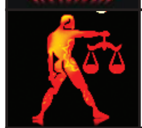
तुला: कार्यक्षेत्र में आपके कार्यों की प्रशन्सा होगी। कार्यक्षेत्र में विभाग या क्लाइंट्स से आपको उपहार मिलने के योग बन रहे हैं। दाम्पत्य और प्रेम सम्बन्धों के मामले में भाग्यशाली रहेंगे। कीमती वस्तुओं की खरीदारी कर सकते हैं। सामाजिक कार्यों में आप व्यस्त होंगे। नयी जॉब ढून्ढ रहे हैं, तो आपको सफलता मिल सकती है।

वृश्चिक: आज धन के मामले में आपको निराशा हाथ लग सकती है। व्यर्थ के कार्यों में अपना समय और धन बर्बाद न करें। बातचीत के माध्यम से कई सारी परेशानियाँ सुलझने की सम्भावना बन सकती है। आत्मविश्लेषण में समय जरूर व्यतीत करें। प्रियजनों के प्रति अपना व्यवहार अच्छा रखें।

धनु: पारिवारिक वातावरण सुखद रहेगा। दूसरों के मामलों में अधिक हस्तक्षेप न करें। लोग आपकी सलाह का अनुसरण करेंगे। निजी सम्बन्धों में प्रसन्नता और सन्तुष्टि का अनुभव करेंगे। व्यापार में आप नया प्रयोग कर सकते हैं। जिसमें शीघ्र ही आपको सफलता भी मिल सकती है।

मकर: रूढ़िवादी विचारों से आपको बचना चाहिये। इससे लोग आपके बारे में गलत राय भी बना सकते हैं। जॉब में बदलाव के के विषय में सोच सकते हैं। अधिकारी वर्ग आपसे काफी प्रसन्न रहेगा। सकारात्मक विचारों के प्रभाव में रहेंगे।

कुंभ: ऑनलाइन किसी बड़ी मीटिंग में शामिल हो सकते हैं। बच्चों के व्यवहार से आप कुछ परेशान हो सकते हैं। बच्चों को नैतिक शिक्षा अवश्य दें। साझेदारी वाले कार्यों के लिये समय उत्तम है। बहुराष्ट्रीय कम्पनियों में काम कर रहे लोगों का जॉब में स्थानान्तरण या विभागीय बदलाव हो सकता है।

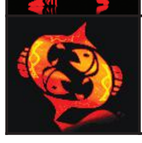
मीन: पारिवारिक मामलों में बाहर के लोगों की राय न लें। धैर्य और विवेक से काम लेना आपके लिये बेहद जरूरी है। नींद में बुरे स्वप्न आपको विचलित कर सकते हैं। आज उतना ही काम करें जितना आप सम्भाल सकते हैं। झूठे वायदे करने से आपको बचना चाहिये।

इन तुलसी मंत्रों के जाप से मिलेंगे शुभ परिणाम

सनातन धर्म में तुलसी का पौधा पूजनीय है। तुलसी के पौधे में धन की देवी मां लक्ष्मी का वास होता है। मान्यता है कि तुलसी के पौधे के पास रोजाना घी का दीपक जलाकर विधिपूर्वक पूजा-अर्चना करने से मां लक्ष्मी और जगत के पालनहार भगवान विष्णु प्रसन्न होते हैं और घर में खुशियों का आगमन होता है। साथ ही पूजा सफल होती है।

सनातन धर्म में तुलसी का पौधा पूजनीय है। इस पौधे में धन की देवी मां लक्ष्मी का वास होता है। मान्यता है कि तुलसी के पौधे की रोजाना विधिपूर्वक पूजा-अर्चना करने से मां लक्ष्मी और जगत के पालनहार भगवान विष्णु प्रसन्न होते हैं और घर में खुशियों का आगमन होता है। ऐसा कहा जाता है कि तुलसी पूजा के दौरान विशेष मंत्रों का जाप करने से साधक को जीवन की सभी समस्याओं से छुटकारा मिलता है और पूजा सफल होती है। इसलिए तुलसी पूजा के समय मंत्रों का जाप करना आवश्यक है। तुलसी पूजा के मंत्र इस प्रकार है-

तुलसी पूजा का महत्व

सनातन धर्म में विधिपूर्वक तुलसी पूजा करने का अधिक महत्व है। प्रतिदिन तुलसी के पास घी का दीपक जलाकर पूजा करने से परिवार में धन, समृद्धि और खुशहाली आती है और साधक को धन की देवी मां लक्ष्मी की कृपा प्राप्त होती है। घर में तुलसी का पौधा लगाना बेहद शुभ माना जाता है। घर में तुलसी होने से नकारात्मक ऊर्जा का प्रभाव नहीं होता है। बता दें कि तुलसी भगवान विष्णु जी की प्रिय है। इसलिए श्रीहरी के भोग में तुलसी दल को शामिल किया जाता है।

मां तुलसी का पूजन मंत्र

तुलसी श्रीर्महालक्ष्मीर्विद्याविद्या यशस्विनी।
धर्म्या धर्मानना देवी देवीदेवमनः प्रिया।।

लभते सुतरां भक्तिमन्ते विष्णुपदं लभेत।
तुलसी भूर्महालक्ष्मीः पद्मिनी श्रीर्हरप्रिया।।

तुलसी नामाष्टक मंत्र

वृंदा वृंदावनी विश्वपूजिता विश्वपावनी।
पुष्पसारा नंदनीय तुलसी कृष्ण जीवनी।।

एतभामांष्टक चैव स्त्रोतं नामर्थं संयुतम।
यः पठेत तां च सम्पूज्य सौश्रमेघ फलंलमेता।।

तुलसी स्तुति

मनः प्रसादजननि सुखसौभाग्यदायिनि।
आधिव्याधिहरे देवि तुलसि त्वां नमाम्यहम्॥

यन्मूले सर्वतीर्थानि यन्मध्ये सर्वदेवताः।
यदग्रे सर्व वेदाश्च तुलसि त्वां नमाम्यहम्॥

अमृतां सर्वकल्याणीं शोकसन्तापनाशिनीम्।
आधिव्याधिहरीं नणां तुलसि त्वां नम्राम्यहम्॥

देवैस्त्वं निर्मिता पूर्वं अर्चितासि मुनीश्वरैः।
नमो नमस्ते तुलसि पापं हर हरिप्रिये॥

सौभाग्यं सन्ततिं देवि धनं धान्यं च सर्वदा।
आरोग्यं शोकशमनं कुरु मे माधवप्रिये॥

तुलसी पातु मां नित्यं सर्वापद्भ्योऽपि सर्वदा।
कीर्तिताऽपि स्मृता वाऽपि पवित्रयति मानवम्॥

या दृष्टा निखिलाघसङ्घशमनी स्पृष्टा वपुःपावनी
रोगाणामभिवन्दिता निरसनी सिक्ताऽन्तकत्रासिनी।

प्रत्यासत्तिविधायिनी भगवतः कृष्णस्य संरोपिता
न्यस्ता तच्चरणे विमुक्तिफलदा तस्यै तुलस्यै नमः॥

॥ इति श्री तुलसीस्तुतिः ॥

फरवरी में इस दिन से लग रहा है पंचक, अशुभ परिणाम से बचने के लिए ध्यान रखें ये बातें

ज्योतिष मान्यताओं के अनुसार, पंचक एक ऐसी अवधि है, जिसमें किसी भी प्रकार के मांगलिक कार्य नहीं किए जाते, वरना इसका शुभ परिणाम प्राप्त नहीं होता। इस अवधि के दौरान व्यक्ति को कुछ विशेष नियमों का ध्यान रखना होता है, ताकि अशुभ मानी गई इस अवधि का उसपर कोई नकारात्मक प्रभाव न पड़े। ऐसे में आइए जानते हैं कि फरवरी माह 2024 में पंचक कब से शुरू हो रहे हैं। साथ ही जानते हैं इससे जुड़े कुछ नियम।

फरवरी में इस दिन से लग रहे हैं पंचक

पंचांग के अनुसार, जनवरी माह में पंचक का आरंभ 10 फरवरी, शनिवार के दिन सुबह के 10 बजकर 02 मिनट पर हो रहा है। वहीं, इसका समापन 14 फरवरी बुधवार के दिन सुबह 10 बजकर 44 मिनट पर होगा।

क्या होते हैं पंचक

हर महीने में कुछ ऐसे दिन होते हैं, जब किसी भी प्रकार के शुभ या मांगलिक कार्य करने की मनाही होती है। पंचक असल में अशुभ नक्षत्रों का योग होता है। ज्योतिष शास्त्र के अनुसार, जब पंचक की अवधि शनिवार से शुरू होती है, तो उन्हें बहुत-ही अशुभ माना जाता है। ऐसे में व्यक्ति को इस पंचक के दौरान कई तरह की समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है, इसलिए इसे मृत्यु पंचक के नाम से जाना जाता है। ऐसे में जनवरी माह की तरह फरवरी माह में भी मृत्यु पंचक लगने जा रहे हैं।

इन बातों का रखें ध्यान

- मान्यताओं के अनुसार, पंचक के दौरान विवाह, मुंडन, गृह प्रवेश, गृह निर्माण जैसे शुभ कार्यों को करने से बचना चाहिए। इसके साथ ही पंचक के दौरान लेन-देन या सौदे करना भी शुभ नहीं माना जाता है, ऐसा करने पर व्यक्ति को धन की हानि झेलनी पड़ सकती है। व्यक्ति को पंचक की अवधि में दक्षिण दिशा में यात्रा नहीं करने से भी बचना चाहिए।
- अगर किसी कारणवश इस दिशा में यात्रा करनी भी पड़े, तो ऐसे में यात्रा शुरू करने से पहले कुछ कदम पीछे मुड़ें और फिर दक्षिण दिशा में यात्रा शुरू करें। इसके साथ ही पंचक के दौरान चारपाई बनवाने या छत ढलवाने की भी मनाही होती है। क्योंकि ऐसा करने से व्यक्ति को धन हानि, गृह क्लेश की स्थिति बन सकती है।

नौकरी न मिलने पर इन उपायों की लें मदद, जीवन में मिलेगी सफलता

सनातन धर्म में ज्योतिष शास्त्र का विशेष महत्व है। अच्छी खासी पढ़ाई करने के बाद भी अगर आपको नौकरी नहीं मिल रही है, तो इसके पीछे कई वजह हो सकती है। ज्योतिष शास्त्र में नौकरी पाने के लिए कई उपाय बताए गए हैं, जिनको करने से इंसान नौकरी पाने में आ रही परेशानियों से छुटकारा पा सकता है और इंटरव्यू में सफलता प्राप्त की जा सकती है। चलिए हम आपको कुछ ऐसे उपायों के बारे में बातएंगे, जिनको करने से नौकरी पाने में सहायता मिलेगी।

नौकरी पाने के उपाय

- अगर आप काफी समय से नौकरी ढूंढ रहे हैं, लेकिन सफलता नहीं रही है, तो सोमवार के दिन भगवान शिव की विधिपूर्वक पूजा-अर्चना करें। एक मुट्ठी साबुत चावल को पानी में गीला कर भगवान भोलेनाथ को अर्पित कर दें। साथ ही 11 बेलपत्र चढ़ाएं और शिव चालीसा का पाठ कर आरती करें। इस दौरान भगवान शिव से जॉब पाने के लिए प्रार्थना करें। इस उपाय को करने से नौकरी मिलने के योग बनते हैं।
- अगर आपको नौकरी नहीं मिल रही है, तो परेशान न हो। इसके लिए शनिवार के दिन भगवान शनि देव की पूजा-अर्चना करें। इस दौरान 'ऊं शं शनैश्चराय नमः' मंत्र का 108 बार जाप करें। मान्यता है कि इस उपाय को करने से कुंडली में से बाधाएं खत्म होती हैं और नौकरी जल्दी मिलती है।
- अगर आप कोई इंटरव्यू देने जा रहे हैं, तो इससे पहले आप हनुमान मंदिर में एक नींबू में लौंग को गाड़ दें। इसके बाद नींबू को हाथ में लेकर 'ऊं श्री हनुमंते नमः' मंत्र का 108 बार सच्चे मन से जाप करें। इसके पश्चात इसे इंटरव्यू में साथ लेकर जाएं। ऐसा करने से इंटरव्यू में सफलता प्राप्त होती है।
- किसी नौकरी की तलाश में जाने से पहले 7 तरह के अनाज को सुबह पक्षियों को खिलाएं। इसके बाद इष्ट देवी-देवता के दर्शन अवश्य करें। इस उपाय को करने से आपको सफलता मिलेगी।

इन चार गुणों वाला व्यक्ति कभी नहीं होता असफल, हर कदम पर मिलती है सफलता

महान अर्थशास्त्री आचार्य चाणक्य ने एक नीति शास्त्र की रचना की है, जिसे चाणक्य नीति के नाम से जाना जाता है। अपनी नीति शास्त्र में उन्होंने जीवन के हर पहलू के बारे में बताया है। आचार्य चाणक्य श्रेष्ठ विद्वान, अच्छे शिक्षक के अलावा एक कुशल कूटनीतिज्ञ, रणनीतिकार और अर्थशास्त्री भी थे। चाणक्य की नीतियां देशभर में प्रसिद्ध हैं। उनकी नीतियों के जरिए कोई भी इंसान अपने जीवन के बेहतरीन बना सकता है। आचार्य चाणक्य ने अपनी नीति शास्त्र में कुछ ऐसी आदतों के बारे में भी जिक्र किया है जो व्यक्ति को कभी असफल नहीं होने देती हैं। इन आदतों वाला व्यक्ति जीवन में हमेशा ऊंचाइयों को छूता है।

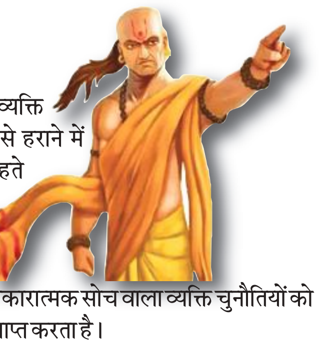

सकारात्मक सोच

सकारात्मक सोच रखने वाला व्यक्ति बड़ी से बड़ी चुनौती को आसानी से हराने में सक्षम होता है। आचार्य चाणक्य कहते हैं कि जो व्यक्ति कठिन परिस्थिति में चुनौतियों से घबराकर बैठ जाता है वह कभी भी सफल नहीं होता है। परंतु सकारात्मक सोच वाला व्यक्ति चुनौतियों को मात देकर सफलता की मंजिल को प्राप्त करता है।

मेहनती

आचार्य चाणक्य के अनुसार वही व्यक्ति सफलता के शिखर पर पहुंचता है जो बहुत ही मेहनती होता है। सफल व्यक्ति मेहनत करना कभी भी नहीं छोड़ता है। वहीं जो लोग भाग्य के भरोसे बैठ जाते हैं उन्हें सफलता कभी नहीं मिलती है।

जो रहते हैं सक्रिय

चाणक्य नीति के अनुसार निष्क्रियता इंसान को सफलता से कोसों दूर रखती है। लेकिन जो व्यक्ति सक्रिय होता है। अपने कार्य को लेकर तत्परता दिखाता है। वह व्यक्ति जरूर सफलता की ऊंचाई को छूता है। अगर आप जिंदगी में सफलता चाहते हैं तो यह बहुत जरूरी है कि आप अपने क्षेत्र में सक्रिय बने रहें।

रिश्ते

सभी के साथ अच्छे संबंध बनाना अपने आप में एक शानदार कला है। हर किसी में ऐसी कला नहीं होती है, लेकिन जिसके पास होती है वह व्यक्ति सफल माना जाता है। आचार्य चाणक्य कहते हैं कि आप जिस क्षेत्र में कार्य कर अपना सिक्का जमाना चाहते हैं, आपको उस क्षेत्र के लोगों से अच्छे संबंध स्थापित करने चाहिए।

फरवरी के पहले दिन बनने जा रहा है शुभ योग, इन तीन राशियों के खुल जाएंगे भाग्य

ज्योतिष शास्त्र के अनुसार कुंडली में ग्रहों की स्थिति मजबूत होने पर व्यक्ति को जीवन के हर क्षेत्र में सफलता मिल सकती है। ऐसे में जब फरवरी माह की शुरूआत होने जा रही है तो ऐसे में कुछ जातकों की कुंडली में शुभ योग बनने जा रहा हैं जिससे उन्हें जीवन में कई तरह के सकारात्मक परिणाम देखने को मिलेंगे।

ज्योतिष शास्त्र के अनुसार, हर ग्रह एक निश्चित समय अंतराल के बाद अपनी राशि में परिवर्तन करता है। इस घटना को ग्रह गोचर कहा जाता है। इस दौरान कई शुभ या अशुभ योग बनते हैं। ऐसे में यह जानते हैं कि फरवरी माह में होने वाले ग्रह गोचर से किन 3 राशियों को जीवन में लाभ देखने को मिलेगा।

बन रहा है ये शुभ योग

वैदिक ज्योतिष शास्त्र के अनुसार, बुध ग्रह 01 फरवरी को मकर राशि में गोचर करने जा रहे हैं। वहीं, सूर्य भी मकर राशि में ही भ्रमण कर रहे हैं। ऐसे में इस राशि में इन दोनों ग्रहों की युति से बुधादित्य राजयोग का निर्माण हो रहा है। इस योग के बनने से 3 राशियों को जीवन में अद्भुत लाभ देखने को मिलेगा।

मेष राशि

मेष राशि वालों के लिए भी बुधादित्य राजयोग बहुत ही लाभदायक साबित होने वाला है। यह योग आपकी गोचर कुंडली के कर्म भाव में बनेगा, जिससे आपको कार्यक्षेत्र में लाभ देखने को मिलेगा। आर्थिक लाभ होने के साथ-साथ लंबे समय से अटके हुए काम भी पूरे होंगे। कुल मिलाकर कारोबारी वर्ग के लिए यह समय अच्छा बीतने वाला है।

मकर राशि

बुधादित्य राजयोग बनने से मकर राशि के जातकों को विशेष लाभ मिलने वाला है। क्योंकि यह राजयोग मकर राशि के लग्न भाग पर बनने जा रहा है। ऐसे में इन राशि के जातकों के मान-सम्मान में वृद्धि होगी और पद प्रतिष्ठा भी बढ़ेगी। वहीं, नौकरीपेशा लोगों को अपने कार्यक्षेत्र में लाभ देखने को मिलेगा। वहीं जो लोग अविवाहित हैं, उनके लिए रिश्ते आ सकते हैं।

धनु राशि

बुधादित्य राजयोग, धनु राशि के जातकों के लिए लाभदायक रहने वाला है। यह योग आपकी राशि में धन और वाणी स्थान पर बनेगा, जिससे आपके लिए धन लाभ के योग बनेंगे। साथ ही वाणी में प्रभाव बढ़ेगा, जिससे लो आपकी और आकर्षित होंगे। जो जातक नौकरी आदि के लिए प्रयासरत हैं, उन्हें सफलता मिल सकती है। आपकी सोची हुई योजनाएं पूर्ण होंगी।

सर्वांगीण विकास की यात्रा जारी रहेगी, 'हुड़दंग' करने वालों को आत्म निरीक्षण करना चाहिए: प्रधानमंत्री

पत्रकारों को संबोधित करते हुए मोदी ने उन्हें 'राम राम' कहकर दी मुबारकबाद

दर्पण न्यूज सर्विस
नई दिल्ली

लोकसभा चुनाव से पहले संसद का आखिरी सत्र शुरू होने से पूर्व, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बुधवार को कहा कि देश प्रगति की नई उंचाइयों को छू रहा है। साथ ही उन्होंने विश्वास जताया कि लोगों के आशीर्वाद से 'सर्वसमावेशी एवं सर्वांगीण' विकास की उनकी सरकार की यात्रा आगे भी जारी रहेगी। संसद के बजट सत्र की शुरूआत से पहले पत्रकारों को संबोधित करते हुए मोदी ने उन्हें 'राम राम' कहकर मुबारकबाद दी और कहा कि चुनाव से पहले पूर्ण बजट पेश नहीं करने की परंपरा रही है। उन्होंने कहा कि इस परंपरा का पालन करते हुए उनकी नई सरकार बनने के बाद देशवासियों के समक्ष पूर्ण बजट पेश किया जाएगा। प्रधानमंत्री ने कहा कि आदतन 'हुड़दंग' करना जिनका स्वभाव बन गया है और जो लोकतांत्रिक मूल्यों का आदतन चीरहरण

❍ मोदी ने विपक्षी सांसदों पर संसदीय कार्यवाही को बार-बार बाधित करने का आरोप लगाया

करते हैं, ऐसे सभी सांसदों को आत्मनिरीक्षण करना चाहिए। मोदी ने विपक्षी सांसदों पर संसदीय कार्यवाही को बार-बार बाधित करने का आरोप लगाते हुए कहा कि जो लोग हंगामा करने और लोकतांत्रिक मूल्यों को बिगाड़ने के आदी हैं, उन्हें आगामी चुनाव से पहले हो रहे इस अंतिम सत्र के दौरान आत्मनिरीक्षण करना चाहिए। उन्होंने ऐसे सांसदों से कहा, 'अपने संसदीय क्षेत्र में भी 100 लोगों से पूछ लें। किसी को याद नहीं होगा। किसी को नाम भी पता नहीं होगा, जिन्होंने इतना हुड़दंग हो-हल्ला किया होगा।' उन्होंने कहा कि लेकिन विरोध का स्वर तीखा और आलोचना तीखी से तीखी क्यों ना हो,

जिन्होंने उत्तम विचारों से सदन को लाभान्वित किया होगा, उनको बहुत बड़ा वर्ग आज भी याद करता होगा। प्रधानमंत्री ने यह भी कहा कि हुड़दंग, नकारात्मकता और शरारतपूर्ण आचरण करने वालों को लोकतंत्रप्रेमी याद नहीं रखेंगे और उनके लिए यह बजट सत्र पश्चाताप का भी अवसर है। अपने संबोधन की शुरूआत और समापन प्रधानमंत्री ने 'राम-राम' से की। उन्होंने कहा कि जब चुनाव का समय निकट होता है तब आम तौर पर पूर्ण बजट नहीं रखा जाता है। उन्होंने विश्वास जताया कि चुनाव के बाद उनके नेतृत्व में नई सरकार बनेगी और पूर्ण बजट पेश किया जाएगा। आगामी संसदीय चुनावों से पहले यह वर्तमान लोकसभा का आखिरी सत्र है। प्रधानमंत्री ने कहा कि नए संसद भवन में जो पहला सत्र हुआ था उसके आखिर में नारी शक्ति वंदन विधेयक पारित हुआ तथा उसके बाद 26 जनवरी को भी देश ने कर्तव्य पथ पर नारी शक्ति के सामर्थ्य, शौर्य और संकल्पशक्ति को अनुभव किया। उन्होंने कहा कि आज बजट सत्र आरंभ हो रहा है जिसमें राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू का मार्गदर्शन मिलेगा और बृहस्पतिवार को वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा अंतरिम बजट पेश किया जाएगा। उन्होंने कहा कि एक प्रकार से यह नारी शक्ति के साक्षात्कार का पर्व है। प्रधानमंत्री ने कहा कि इस बार कुछ दिशानिर्देश की बातें लेकर देश की वित्त मंत्री अपना बजट पेश करने वाली हैं। संसद में व्यवधान और हंगामे को लेकर विपक्षी दलों पर निशाना साधते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि गत 10 वर्षों में जिसको जो रास्ता सूझा, उस आधार पर सबने संसद में अपना-अपना कार्य किया। उन्होंने कहा, 'लेकिन मैं इतना जरूर कहूंगा कि जिनका आदतन हुड़दंग करने का स्वभाव बन गया है, जो लोकतांत्रिक मूल्यों का आदतन चीरहरण करते हैं, ऐसे सभी सांसद आज जब आखिरी सत्र में मिल रहे हैं तो यह आत्मनिरीक्षण जरूर करें कि 10 साल में उन्होंने जो किया, वह उनके संसदीय क्षेत्र में भी किसी को याद नहीं होगा कि उन्होंने इतना हुड़दंग मचाया।' मोदी ने कहा, 'मैं मानता हूं कि देश का एक बहुत बड़ा वर्ग... लोकतंत्र प्रेमी... सभी लोग इस व्यवहार की सराहना करते होंगे। लेकिन जिन्होंने सिर्फ और सिर्फ नकारात्मकता, हुड़दंग, शरारतपूर्ण व्यवहार किया होगा, उनको शायद ही कोई याद करे। लेकिन अब यह बजट सत्र का अवसर है, पश्चाताप का भी अवसर है।'

परीक्षा में गड़बड़ी को रोकने के लिए कानून लाएगी सरकार : राष्ट्रपति मुर्मू

दर्पण न्यूज सर्विस
नई दिल्ली

देश में शिक्षा अधूरी छोड़ देने वाले बच्चों की संख्या में कमी और उच्च शिक्षा में लड़कियों के नामांकन में वृद्धि की ओर ध्यान दिलाते हुए राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने बुधवार को कहा कि सरकार परीक्षाओं में गड़बड़ी को लेकर युवाओं की चिंता से अवगत है और इसे रोकने के लिए एक कानून लायेगी। संसद के बजट सत्र की शुरूआत में दोनों सदनों की संयुक्त बैठक को संबोधित करते हुए राष्ट्रपति ने कहा कि पंजीकरण में अनुसूचित जाति के छात्रों के पंजीकरण में लगभग 44 प्रतिशत की वृद्धि हुई है, अनुसूचित जनजाति के छात्रों के पंजीकरण में 65 प्रतिशत से अधिक और ओबीसी के छात्रों में 44 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। मुर्मू ने कहा, 'मेरी सरकार परीक्षाओं में होने वाली गड़बड़ी को लेकर युवाओं की चिंताओं से अवगत है। इसलिए ऐसे गलत तरीकों पर सख्ती के लिए नया कानून बनाने का निर्णय लिया गया है।' उन्होंने कहा, 'मेरी सरकार के प्रयासों से देश में पढ़ाई बीच में छोड़ने वाले बच्चों की संख्या में कमी आई है। उच्च शिक्षा में लड़कियों का नामांकन बढ़ा है। अनुसूचित जाति के छात्रों के पंजीकरण में लगभग 44 प्रतिशत की वृद्धि हुई है, अनुसूचित जनजाति के छात्रों के नामांकन में 65 प्रतिशत से अधिक और ओबीसी के छात्रों में 44 प्रतिशत वृद्धि हुई है।' उन्होंने कहा कि पक्के घर वाले परिवारों में बच्चों की शिक्षा में सुधार हुआ है और इसके परिणामस्वरूप स्कूल छोड़ने वाले बच्चों की दर में गिरावट आई है। उन्होंने कहा, 'मेरी सरकार भारत के युवाओं की शिक्षा और कौशल विकास के लिए निरंतर नई पहल कर रही है। इसके लिए ही राष्ट्रीय शिक्षा नीति बनाई गई और उसे तेजी से लागू किया जा रहा है।'

पिछले एक वर्ष में सरकार के लए कानून विकसित भारत के संकल्प की सिद्धि का मजबूत आधार: मुर्मू

नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने महिला आरक्षण कानून और अपराध न्याय प्रणाली में बदलाव वाले तीन नये कानूनों का उल्लेख करते हुए बुधवार को कहा कि सरकार पिछले एक साल में अनेक महत्वपूर्ण विधेयक लेकर आई है जो विकसित भारत के संकल्प की सिद्धि का मजबूत आधार हैं। राष्ट्रपति मुर्मू ने आज संसद के संयुक्त सत्र को संबोधित करते हुए कहा, 'बीते 12 महीनों में मेरी सरकार अनेक महत्वपूर्ण विधेयक लेकर आई। ये विधेयक, आप सभी संसद सदस्यों के सहयोग से आज कानून बन चुके हैं। ये ऐसे कानून हैं जो विकसित भारत के संकल्प की सिद्धि का मजबूत आधार हैं।' उन्होंने महिला आरक्षण कानून का जिक्र करते हुए कहा कि तीन दशक के बाद, नारी शक्ति वंदन अधिनियम पारित किया गया जिससे लोकसभा और विधानसभा में महिलाओं की ज्यादा भागीदारी सुनिश्चित हुई है। राष्ट्रपति ने कहा, 'यह महिला नीत विकास के मेरी सरकार के संकल्प को मजबूत करता है। 'रिफॉर्म, परफॉर्म और ट्रांसफॉर्म' की अपनी प्रतिबद्धता को मेरी सरकार ने लगातार जारी रखा है।'

ज्ञानवापी परिसर स्थित व्यास जी के तहखाने में पूजा-पाठ करने का अधिकार देने का आदेश

दर्पण न्यूज सर्विस
वाराणसी (उप्र)

उत्तर प्रदेश के वाराणसी जिला अदालत ने बुधवार को ज्ञानवापी परिसर में स्थित व्यास जी के तहखाने में हिंदुओं को पूजा-पाठ करने का अधिकार देने का आदेश दे दिया। हिंदू पक्ष के वकील मदन मोहन यादव ने 'पीटीआई-भाषा' से बातचीत में इसकी पुष्टि करते हुए बताया कि जिला जज अजय कृष्ण विश्वेश की अदालत ने तहखाने में पूजा पाठ करने का अधिकार व्यास जी के नाती शैलेन्द्र पाठक को दे दिया है।

उन्होंने बताया कि प्रशासन सात दिन के अंदर पूजा-पाठ कराने की व्यवस्था करेगा। पूजा कराने का कार्य काशी विश्वनाथ ट्रस्ट करेगा। यादव ने बताया कि ज्ञानवापी के सामने बैठे नंदी महाराज के सामने से रास्ता खोला जाएगा। उन्होंने बताया कि ज्ञानवापी परिसर स्थित व्यासजी के तहखाने में पूजा-पाठ किये जाने संबंधी आवेदन पर जिला जज अजय कृष्ण विश्वेश की अदालत में दोनों पक्ष की तरफ से मंगलवार को बहस पूरी कर ली थी। हिन्दू पक्ष का कहना था कि नवंबर 1993 तक सोमनाथ व्यास जी का परिवार उस तहखाने में पूजा पाठ करता था, जिसे तत्कालीन मुलायम सिंह यादव सरकार के शासनकाल में बंद करा दिया गया था। अब वहां फिर से हिंदुओं को पूजा का अधिकार मिलना चाहिये। मुस्लिम पक्ष ने इस दावे का विरोध करते हुए कहा था कि इसके खिलाफ भी जिला जज की अदालत में एक अपील दाखिल की जा चुकी है।

महाराष्ट्र के पालघर में स्कूल की दीवार ऊपर गिरने से युवती की मौत

पालघर। महाराष्ट्र के पालघर जिले में एक बस की टक्कर से स्कूल के परिसर की दीवार का एक हिस्सा ढह गया और इसकी चपेट में आने से युवती (19) की मौत हो गई। पुलिस ने बुधवार को यह जानकारी दी। यह हादसा विरार इलाके में मंगलवार सुबह करीब सात बजे हुआ। विरार पुलिस थाने के एक अधिकारी ने बताया कि युवती अपने छोटे भाई को पिकनिक पर जाने के लिए स्कूल छोड़ने गई थी। युवती अपने भाई को छोड़ने के बाद स्कूल परिसर में खड़ी थी। इस दौरान पीछे जा रही एक निजी बस परिसर की दीवार से टकरा गई। अधिकारी ने बताया कि परिसर की दीवार का एक हिस्सा युवती के ऊपर गिर गया जिसमें उसे गंभीर चोटे आई। उन्होंने बताया कि युवती को स्थानीय अस्पताल ले जाया गया जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। पुलिस ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए सरकारी अस्पताल भेज दिया गया है।

प्रवर्तन निदेशालय ने धन शोधन मामले में सोरेन से पूछताछ शुरू की

दर्पण न्यूज सर्विस
रांची

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के अधिकारियों ने भारी सुरक्षा घेरे के बीच झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से कथित भूमि घोटाले से जुड़े धन शोधन मामले में बुधवार को उनके आवास पर पूछताछ शुरू की। सोरेन (48) सत्तारूढ़ झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) के कार्यकारी अध्यक्ष भी हैं, इससे पहले उनसे 20 जनवरी को इसी मामले में पूछताछ की गई थी। एक अधिकारी ने बताया कि उस दिन पूछताछ पूरी नहीं हो पाई थी। उस दिन सोरेन से सात घंटे से अधिक वक्त तक पूछताछ की गई थी। ईडी के अधिकारियों ने कहा कि झारखंड में 'माफिया द्वारा भूमि के स्वामित्व को गैर कानूनी तरीके से बदलने के एक बड़े रैकेट' की जांच के तहत सोरेन से पूछताछ की जा रही है। मुख्यमंत्री से ईडी की पूछताछ शुरू किये जाने से पहले, सुबह ही झामुमो नीत गठबंधन के विधायक यहां उनके आवास पर पहुंच गए। स्वास्थ्य मंत्री एवं कांग्रेस नेता बन्ना गुप्ता ने कहा कि सोरेन जांच में सहयोग कर रहे हैं। साथ ही उन्होंने कहा कि संवैधानिक संस्थाओं का यह कर्तव्य है कि वे इस प्रकार की जांच 'ठीक ढंग' से करें। राज्य के कृषि मंत्री बादल पत्रलेख ने 'पीटीआई-भाषा' से कहा कि सभी विधायक मुख्यमंत्री के साथ हैं। इस बीच सोरेन के खिलाफ ईडी की कार्रवाई के विरोध में झामुमो समर्थकों ने पास के मोरहाबादी मैदान और कुछ अन्य स्थानों पर विरोध प्रदर्शन किया। एक प्रदर्शनकारी ने कहा, 'केन्द्र के निर्देश पर ईडी हमारे मुख्यमंत्री को जानबूझ कर परेशान कर रही है... हम पूरे राज्य की आर्थिक नाकेबंदी करेंगे।

जूम ने दिल्ली-अयोध्या उड़ान के साथ अपनी सेवाएं फिर शुरू कीं

अयोध्या। घरेलू एयरलाइन जूम ने बुधवार को नई दिल्ली से अयोध्या के लिए एक उड़ान संचालित की। इसके साथ ही कंपनी ने लगभग चार साल के बाद अपनी सेवाओं की दोबारा शुरूआत की है। एयरलाइन के पास इस समय पांच बॉम्बार्डियर सीआरजे 200ईआर विमानों का बेड़ा है। एयरलाइन के निदेशक और मुख्य कार्यपालक अधिकारी अतुल गंभीर ने बुधवार को कहा कि शुरूआत में दिल्ली से अयोध्या के लिए सप्ताह में तीन उड़ानें संचालित की जाएंगी। नई दिल्ली से अयोध्या की उड़ान में पीटीआई-भाषा से बात करते हुए गंभीर ने कहा कि एयरलाइन आने वाले महीनों में तेजी से विस्तार करेगी। उसके अगले संभावित गंतव्यों में लखनऊ और अमृतसर शामिल हैं। जूम के बेड़े में शामिल सभी पांच विमान अगले तीन से चार महीनों में परिचालन के लिए तैयार हो जाएंगे। इस समय उसके दो विमान उड़ान के योग्य हैं। विस्तार योजनाओं पर बात करते हुए गंभीर ने कहा, 'आने वाले महीनों में हमारी योजना छोटे आकार के विमानों के साथ ही मालवाहक विमानों को बेड़े में शामिल करने की है।'

संक्षिप्त-समाचार

अपना निलंबन रद्द करने के लिए शिक्षक ने की रिश्वत की पेशकश, गिरफ्तार

छतरपुर। मध्य प्रदेश के छतरपुर में एक शिक्षक को अपना निलंबन रद्द करने के लिए जिला पंचायत की मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) को 50,000 रुपये की रिश्वत की पेशकश करने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। यह घटना मंगलवार को भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) अधिकारी तपस्या परिहार के कार्यालय में हुई। परिहार छतरपुर की जिला पंचायत की मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) हैं। परिहार ने बताया कि जिले के सरकारी कुपी प्राथमिक विद्यालय में तैनात शिक्षक विशाल अस्थाना को पिछले साल चुनाव प्रशिक्षण कार्यक्रमों के दौरान लगातार अनुपस्थित रहने के कारण निलंबित कर दिया गया था। शिक्षक ने स्पष्टीकरण दिया था कि वह इस दौरान छुट्टी पर थे। हालांकि अधिकारी ने बताया कि चुनाव अवधि के दौरान किसी को भी छुट्टियां मंजूर करने का अधिकार नहीं था। उन्होंने बताया कि इस संबंध में शिक्षक के खिलाफ जांच लंबित है। परिहार ने दावा किया कि शिक्षक अपना निलंबन रद्द करने के अनुरोध के साथ मंगलवार को उनके कार्यालय आए थे और उन्होंने 50,000 रुपये की रिश्वत की पेशकश की थी, जिसके बाद परिहार ने तुरंत पुलिस को सूचित किया। पुलिस अधीक्षक अमित सांघी ने कहा कि शिक्षक पर भ्रष्टाचार-निवारण अधिनियम के प्रावधानों के तहत मामला दर्ज किया गया। शिक्षक को बाद में जमानत पर रिहा कर दिया गया। उन्होंने बताया कि आरोपी से बुधवार को पूछताछ की जाएगी।

सरकार ने मोबाइल फोन कलपुर्जों पर आयात शुल्क 15 से घटाकर 10 प्रतिशत किया

नई दिल्ली। भारत ने मोबाइल फोन विनिर्माण में इस्तेमाल होने वाले बैटरी कवर, लेंस और सिम सॉकेट जैसे कलपुर्जों पर आयात शुल्क 15 प्रतिशत से घटाकर 10 प्रतिशत कर दिया है। इस कदम का मकसद स्थानीय उत्पादन और निर्यात को बढ़ावा देना के साथ ही स्थानीय बाजारों में उत्पाद की कीमतें कम करना है। वित्त मंत्रालय ने सेल्युलर मोबाइल फोन के लिए स्क्रू, सिम सॉकेट या धातु की अन्य यांत्रिक वस्तुओं सहित कलपुर्जों के आयात पर शुल्क में कटौती संबंधी अधिसूचना 30 जनवरी को जारी की। दूरसंचार मंत्री अश्विनी वैष्णव ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर लिखा कि शुल्क को सुसंगत बनाने से से मोबाइल फोन विनिर्माण परिवेश मजबूत होगा। वैष्णव ने कहा, ' सीमा शुल्क को तर्कसंगत बनाना उद्योग में बेहद आवश्यक निश्चितता और स्पष्टता लाता है।' ग्लोबल ट्रेड रिसर्च इनिशिएटिव (जीटीआरआई) के सह-संस्थापक अजय श्रीवास्तव ने कहा कि शुल्क में कटौती का भारत में निर्मित मोबाइल फोन की निर्यात प्रतिस्पर्धात्मकता में सुधार पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा क्योंकि निर्यात के लिए मोबाइल फोन बनाने में उपयोग किए जाने वाले सभी कलपुर्जों तथा घटकों को पहले से ही विशेष आर्थिक क्षेत्र (एसईजेड), एडवांस ऑथराइजेशन जैसी विभिन्न सरकारी योजनाओं के तहत शून्य शुल्क पर आयात किया जा सकता है। एप्पल जैसी कंपनियां इन योजनाओं का लाभ लेती हैं। श्रीवास्तव ने कहा, ' सरकार को इस बात पर गौर करना चाहिए कि शुल्क में कटौती का लाभ कीमतों में कटौती के जरिये घरेलू मोबाइल फोन खरीदारों को दिया जाता है या नहीं।' इंडियन सेल्युलर एंड इलेक्ट्रॉनिक्स एसोसिएशन (आईसीईए) के चेयरमैन पंकज महेंद्रू ने कहा कि यह भारत में मोबाइल विनिर्माण को प्रतिस्पर्धी बनाने की दिशा में सरकार का एक महत्वपूर्ण नीतिगत हस्तक्षेप है। महेंद्रू ने कहा, 'इलेक्ट्रॉनिक 2024 में भारत का 5वां सबसे बड़ा निर्यात क्षेत्र बन गया है, जो कुछ साल पहले 9वें स्थान पर था।' उन्होंने कहा, ' उत्पादन से जुड़ी प्रोत्साहन योजना की बदौलत इलेक्ट्रॉनिक निर्यात में 52 प्रतिशत से अधिक मोबाइल का योगदान है। यह पिछले आठ वर्षों के भीतर आयात से निर्यात आधारित विकास में योगदान देने वाला पहला उद्योग है।'

छत्तीसगढ़ के दुर्ग में कार से 2.64 करोड़ रुपये नकदी जब्त; तीन लोगों से पूछताछ

दुर्ग। छत्तीसगढ़ के दुर्ग जिले में बुधवार को पुलिस ने एक कार से 2.64 करोड़ रुपये नकदी जब्त की। एक पुलिस अधिकारी ने यह जानकारी दी। सेक्टर-1 क्षेत्र में बैंक के पास खड़ी दो संदिग्ध कारों के बारे में गोपनीय सूचना मिलने पर, भिलाई भट्टी थाने के कर्मियों और एंटी-क्राइम तथा साइबर यूनिट की एक संयुक्त टीम तड़के वहां पहुंची। उन्होंने बताया कि पुलिस ने दोनों वाहनों पर सवार तीन लोगों से पूछताछ की। अधिकारी ने बताया कि जांच के दौरान एक कार से 2.64 करोड़ रुपये नकदी बरामद की गई। उन्होंने बताया कि चूंकि तीनों व्यक्ति पैसे के बारे में संतोषजनक जवाब देने में विफल रहे, इसलिए इसे जब्त कर लिया गया। उन्होंने कहा कि नकदी जब्ती के बारे में आयकर विभाग को सूचित कर दिया गया है। अधिकारी ने बताया कि तीनों लोगों से पूछताछ जारी है।

पश्चिमी विक्षोभ के असर से राजस्थान में कई जगह हल्की बारिश हुई

जयपुर। एक नये पश्चिमी विक्षोभ के असर के चलते बीते चौबीस घंटे की अवधि में राजस्थान के कई इलाकों हल्की बारिश हुई है। मौसम केंद्र जयपुर के अनुसार पश्चिमी विक्षोभ के प्रभाव से पिछले 24 घंट में बीकानेर, श्रीगंगानगर, हनुमानगढ़, चूरू व झुंझुनूं जिले में कहीं-कहीं हल्की बारिश दर्ज की गई है। सर्वाधिक पांच मिलीमीटर बारिश हनुमानगढ़ में हुई। इसके अलावा सरदारशहर में चार मिमी, अनूपगढ़ और तारानगर में तीन-तीन मिमी, पीलीबंगा में दो और रावतसर में एक मिमी बारिश हुई। इसके अनुसार बुधवार को भी राज्य के उत्तरी भागों में हल्की बारिश होने की संभावना है। शेष भागों में मौसम मुख्यतः शुष्क रहेगा। इसके साथ ही, तीन-चार फरवरी को एक और नया पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय होने से जोधपुर, बीकानेर, जयपुर, भरतपुर संभाग के कुछ भागों में मेघ गर्जन के साथ हल्की से मध्यम बारिश होने की प्रबल संभावना है। इस बीच न्यूनतम तापमान बढ़ने से लोगों को थोड़ी राहत हुई है।

पूर्वी कांगो में आतंकवादियों ने की 12 ग्रामीणों की हत्या

किंशासा। पूर्वी कांगो में आतंकवादियों ने सिलसिलेवार हमलों में कम से कम 12 ग्रामीणों की हत्या कर दी। एक स्थानीय अधिकारी और नागरिक समाज से जुड़े एक नेता ने यह जानकारी दी। वहीं, देश के राष्ट्रपति ने संबंधित संघर्ष पर पड़ोसी रवांडा के साथ बातचीत से इनकार कर दिया है। कांगो के उत्तरी किवु प्रांत में हत्या की ये घटना मंगलवार को हुई। हथियारबंद आतंकवादियों के संगठन 'एलाइड डेमोक्रेटिक फोर्सेज' ने ये हमले किए जिन्हें चरमपंथी इस्लामिक स्टेट समूह से जुड़ा हुआ माना जाता है।

टीएफ निकासी से 2023 में सोने की वैश्विक मांग पांच प्रतिशत गिरी : डब्ल्यूजीसी

मुंबई। एक्सचेंज-ट्रेडेड फंड (ईटीएफ) से निकासी जारी रहने से सोने की वैश्विक मांग वर्ष 2023 में एक साल पहले की तुलना में पांच प्रतिशत घटकर 4,448.4 टन रह गई। विश्व स्वर्ण परिषद (डब्ल्यूजीसी) की एक रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई है। डब्ल्यूजीसी की सोने की मांग के रुझान पर रिपोर्ट के मुताबिक, वर्ष 2022 में सोने की कुल वैश्विक मांग 4,699 टन थी। रिपोर्ट कहती है कि वैश्विक स्वर्ण ईटीएफ में लगातार तीसरी बार वार्षिक निकासी देखी गई। पिछले साल 244.4 टन ईटीएफ की निकासी हुई, जबकि वर्ष 2022 में यह आंकड़ा 109.5 टन रहा था। सबसे अधिक नुकसान यूरोप में हुआ, जहां होल्डिंग में 180 टन की कमी आई। यह वर्ष 2013 के बाद का सबसे खराब वार्षिक प्रदर्शन है। रिपोर्ट के मुताबिक, पिछले साल के अंत में ईटीएफ निकासी की गति काफी धीमी हो गई, लेकिन अक्टूबर में हुई भारी निकासी का अक्टूबर-दिसंबर तिमाही पर दबदबा रहा। इसके साथ नए साल के शुरुआती हफ्तों में भी यूरोपीय ईटीएफ कोषों से निकासी जारी रही है जबकि उत्तर अमेरिका में सूचीबद्ध फंड ने नवंबर और दिसंबर में दो महीने की राहत के बाद फिर से गिरावट दिखानी शुरू कर दी है। लुइस स्ट्रीट ने कहा, 'केंद्रीय बैंकों की तरफ से मांग लगातार बनी रहने से बीते साल फिर सोने की मांग को समर्थन मिला है।

संसद मामले के आरोपियों का विपक्षी दलों से संबंध स्वीकार करने को प्रताड़ना का आरोप

दर्पण न्यूज सर्विस
नई दिल्ली

संसद की सुरक्षा में चूक मामले में गिरफ्तार किये गये छह में से पांच आरोपियों ने बुधवार को एक अदालत को बताया कि दिल्ली पुलिस उन्हें विपक्षी दलों के साथ अपने संबंध स्वीकार करने के लिए कथित तौर पर प्रताड़ित कर रही है। पांच आरोपियों ने यह दलील अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश हरदीप कौर के समक्ष दी। न्यायाधीश ने सभी छह आरोपियों की न्यायिक हिरासत एक मार्च तक बढ़ा दी। पांच आरोपियों मनोरंजन डी, सागर शर्मा, ललित झा, अमोल शिंदे और महेश कुमावत ने अदालत को बताया कि लगभग 70 कोरे कागजों पर हस्ताक्षर करने के लिए उन्हें मजबूर किया गया था। उन्होंने अदालत को बताया, 'आरोपी व्यक्तियों को गैरकानूनी गतिविधियां रोकथाम अधिनियम (यूएपीए) के तहत अपराध करने और राष्ट्रीय राजनीतिक दलों के साथ उनके संबंध होने की बात स्वीकार करने के लिए प्रताड़ित किया गया/बिजली के झटके दिये गये।' अदालत ने मामले में पुलिस से जवाब मांगा और अर्जी पर सुनवाई के लिए 17 फरवरी की तारीख तय की। इस मामले की छठी आरोपी नीलम आजाद हैं। संसद पर 2001 में हुए आतंकवादी हमले की बरसी के दिन गत 13 दिसंबर को सुरक्षा में चूक की बड़ी घटना उस वक्त हुई थी जब लोकसभा की कार्यवाही के दौरान दर्शक दीर्घा से सागर शर्मा और मनोरंजन डी सदन के भीतर कूद गए थे और उन्होंने नारेबाजी करते हुए 'केन' के जरिये पीले रंग का धुआं फैला दिया था। घटना के तत्काल बाद दोनों को पकड़ लिया गया था। ठीक इसी वक्त पीले रंग का धुआं छोड़ने वाली 'केन' लेकर संसद भवन के बाहर प्रदर्शन करने वाले दो अन्य लोगों अमोल शिंदे और नीलम को गिरफ्तार कर लिया गया था। इन लोगों ने 'तानाशाही नहीं चलेगी' के नारे लगाये थे।

केरल के पी सी जार्ज ने भाजपा में अपनी पार्टी का विलय किया

नई दिल्ली। लोकसभा चुनाव से पहले केरल जनपक्षम (सेक्युलर) के प्रमुख पीसी जॉर्ज ने बुधवार को अपनी पार्टी का भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) में विलय कर दिया। केरल के राजनीतिक मामलों के भाजपा प्रभारी प्रकाश जावड़ेकर और अन्य वरिष्ठ नेताओं की मौजूदगी में जॉर्ज अपने बेटे शॉन और केरल जनपक्षम (सेक्युलर) के अन्य नेताओं के साथ भाजपा में शामिल हुए। भाजपा के राष्ट्रीय सचिव अनिल एंटी ने यहां पार्टी मुख्यालय में संवाददाता सम्मेलन में कहा, 'आज पी सी जॉर्ज के नेतृत्व वाला केरल जनपक्षम (सेक्युलर) भाजपा में विलय कर रहा है और हमारे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 2047 तक भारत को 'विकसित भारत' में बदलने के दृष्टिकोण में पूरा भरोसा दिखा रहा है।' भाजपा में जॉर्ज का स्वागत करते हुए एंटनी ने कहा, 'जनपक्षम का आज विलय केरल में एक ऐतिहासिक शुरूआत होगी जहां भाजपा अधिक से अधिक बढ़ेगी और भारत को एक विकसित देश में बदलने के प्रधानमंत्री के अभियान में योगदान देगी।'

आबकारी नीति धन शोधन मामले में ईडी ने केजरीवाल को पांचवा समन भेजा

दर्पण न्यूज सर्विस
नई दिल्ली

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने दिल्ली आबकारी नीति से जुड़े धन शोधन मामले में पूछताछ के लिये दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को एक बार फिर समन भेजा है। मुख्यमंत्री को भेजा गया यह पांचवा समन है। आधिकारिक सूत्रों ने बुधवार को यह जानकारी दी। आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक केजरीवाल इससे पहले जांच एजेंसी की ओर से चार बार भेजे गये समन पर पूछताछ के लिए पेश नहीं हुये। एजेंसी ने इससे पहले 18 जनवरी, तीन जनवरी, तथा पिछले साल 21 दिसंबर और दो नवंबर को आप प्रमुख को समन भेजा था। जांच एजेंसी के इन नोटिस को दिल्ली के मुख्यमंत्री ने 'अवैध' करार दिया था। ऐसा माना जाता है कि पूछताछ के लिए भेजा गया नया समन दो फरवरी के लिये है। आरोप है कि शराब व्यापारियों को लाइसेंस देने के लिए दिल्ली सरकार की 2021-22 की आबकारी नीति में कुछ शराब कारोबारियों को फायदा पहुंचाया गया, जिन्होंने कथित तौर पर इसके लिए रिश्वत दी थी। हालांकि, आम आदमी पार्टी आरोपों का बार-बार इसका खंडन करती रही है। बाद में इस नीति को वापस ले लिया गया और दिल्ली के उपराज्यपाल वी के सक्सेना ने मामले की जांच केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो से कराने की सिफारिश की थी। इसके बाद ईडी ने धन शोधन रोकथाम अधिनियम (पीएमएलए) के तहत मामला दर्ज किया था।

केंद्र ने पश्चिम बंगाल का बकाया नहीं दिया तो आज से धरने पर बैठूंगी: ममता

दर्पण न्यूज सर्विस
मालदा (पश्चिम बंगाल)

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने बुधवार को कहा कि अगर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार एक फरवरी तक राज्य का बकाया नहीं चुकाती है तो वह दो फरवरी से कोलकाता में प्रदर्शन करेंगी। मालदा में एक सार्वजनिक वितरण कार्यक्रम में बनर्जी ने पार्टी कार्यकताओं और धन का भुगतान न होने से प्रभावित लोगों से धरने में भाग लेने का आग्रह किया। धरना कोलकाता के रेड रोड इलाके में बीआर आंबेडकर प्रतिमा के निकट आयोजित किया जाएगा। उन्होंने कहा, 'मैंने सारा बकाया चुकाने के लिए एक फरवरी तक का अल्टीमेटम दिया है। अगर ऐसा नहीं हुआ तो मैं दो फरवरी से धरने पर बैठूंगी। अगर बकाया नहीं चुकाया गया तो मुझे पता है कि इसे आंदोलन के जरिये कैसे हासिल किया जा सकता है।' उन्होंने कहा, 'मैं सभी पार्टी नेताओं और कार्यकताओं से धरने में भाग लेने का आग्रह करती हूं... मैं सभी का समर्थन चाहती हूं।' मुख्यमंत्री ने दावा किया कि महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम (मनरेगा) और प्रधानमंत्री ग्रामीण आवास योजना (पीएमजीएवाई) सहित केंद्र सरकार द्वारा संचालित कई योजनाओं के मद में राज्य का 7,000 करोड़ रुपये बकाया है।

पलटवार **'वर्तमान लोकसभा अपना 5 साल का कार्यकाल उपाध्यक्ष के बिना पूरा करेगी'**

भाजपा ने संसद का अपमान किया, लोकतंत्र को खतरे में डाला : खरगे

दर्पण न्यूज सर्विस
नई दिल्ली

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा विपक्ष पर किए गए हमले को लेकर पलटवार करते हुए बुधवार को दावा किया कि मोदी सरकार संसदीय लोकतंत्र को नष्ट कर रही है। उन्होंने यह आरोप भी लगाया कि भारतीय जनता पार्टी ने संसद का अपमान किया है और लोकतंत्र को खतरे में डाल दिया है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बुधवार को विपक्षी दलों पर हमला करते हुए कहा कि आदतन हुड़दंग करना जिनका स्वभाव बन गया है और जो लोकतांत्रिक मूल्यों का आदतन चीरहरण करते हैं, ऐसे सभी सांसदों को आत्मनिरीक्षण करना चाहिए। संसद के बजट सत्र के पहले दिन मीडिया को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री ने यह भी कहा कि हुड़दंग, नकारात्मकता और शरारतपूर्ण व्यवहार करने वालों को लोकतंत्रप्रेमी याद नहीं रखेंगे और उनके लिए यह बजट सत्र पश्चाताप का भी अवसर है। खरगे ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर पोस्ट किया, 'प्रधानमंत्री जी ने संसद के बाहर बयान दिया। हम उन्हें याद दिलाना चाहते हैं कि कैसे उनकी सरकार संसदीय लोकतंत्र को नष्ट करने के लिए जिम्मेदार है।' उन्होंने दावा किया, ' संसद के पिछले सत्र में दोनों सदनों से 146 सांसदों को निलंबित करके केवल 3 दिनों में 14 विधेयक पारित किए गए। मौजूदा लोकसभा में एक घंटे से भी कम चर्चा में 172 में से 64 विधेयक पारित हो चुके हैं। 17वीं लोकसभा की इसी अवधि में राज्यसभा में एक घंटे से भी कम चर्चा के साथ 61 विधेयक पारित किए गए।' खरगे ने कहा, 'वर्तमान लोकसभा अपना 5 साल का कार्यकाल उपाध्यक्ष के बिना पूरा करेगी, यह पद पारंपरिक रूप से विपक्षी सदस्य के लिए आरक्षित है। इससे पता चलता है कि कैसे निरंकुश मोदी सरकार संविधान का उल्लंघन कर रही है और विपक्ष का गला घोंट रही है।' उन्होंने आरोप लगाया, '17वीं लोकसभा का कार्यकाल 9 फरवरी को पूरा होने वाला है। 17वीं लोकसभा, पांच साल का कार्यकाल पूरा करने वाली सभी लोकसभाओं की तुलना में सबसे कम दिनों तक बैठी। यह बताता है कि कैसे मोदी सरकार संसदीय लोकतंत्र को नष्ट करने पर तुली हुई है।' कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा, 'प्रधानमंत्री ने रिकॉर्ड संख्या में विधेयक पारित करने के दावे किए। उनके पहले कार्यकाल में दोनों सदनों द्वारा 179 विधेयक पारित किए गए और उनके दूसरे कार्यकाल में 213 विधेयक पारित किए गए। यह संख्या भाजपा के व्यापक व्यवधान के बावजूद, पूर्ववर्ती संप्रग सरकार के पहले कार्यकाल के तहत पारित 297 विधेयकों और उसके दूसरे कार्यकाल के तहत पारित 248 विधेयकों से कम है।' खरगे ने कहा कि पिछले दो दशकों के आंकड़े बताते हैं कि संसद में सबसे अधिक व्यवधान 15वीं लोकसभा (2009-2014) के दौरान हुए और उस समय भाजपा प्रमुख विपक्षी दल थी। उन्होंने दावा किया, 'यह भाजपा ही है जिसने संसद का अपमान किया है, विपक्ष नहीं! लोकतंत्र खतरे में है : सौजन्य भाजपा !'

दो प्रधानमंत्रियों ने देश की एकता एवं अखंडता के लिए सर्वोच्च बलिदान दिया: सुखविंदर सुक्खू

कांग्रेस पार्टी की विचारधारा का आभार व्यक्त किया, सुक्खू ने कहा कि इस विचारधारा ने लोकतंत्र की जड़ों को मजबूत किया

दर्पण न्यूज सर्विस
शिमला

मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविंदर सिंह सुक्खू ने आज राजीव भवन शिमला में आयोजित युवा कांग्रेस की प्रदेश कार्यकारिणी की बैठक की अध्यक्षता करते हुए कहा कि देश में ऐसी कोई भी पार्टी नहीं है, जिनके दो प्रधानमंत्रियों ने देश की एकता एवं अखंडता के लिए अपना सर्वोच्च बलिदान दिया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी की विचारधारा को जब-जब आघात पहुंचाने का करने का प्रयास किया तब-तब यह पार्टी और मजबूत हुई है।

ठाकुर सुखविंदर सिंह सुक्खू ने अपने युवा कांग्रेस के दिनों को याद करते हुए कहा कि मैं भी छात्र राजनीति से निकला और कदम दर कदम आगे बढ़ा। उन्होंने कहा कि कभी कल्पना भी नहीं की थी कि मुख्यमंत्री पद तक पहुंचेंगे, जिसके लिए उन्होंने कांग्रेस पार्टी की विचारधारा का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि इस विचारधारा ने लोकतंत्र की जड़ों को मजबूत किया। उन्होंने कहा कि आजादी के बाद देश के प्रथम प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू की सोच ने भारत को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा दिखाई। जबकि आधुनिक भारत की नींव पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय राजीव गांधी ने रखी और देश में संचार क्रांति लाई। यही वजह है कि आज दुनिया की 30 बड़ी आई टी कंपनियों के सीईओ भारतीय हैं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी की सरकारों ने देश में आईआईटी, आईआईएम तथा एम्स आरम्भ किए। उन्होंने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी का मानना था कि जिस समाज में महिलाओं को सम्मान नहीं मिलता वह समाज विकसित नहीं हो सकता। इसलिए महिलाओं के सशक्तिकरण के लिए 73वें 74वें संशोधन के माध्यम से उन्हें पंचायती राज संस्थाओं में 33 प्रतिशत आरक्षण दिया गया। इसके साथ ही 18 वर्ष की आयु में अपनी सरकार को चुनने का अधिकार भी राजीव गांधी की सोच ने ही दिया। वहीं मनमोहन सरकार ने महिलाओं को पंचायती राज संस्थाओं में 50 प्रतिशत आरक्षण भी दिया।

उन्होंने युवाओं से राजनीति में आगे आने की अपील करते हुए कहा कि व अपने लक्ष्य तय करें और चुनौतियों को स्वीकार कर आगे बढ़ें। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार युवाओं के भविष्य सुरक्षित करने के लिए कड़े फैसले ले रही है। उन्होंने कहा कि बिना केंद्र सरकार की मदद के आपदा प्रभावितों को वर्तमान राज्य सरकार ने 4500 करोड़ का विशेष राहत पैकेज जारी किया तथा पूरी तरह से क्षतिग्रस्त का मुआवजा 1.30 लाख से बढ़ाकर 7 लाख रुपए किया। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने कैबिनेट की पहली ही बैठक में पुरानी पेंशन योजना लागू की, ताकि बुढापे में कर्मचारियों को सामाजिक सुरक्षा मिल सके। प्रदेश में आपदा के दौरान हर सम्भव सहयोग के लिए उन्होंने मंत्रिमंडल के सदस्यों, युवा कांग्रेस के सदस्यों व सभी लोगों का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि जन सहयोग से इतिहास का सबसे बड़ा 250 करोड़ रुपए का दान एकत्र हुआ।

ठाकुर सुखविंदर सिंह सुक्खू ने कहा कि प्रदेश सरकार प्रत्येक माह के अंतिम दो दिनों में लंबित राजस्व मामलों के निपटारे के लिए राजस्व लोक अदालतें आयोजित कर रही है। इसमें अब तक इंतकाल के 65000 से अधिक तथा तकसीम के चार हजार से अधिक लम्बित मामलों का निपटारा किया गया है। उन्होंने कहा कि पहली बार कोई सरकार गंभीरता से इस दिशा में प्रयास कर रही है। उन्होंने कहा कि कर्मचारी चयन आयोग हमीरपुर में पिछली सरकार के कार्यकाल में युवाओं के भविष्य के साथ खिलवाड़ हुआ और पेपर बेचे गए। भ्रष्टाचार पर प्रहार करते हुए वर्तमान राज्य सरकार ने कर्मचारी चयन आयोग को भंग कर इसके स्थान पर राज्य चयन आयोग गठित किया है, जिसमें भर्ती की प्रक्रिया पारदर्शी तरीके से सुनिश्चित होगी। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार विभिन्न सरकारी विभागों में 21,000 भर्तियां करने जा रही है।

ठाकुर सुखविंदर सिंह सुक्खू ने कहा कि अच्छे शासन के लिए अच्छे प्रशासन का होना आवश्यक है। प्रथाओं को तोड़कर मुख्यमंत्री पद की शपथ ग्रहण के बाद उन्होंने टूटीकंडी बालिका आश्रम का दौरा किया। आवासियों की पीड़ा को समझा और अनाथ बच्चों की देखभाल के लिए देश का पहला कानून बनाया, जिसके तहत सभी अनाथ बच्चों को चिल्ड्रन ऑफ द स्टेट का दर्जा दिया गया, जिसके तहत उनकी पूरी देखभाल का जिम्मा राज्य सरकार का है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री सुखाश्रय योजना के तहत वर्तमान राज्य सरकार 18 वर्ष तक के अनाथ बच्चों को 2500 रुपए प्रति माह तथा 27 वर्ष तक के बच्चों को 4 हजार रुपए पॉकेट मनी के रूप में दे रही है। उनकी शादी तथा स्टार्ट-अप आरम्भ करने के लिए 2-2 लाख रुपए की आर्थिक मदद प्रदान करने के साथ-साथ घर बनाने के लिए भूमि उपलब्ध करवाई जाएगी और 3 लाख रुपए आर्थिक सहायता सहित अन्य सुविधाएं भी दी जा रही हैं।

मुख्यमंत्री ने सुपर शक्ति शी में तीसरा स्थान पाने वाली सभी युवा कांग्रेस की महिला कार्यकर्ताओं को सम्मानित किया। इसके साथ उन्होंने युवा कांग्रेस के डोर-टू-डोर अभियान के तहत विभिन्न पोस्टर भी जारी किए।

इस अवसर पर विधायक अजय सोलंकी, रवि ठाकुर व भुवनेश्वर गौड़, मुख्यमंत्री के ओएसडी रितेश कपरेट, एचपीएसआईडीसी के उपाध्यक्ष विशाल चंबियाल, हिमाचल प्रदेश कांग्रेस कमेटी के महासचिव देवेंद्र बुशैहरी और अन्य पदाधिकारी उपस्थित रहे।

युवा कांग्रेस के कार्यकर्ता सरकार की नीतियों को घर-घर पहुंचाने का कार्य

हिमाचल युवा कांग्रेस के अध्यक्ष निगम भंडारी ने आपदा में बेहतर कार्य के लिए मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविंदर सिंह सुक्खू की सराहना की। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री ने युवा कांग्रेस के कार्यकताओं को राज्य सरकार में उपयुक्त जिम्मेदारियां सौंपी हैं। उन्होंने कहा कि युवा कांग्रेस के कार्यकर्ता राज्य सरकार की नीतियों को घर-घर पहुंचाने का कार्य कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि युवा कांग्रेस ने पिछली भाजपा सरकार के कार्यकाल के दौरान उनकी जन विरोधी नीतियों को जनता तक पहुंचाया और भाजपा को बाहर का रास्ता दिखाया।

हिमाचल की उपलब्धियों को डेढ़ लाख लोगों तक पहुंचाने का लक्ष्य

युवा कांग्रेस के प्रदेश उपाध्यक्ष जयवर्धन खुराना ने युवा कांग्रेस के कार्यों की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने कहा कि युवा कांग्रेस ने यूथ जोड़ो कार्यक्रम के तहत हिमाचल प्रदेश के प्रत्येक बूथ पर पांच-पांच कार्यकताओं को जोड़ने का अभियान आरम्भ किया गया है। आगामी 90 दिनों में हिमाचल प्रदेश सरकार की उपलब्धियों को डेढ़ लाख लोगों तक पहुंचाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। इसके अतिरिक्त अग्निवीर योजना पर कांगड़ा, मंडी तथा हमीरपुर लोकसभा क्षेत्र में नुक्कड़ नाटकों का आयोजन किया जा रहा है।

जेपी नड्डा का दो दिवसीय दौरा होगा ऐतिहासिक: जयराम ठाकुर

दर्पण न्यूज सर्विस
शिमला

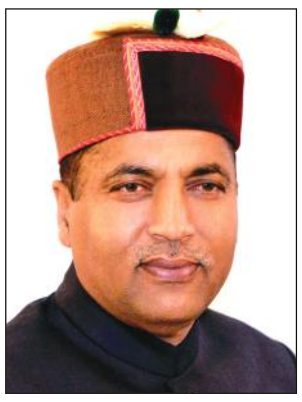

भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा का कांगड़ा संसदीय क्षेत्र का दौरा ऐतिहासिक रहने वाला है। नड्डा 3 और 4 फरवरी को कांगड़ा के धर्मशाला में रहने वाले हैं, वह संसदीय क्षेत्र की रैली, पदाधिकारी एवं विभिन्न बैठको में भाग लेने जा रहे है। यह जानकारी भारतीय जनता पार्टी की वरिष्ठ नेता एवं नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर ने आज यहां दी। उन्होंने कहा कि जिस प्रकार से इस दौरे से पूर्व भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जगत प्रकाश नेता ने हमीरपुर, मंडी एवं शिमला संसदीय क्षेत्र का दौरा किया और वहां पर रोड शो एवं जनसभाओं को संबोधित किया उससे भाजपा के सभी कार्यकताओं का मनोबल एवं ऊर्जा बड़ी। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय अध्यक्ष के दौरे के बाद कांगड़ा संसदीय क्षेत्र में भी भाजपा का बाल तेजी से बढ़ता दिखाई देगा। धर्मशाला में भी जगत प्रकाश नड्डा एक विशाल रैली को संबोधित करेंगे जिसकी तैयारी के लिए भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष डॉ राजीव बिंदल एवं समस्त पदाधिकारीगण धर्मशाला में जुटे है। इस रैली में भी बड़ी संख्या में दलबल के साथ कार्यकर्ता भाग लेंगे। उन्होंने कहा की आगामी लोकसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी चारों लोकसभा सीटों में दलबल एवं बड़े मार्जिन के साथ जीत हासिल करेगी।

नशे पर रोकथाम के लिए सभी हितधारक आपसी समन्वय से करें कार्य: मुख्य सचिव

दर्पण न्यूज सर्विस
शिमला

हिमाचल के मुख्य सचिव प्रबोध सक्सेना ने आज यहां सामाजिक न्याय और अधिकारिता विभाग द्वारा नशामुक्त भारत अभियान के तत्वावधान में आयोजित एक कार्यशाला की अध्यक्षता की। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने मादक पदार्थों, दवाओं इत्यादि की तस्करी के विरूद्ध शून्य सहिष्णुता की नीति अपनाई है। नशीली दवाओं के उत्पादकों और आपूर्तिकताओं के खिलाफ सख्त कार्रवाई सुनिश्चित की जा रही है। टोल फ्री ड्रग रोकथाम हेल्पलाइन नंबर 1908 आरम्भ किया गया है जिसका मुख्य उद्देश्य आम जनता को नशीली दवाओं के तस्करों के बारे में जानकारी साझा करने के लिए प्रोत्साहित करना है तथा नशा सेवन में संलिप्त युवाओं और उनके माता-पिता को परामर्श प्रदान करना है। नशे की आपूर्ति से जुड़े लोगों के बारे में सूचना देने वालों की पहचान गुप्त रखी जाती है। उन्होंने कहा कि मादक द्रव्यों का सेवन युवाओं पर प्रतिकूल प्रभाव डाल रहा है जिससे मानसिक सामाजिक व अन्य समस्याएं बढ़ रही हैं। मुख्य सचिव ने कहा कि राज्य में मादक पदार्थों के सेवन पर रोक लगाने व नशा निवारण के लिए शिक्षा, जागरूकता, पहचान, परामर्श, उपचार और पुनर्वास, क्षमता निर्माण के लिए मानव संसाधन का विकास और नशे में संलिप्त युवाओं से भेदभाव को कम करने की रणनीति अपनाई गई है। उन्होंने कहा कि इस सम्बंध में सभी हितधारकों को जिम्मेदारियां साझा कर आपसी सहयोग की भावना से काम करना चाहिए।

> राज्य सरकार ने मादक पदार्थों, दवाओं इत्यादि की तस्करी के विरूद्ध शून्य सहिष्णुता की नीति अपनाई

अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश एवं विशेष न्यायाधीश एनडीपीएस, दिल्ली अरुल वार्मा ने राज्य में नशीली दवाओं के खतरे को रोकने के लिए एक मजबूत और प्रभावी रणनीति पर बल दिया। उन्होंने कहा कि नशे में संलिप्त व्यक्तियों तक पहुंचने और नशीले पदार्थों की मांग को कम करने में सामुदायिक भागीदारी और सार्वजनिक सहयोग बढ़ाने पर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता है। इन कार्यक्रमों में किशोरों और युवाओं में नशीली दवाओं के उपयोग की प्रारंभिक रोकथाम के लिए समुदाय-सहकर्मी नेतृत्व आधारित हस्तक्षेप सहित अन्य कदम उठाये जाने चाहिए।

अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक सतवंत अटवाल ने कहा कि राज्य पुलिस द्वारा नशीली दवाओं के तस्करों पर अंकुश लगाने के लिए कई नवीन प्रयास किए गए हैं, जिनके सकारात्मक परिणाम मिले हैं। उन्होंने कहा कि नशीली दवाओं के दुरुपयोग के खतरे से निपटने के लिए एक व्यापक रणनीति अपनाई गई है। उन्होंने कहा कि मादक द्रव्यों के सेवन से निपटने के लिए पहला कदम दवाओं की आपूर्ति में लगाम कसना है। मादक द्रव्य प्रवर्तन से संबंधित सभी प्रवर्तन एजेंसियां आपूर्ति लाईनों को खत्म करने के लिए निरंतर प्रयास कर रही हैं। सचिव सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता एम सुधा देवी ने कहा कि सर्वेक्षण से ज्ञात हुआ है कि नशे के आदी लोगों द्वारा इनहेलेंट, अल्कोहल, कैनबिस, ओपियोइड पदार्थों जैसे विभिन्न प्रकार के पदार्थों का उपयोग किया जा रहा है। उन्होंने मादक द्रव्यों के सेवन की रोकथाम के लिए विभाग द्वारा किए जा रहे विभिन्न उपायों पर प्रकाश डाला।

संक्षिप्त-समाचार

मुख्यमंत्री ने की कांग्रेस युवा संवाद कार्यक्रम की सराहना

शिमला। कांग्रेस युवा संवाद के एक प्रतिनिधिमंडल ने आज यहां मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविंदर सिंह सुक्खू से भेंट की और इस कार्यक्रम के बारे में विस्तार से उन्हें जानकारी दी। मुख्यमंत्री ने कांग्रेस युवा संवाद कार्यक्रम की सराहना करते हुए कहा कि इसमें कांग्रेस विचारधारा से जुड़े सभी संगठनों के प्रतिनिधि शामिल हैं। उन्होंने कहा कि पहला युवा कांग्रेस संवाद कार्यक्रम बिलासपुर जिला से 17 दिसम्बर, 2023 को आरम्भ हुआ तथा प्रत्येक जिला में यह कार्यक्रम आयोजित करने की योजना है। इन कार्यक्रमों के तहत प्रदेश में विभिन्न स्थानों पर वर्तमान राज्य सरकार की उपलब्धियों और नीतियों के बारे में लोगों को अवगत करवाया जा रहा है। उन्होंने सभी कार्यकताओं से सरकार की जन कल्याण नीतियों को अधिक से अधिक प्रसारित करने का आग्रह किया ताकि कोई भी पात्र व्यक्ति इनके लाभ से वंचित न रहे। ठाकुर सुखविंदर सिंह सुक्खू ने कहा कि पिछले एक वर्ष के कार्यकाल में सरकार ने अनेक जन कल्याणकारी योजनाएं आरम्भ की हैं। कर्मचारियों के लिए पुरानी पैंशन बहाल की गई, अनाथ बच्चों के लिए मुख्यमंत्री सुख-आश्रय योजना तथा युवाओं को स्वरोजगार के अवसर प्रदान करने के लिए 680 करोड़ रुपए की राजीव गांधी स्वरोजगार स्टार्टअप योजना आरम्भ की गई है। इसके अतिरिक्त सरकारी क्षेत्र में 21000 नौकरियां घोषित की गई हैं।

सेवानिवृत्ति समारोह का आयोजन

शिमला। सूचना एवं जन सम्पर्क विभाग से अधीक्षक ग्रेड-2 के पद पर तैनात रजनी सूद, नाट्य निरीक्षक पद पर तैनात भुवनेश आनंद और सेवादार के पद पर तैनात राम सरण आज सेवानिवृत्त हो गए। इस अवसर पर निदेशक राजीव कुमार की अध्यक्षता में विदाई समारोह का आयोजन निदेशालय में किया गया। सूचना एवं जन सम्पर्क परिवार की ओर से शुभकामनाएं देते हुए राजीव कुमार ने कर्त्तव्यनिष्ठ कर्मचारियों द्वारा प्रदत सेवाओं की सराहना की। अतिरिक्त निदेशक आरती गुप्ता तथा संयुक्त निदेशक महेश पठानिया ने भी उनके कार्यकाल की सराहना करते हुए अपने अनुभव भी साझा किए। रजनी सूद 29 जून, 1989 को लिपिक के पद पर नियुक्त हुई और 34 वर्ष से अधिक समय तक विभाग में विभिन्न पदों पर अपनी सेवाएं प्रदान कीं। भुवनेश आनंद 2 नवम्बर, 1999 को कलाकार के पद पर नियुक्त हुए और 24 वर्ष से अधिक समय तक विभाग में विभिन्न पदों पर अपनी सेवाएं प्रदान कीं। राम सरण 12 जुलाई, 1991 को सेवादार के पद पर नियुक्त हुए और 32 वर्ष से अधिक समय तक विभाग में बहुमूल्य सेवाएं प्रदान कीं। इस अवसर पर विभाग के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित थे।

जनमंच में चपाती का हिसाब मांगने वाले कब देंगे मुर्गों का हिसाब : महेंद्र धमार्नी

बिलासपुर। जनमंच कार्यक्रम में चपाती का हिसाब मांगने वाले बताएं ₹सरकार जनता द्वार ₹ में मुर्गा परोसने का हिसाब कब देंगे ? भाजपा प्रदेश प्रवक्ता महेन्द्र धमार्नी ने कहा कि जिला ऊना में सुखू सरकार द्वारा आयोजित कार्यक्रम ₹ सरकार जनता के द्वार ₹ कार्यक्रम में मुख्यमंत्री के समक्ष लोग समस्याएँ लेकर आए लेकिन सरकार मुर्गा खाने में व्यस्त है। हिमाचल सरकार का असली चेहरा जनता के सामने आ गया है। महेंद्र धमार्नी ने कहा कि भाजपा की जयराम सरकार के समय जनमंच कार्यक्रम के माध्यम से एक सार्थक पहल लोगों की समस्याओं के निराकरण करने के लिए हुई थी।उसी की नकल करते हुए नाम बदलकर सुखु सरकार ने ₹सरकार जनता के द्वार ₹ शुरू किया। उसमें लोगों की समस्याओं का समाधान न करके कांग्रेस के नेता,मंत्री मौज मस्ती करके जनता के पैसों का दुरुपयोग कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि सुखू सरकार आर्थिक बदहाली का रोना रो रही है और दूसरी ओर सार्वजनिक कार्यक्रमों में मुर्गा परोसकर सरकारी खजाने का दुरूपयोग कर रहे हैं जो अत्यंत निंदनीय है।

जिला परिषद की त्रैमासिक बैठक आयोजित

चंबा। जिला परिषद अध्यक्ष डॉ. नीलम कुमारी की अध्यक्षता में जिला परिषद की त्रैमासिक बैठक आज उनके कार्यालय के सभागार में आयोजित की गई। बैठक में विभिन्न विभागों से सम्बन्धित नए व पुराने मुद्दों पर विस्तृत चर्चा की गई। इस अवसर पर अतिरिक्त जिला दंडाधिकारी एवं जिला परिषद मुख्य कार्यकारी अधिकारी अमित मैहरा भी उपस्थित रहे। बैठक में सर्वसम्मति से वर्ष 2024-25 का 15वां वित्तायोग शीर्ष में कार्य योजनाओं के शैल्फ का अनुमोदन किया गया। बैठक में अध्यक्ष नीलम कुमारी ने सभी विभागों के अधिकारियों से जनहित के विभिन्न कार्यों को आपसी समन्वय स्थापित कर तय सीमा के भीतर पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने जिला में पर्यटन गतिविधियों को बढ़ाने के लिए और उचित आवश्यक कदम उठाने के लिए पर्यटन विभाग के अधिकारियों को भी निर्देशित किया ताकि स्वरोजगार के अवसर पैदा हो। उन्होंने पुरात्व विभाग को भी पर्यटन को साथ जोड़ने को कहा। उन्होंने पशुपालन विभाग के अधिकारियों को टैग किए गए पशुओं की जानकारी क्षेत्र में कार्यरत कर्मचारियों से हासिल करने के लिए कहा ताकि पशुओं को आवारा छोड़ने वाले लोगों की जानकारी प्राप्त हो।

एसजेवीएन ने नन्द लाल शर्मा, अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक को गर्मजोशी से विदाई दी

दर्पण न्यूज सर्विस
शिमला

नन्द लाल शर्मा, अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक एसजेवीएन को कारपोरेट मुख्यालय, शिमला में एसजेवीएन परिवार द्वारा समारोह के दौरान गर्मजोशी से विदाई दी गई। इस अवसर पर श्रीमती गीता कपूर, निदेशक (कार्मिक), ए.के. सिंह, निदेशक (वित्त), सुशील शर्मा, निदेशक (परियोजनाएं) तथा एसजेवीएन कर्मचारियों ने उन्हें उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दी। नन्द लाल शर्मा हरियाणा विद्युत नियामक आयोग (एचईआरसी) में अध्यक्ष के रूप में पदभार ग्रहण करेंगे।

अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक के रूप में अपने कार्यकाल के दौरान, नन्द लाल शर्मा ने एसजेवीएन को भारत और विदेश में तीव्रता से विकास की ओर अग्रसर किया और वर्तमान में कंपनी के पोर्टफोलियो को 5200 मेगावाट से बढ़ाकर 59872 मेगावाट कर दिया है। उनके नेतृत्व ने कंपनी को विभिन्न शीर्षों जैसे हाइड्रो, थर्मल, सोलर, विंड, ट्रांसमिशन, कंसल्टेंसी और पावर ट्रेडिंग के क्षेत्रों में विकास में सहायता की है। उनके कार्यकाल के दौरान कंपनी के शेयर मूल्य में अभूतपूर्व वृद्धि हुई है। प्रशासन और विद्युत क्षेत्र में 34 वर्षों से अधिक के अनुभव के साथ, शर्मा ने चुनौतियों को अवसरों में परिवर्तित करते हुए एसजेवीएन को वर्ष 2026 तक 12000 मेगावाट के मिशन, 2030 तक 25000 मेगावाट और वर्ष 2040 तक 50000 मेगावाट की स्थापित क्षमता के लक्ष्य की ओर अग्रसर किया। शर्मा द्वारा की गई मानव संसाधन पहल के तहत एक बड़ी उपलब्धि में एसजेवीएन को दिनांक 12 जनवरी 2024 को ग्रेट प्लेस टू वर्क के रूप में प्रमाणित किया गया।

नन्द लाल शर्मा ने प्रतिष्ठित हिमाचल प्रदेश प्रशासनिक सेवाओं में वर्ष 1989 में अधिकारी के रूप में अपनी व्यावसायिक यात्रा आरंभ की और वर्ष 2008 में कार्यकारी निदेशक (मा.सं.) के रूप में एसजेवीएन में शामिल हुए।

सिरमौर जिला में पशु कल्याण पखवाड़े का समापन

दर्पण न्यूज सर्विस
नाहन

संपूर्ण भारत में चल रहे पशु कल्याण पखवाड़े की कड़ी में सिरमौर जिला में भी पशु कल्याण पखवाड़े का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। इस पखवाड़े के तहत पशु पालन विभाग द्वारा विभिन्न गतिविधियां आयोजित की गईं जिनके अन्तर्गत विद्यार्थियों, पशु-पालकों, भेड़ पालकों, ग्रामीण युवाओं को पशु कल्याण से संबन्धित विभिन्न महत्वपूर्ण जानकारियाँ प्रदान की गईं।

उप-निदेशक पशुपालन डा. नवीन सिंह ने यह जानकारी प्रदान करते हुए कहा कि पशुओं के प्रति संवेदना एवं पशु कल्याण के प्रति जागरुकता का प्रसार राष्ट्रीय स्तर पर जन मानस में किया जाना इस पशु कल्याण पखवाड़ा अभियान का मुख्य लक्ष्य था।

उन्होंने कहा कि इस पखवाड़े के तहत पशु चिकित्सालय नैहली-धीड़ा में कार्यरत पशु चिकित्सा अधिकारी डॉ. ऋतिका गुप्ता ने राजकीय कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय नाहन तथा राजकीय छात्र वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय नाहन की छात्राओं को पशु कल्याण तथा पशुओं के प्रति संवेदनशीलता के बारे में जागरुक किया।

डा. नवीन सिंह ने कहा कि पशुओं के कल्याण के दृष्टिगत पशुओं को पांच स्वतन्त्रताएं मिलना जरूरी है। उन्होंने कहा कि जागरूकत अभियान के दौरान विद्यार्थियों और अन्य प्रतिभागियों को पशुओं को पाँच स्वतन्त्रताएं सुनिश्चित करना जैसे कि भूख व प्यास से मुक्ति, उचित वातावरण प्रदान करनरा, असुविधा से मुक्ति, दर्द, चोट व बीमारी से मुक्ति, सामान्य व्यवहार व्यक्त करने की स्वतन्त्रता तथा भय और संकट से मुक्ति प्रदान करना शामिल के बारे में विस्तार से जानकारी प्रदान की गई। उप निदेशक पशुपालन ने बताया कि पखवाड़े के दौरान आयोजित विभिन्न कार्यक्रमों में पशु क्रुरता अधिनियम के बारे में विस्तार से प्रतिभागियों को जानकारी प्रदान की गई। उन्होंने बताया कि पशु को भूखा-प्यासा रखना, तंग जगह पर बांधना, मारना-पीटना तथा कष्ट पहुंचाना, पशु की क्षमता से अधिक एवं घायल व बूढ़े पशु से कार्य लेना यह सब पशु क्रुरता के दाये में आता है।

पुरस्कार

महाराष्ट्र, तमिलनाडु, हरियाणा पहले, दूसरे और तीसरे स्थान पर रहे

अनुराग ठाकुर ने चेन्नई में खेलो इंडिया यूथ गेम्स 2023 के विजेताओं को ट्रॉफियां प्रदान कीं

दर्पण न्यूज सर्विस
शिमला/चैन्नई

माननीय केंद्रीय युवा कार्यक्रम एवं खेल तथा सूचना एवं प्रसारण मंत्री अनुराग सिंह ठाकुर ने बुधवार को तमिलनाडु के चेन्नई में खेलो इंडिया यूथ गेम्स 2023 के समापन समारोह में विजेताओं को ट्रॉफियां प्रदान कीं। इस अवसर पर केंद्रीय मंत्री अनुराग सिंह ठाकुर ने कहा कि माननीय प्रधानमंत्री युवाओं की शक्ति का उपयोग करने और उन्हें अपनी प्रतिभा दिखलाने के लिए मंच प्रदान करना चाहते हैं। उनके द्वारा परिकल्पित खेलो इंडिया गेम्स उनकी इसी दिलचस्पी का प्रतीक हैं।

प्रधानमंत्री ने लगातार युवाओं का समर्थन किया है, चाहे राम मंदिर अनुष्ठान के लिए उपवास पर होने के बावजूद तमिलनाडु में खेलो इंडिया यूथ गेम्स के उद्घाटन समारोह में भाग लेना हो या फिर उसी दौरान युवा कार्यक्रमों के लिए नासिक का दौरा करना हो। सिर्फ इसलिए ताकि उन्हें प्रेरित किया जा सके। टूनामेंट से पहले, उसके दौरान और उसके बाद वे एथलीटों से लगातार संवाद करते हैं और ये एक प्रमुख कारण है कि एथलीटों का आत्मविश्वास बढ़ा है।

महाराष्ट्र कुल 158 पदक (57 स्वर्ण, 48 रजत, 53 कांस्य) जीतकर शीर्ष स्थान पर रहा, जबकि तमिलनाडु और हरियाणा ने 98 पदक (38 स्वर्ण, 21 रजत, 39 कांस्य) और 103 पदक (35 स्वर्ण, 22 रजत, 46 कांस्य) जीतकर क्रमशः दूसरा और तीसरा स्थान हासिल किया। इन खेलों में एथलीटों, तकनीकी अधिकारियों, स्वयंसेवकों आदि सहित कुल 7234 लोगों ने भाग लिया। इस अवसर पर अपने संबोधन में ठाकुर ने कहा, खेलो इंडिया यूथ गेम्स के हर एक संस्करण के साथ, हमारा कद बढ़ रहा है। मुझे यह कहते हुए बेहद गर्व हो रहा है कि 26 खेल स्पधाओं में 36 राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों के एथलेटिक उत्साह और अटल खेल भावना से प्रेरित 4454 युवा खिलाड़ियों ने गौरव हासिल के लिए प्रतिस्पर्धा की।

उन्होंने कहा, माननीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की परिकल्पना है कि भारत दुनिया में अगला खेल महाशक्ति बने और जिस तरह से हर गुजरते दिन के साथ खेल इकोसिस्टम विकसित हो रहा है, वह इस बदलाव का एक प्रमाण है। बदलाव एक प्रक्रिया है और 2016 में शुरू हुए खेलो इंडिया मिशन ने एक उत्साही, भ्रष्टाचार मुक्त स्पोर्टी भारत का सपना साकार किया है।" खेलों के इस संस्करण में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन के कुल 30 रिकॉर्ड और राष्ट्रीय युवा रिकॉर्ड बनाए गए हैं। एथलेटिक्स में 8 जबकि वेटलिफ्टिंग में 22 रिकॉर्ड बने हैं। जहां हरियाणा के एथलीटों ने 7 रिकॉर्ड बनाए, वहीं महाराष्ट्र ने कुल 6 रिकॉर्ड बनाए। हरियाणा की संजना ने 76 किग्रा वेटलिफ्टिंग में 5 रिकॉर्ड बनाए हैं, जबकि तमिलनाडु की कीर्तना ने 81 किग्रा वेटलिफ्टिंग वर्ग में 3 रिकॉर्ड बनाए हैं। महाराष्ट्र की आरती तातुनी ने भी 49 किग्रा भारोत्तोलन वर्ग में 3 रिकॉर्ड बनाए।

ठाकुर ने कहा, खेलो इंडिया गेम्स के सबसे आकर्षक हिस्से में से एक साधारण पृष्ठभूमि से मंच तक पहुंचने वाले एथलीटों की अलग-अलग कहानियां हैं। उनमें से कुछ कहानियों का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा, खेलों में 23 प्रमुख एथलीटों की उपस्थिति भी देखी गई, जिन्होंने प्रमुख अंतर्राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में भाग लिया, जिसमें तीरंदाजी में अदिति गोपीचंद स्वामी से लेकर भारोत्तोलन में एल धनुष तक शामिल हैं। जहां अदिति ने पिछले साल हांगझोऊ एशियाई खेलों में एक स्वर्ण सहित दो पदक जीते, वहीं तमिलनाडु के धनुष ने पिछले साल अल्बानिया के ड्यूरेस में आईडब्ल्यूएफ विश्व युवा चैंपियनशिप में कांस्य पदक जीता।

ठाकुर ने कहा, प्रधानमंत्री मोदी जी के युवा भारत के दृष्टिकोण को अंततः इन चैंपियनों द्वारा बेहद गति से आगे बढ़ाया जा रहा है और वह दिन बहुत दूर नहीं है जब आप सभी भारत को ओलंपिक एवं खेल प्रतियोगिताओं के सबसे बड़े मंच पर शीर्ष के 10 स्थानों में अपनी जगह बनाने में मदद करेंगे।

तमिलनाडु में आयोजित खेलो इंडिया यूथ गेम्स के पिछले 13 दिनों के दौरान हमने जो देखा है, उससे मुझे बेहद गर्व व आशा भरा महसूस हो रहा है। खेल हमारे युवाओं की प्रतिभा, समर्पण और अदम्य भावना का गौरवशाली प्रमाण हैं। मैंने एथलेटिक कौशल, खेल भावना और सौहार्द का प्रदर्शन देखा है जिसने मुझे गहराई से प्रेरित किया है।

बुधवार को इस भव्य कार्यक्रम में माननीय सांसद (मध्य चेन्नई) दयानिधि मारन और तमिलनाडु सरकार के युवा कल्याण एवं खेल विकास मंत्री उदयनिधि स्टालिन भी मौजूद थे।

बीसीसीआई सचिव जय शाह लगातार तीसरे कार्यकाल के लिए एसीसी अध्यक्ष चुने गए

मैं एसीसी बोर्ड का मुझ पर विश्वास बनाए रखने के लिए आभारी हूं: शाह

दर्पण न्यूज सर्विस
नई दिल्ली

भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के सचिव जय शाह को बुधवार को लगातार तीसरे कार्यकाल के लिए एशियाई क्रिकेट परिषद (एसीसी) का अध्यक्ष चुना गया। शाह के कार्यकाल के विस्तार का प्रस्ताव बाली में वार्षिक आम बैठक के दौरान श्रीलंका क्रिकेट (एसएलसी) के अध्यक्ष शमी सिल्वा ने रखा और एसीसी के सभी सदस्यों ने सर्वसम्मति से नामांकन का समर्थन किया। शाह सबसे पहले जनवरी 2021 में इस पद पर काबिज हुए थे। उन्होंने बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड के अध्यक्ष नजमुल हसन की जगह ली थी। शाह के नेतृत्व में एसीसी ने 2022 में टी20 प्रारूप और 2023 में एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय प्रारूप में एशिया कप का सफल आयोजन किया। शाह ने विज्ञप्ति में कहा, 'मैं एसीसी बोर्ड का मुझ पर विश्वास बनाए रखने के लिए आभारी हूं। हमें खेल के सर्वांगीण विकास को सुनिश्चित करने के साथ उन क्षेत्रों पर विशेष ध्यान देने के लिए प्रतिबद्ध रहना चाहिए जहां यह अब भी अपनी शुरूआती अवस्था में है। एसीसी पूरे एशिया में क्रिकेट को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध है।' सिल्वा ने कहा, 'शाह के मार्गदर्शन में एसीसी ने बांग्लादेश, भारत, पाकिस्तान और श्रीलंका जैसी क्रिकेट की महाशक्तियों में नई प्रतिभाओं को सामने लाने और उन्हें बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।' ओमान क्रिकेट के अध्यक्ष और एसीसी के उपाध्यक्ष पंकज खीमजी ने भी शाह को बधाई दी। उन्होंने कहा, 'आज हितधारक एसीसी द्वारा आयोजित टूनार्मेंटों में निवेश करने में फायदा देखते हैं और मैं इस बड़े परिवर्तन के लिए उन्हें (शाह को) श्रेय देता हूं। इससे क्षेत्र में खेल के विकास को और बढ़ावा देगा।' शाह की पुनः नियुक्ति का स्वागत करते हुए हसन ने कहा कि उनके नेतृत्व में एशिया में क्रिकेट समृद्ध होता रहेगा। उन्होंने इस प्रयास को आगे बढ़ाने में एसीसी के साथ सहयोग पर जोर दिया।

भारत बड़ी खेल शक्ति बनने की ओर अग्रसर : राष्ट्रपति मुर्मू

नई दिल्ली। देश में खेलों और खिलाड़ियों को सरकार की ओर से दी जा रही मदद को अभूतपूर्व बताते हुए राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने बुधवार को कहा कि देश की युवाशक्ति को कौशल और रोजगार से जोड़ने के लिए खेल आधारित अर्थव्यवस्था को मजबूत किया जा रहा है और भारत बड़ी खेल शक्ति बनने की ओर अग्रसर है। राष्ट्रपति ने संसद के बजट सत्र के प्रथम दिन लोकसभा और राज्यसभा की संयुक्त बैठक में अपने अभिभाषण में कहा, 'हम खेल आधारित अर्थव्यवस्था को मजबूत कर रहे हैं। सरकार ने खेलों और खिलाड़ियों को अभूतपूर्व मदद दी है। आज भारत एक बहुत बड़ी खेल शक्ति बनने की ओर अग्रसर है।' उन्होंने कहा कि सरकार खिलाड़ियों के साथ ही आज इससे जुड़े दूसरे क्षेत्रों पर भी जोर दे रही है। राष्ट्रपति ने कहा कि राष्ट्रीय खेल विश्वविद्यालय बन चुका है, तथा देश में दर्जनों 'सेंटर ऑफ एक्सीलेंस' बनाए गए हैं जिससे खेल को व्यवसाय के रूप में चुनने का अवसर युवाओं को मिलेगा। उन्होंने कहा कि खेल उपकरणों से जुड़े उद्योग को भी हर प्रकार की मदद दी जा रही है। उन्होंने कहा, 'बीते 10 वर्षों में भारत ने खेलों से जुड़ी अनेक अंतरराष्ट्रीय स्पधार्ओं का शानदार आयोजन किया।'

यह मेरे बिछड़े हुए भाई से मिलने जैसा था: जीशान अली से मिलने पर हामिद उल हक

दर्पण न्यूज सर्विस
इस्लामाबाद

पाकिस्तान के पूर्व दिग्गज टेनिस खिलाड़ी हामिद उल हक के लिए भारतीय कोच और कप्तान जीशान अली से इस्लामाबाद में मुलाकात करना अपने बिछड़े हुए भाई से फिर से मिलने जैसा था। लगभग 36 साल पहले बेंगलुरु का दौरा करने वाले पाकिस्तान के डेविस कप टीम के पूर्व कप्तान को अच्छी तरह से याद है कि जीशान के पिता, दिवंगत अख्तर अली ने कैसे पाकिस्तान के खिलाड़ियों की देखभाल की थी। उन्हें वह वाक्या भी याद है जब वह बिना वीजा के त्रिवेंद्रम चले गये थे लेकिन एक डीआईजी (पुलिस उपमहानिरीक्षक) ने उन्हें परेशान किये बिना वापस भेज दिया। अब 62 साल के हो चुके हामिद अभी भी भारतीय खिलाड़ी श्रीनिवासन वासुदेवन शुक्रगुजार है, जो उन्हें 1987 में बेंगलुरु में आवास खोजने के लिए संघर्ष करते समय अपने घर ले आये थे। वह एक 'सैटेलाइट टूनामेंट' में प्रतिस्पर्धा करने के लिए इस शहर में गए थे। हामिद ने कहा कि दिल्ली का खाना भी उतना ही मसालेदार होता था, जितना कराची में मिलता था। साल 2000 में प्राइड ऑफ परफॉर्मेंस (पाकिस्तान में एक उपाधि) से सम्मानित हामिद इस बात से बेहद खुश हैं कि भारत की टेनिस टीम पाकिस्तान आई है। उन्होंने साक्षात्कार में कहा, 'अब जब मैं यहां इस्लामाबाद में भारतीय दल से मिल रहा हूं, तो ऐसा लग रहा है जैसे मैं अपने ही भाइयों से मिल रहा हूं, जो अलग हो गए थे। कोच जीशान अली मेरे बहुत अच्छे दोस्त हैं। उनके पिता अख्तर अली भी हमारी बहुत मदद करते थे। वह हमारे लिये पिता और कोच की तरह थे, वह पाकिस्तानियों की बहुत मदद कर रहे थे।' उन्होंने कहा, 'दुबई में एशिया कप के दौरान मैं सेमीफाइनल में जीशान से हार गया था। लाहौर में भी मैं उसके खिलाफ खेला हूं।' मुझे पता था कि वह आ रहे हैं, मैं उत्साह से उसका इंतजार कर रहा था। मैं उसे अपने घर ले जाना चाहता हूं और शहर देखने में उसकी मदद करना चाहता हूं, लेकिन आप जानते हैं, मौजूदा परिस्थितियों में यह संभव नहीं है। भारत और पाकिस्तान के बीच राजनयिक तनाव के कारण दोनों देशों के आवेदकों को शहर-विशिष्ट वीजा मिलता है।' पाकिस्तान के लिए 1984 और 1997 के बीच डेविस कप खेलने वाले हमीद ने 1982 में एशियाई खेलों के लिए दिल्ली की यात्रा की थी और उन दिनों की यादें साझा कीं। उन्होंने कहा, 'जब मैं भारत जाता हूं तो मुझे नहीं लगता कि मैं किसी विदेशी सरजमीं पर हूं। भारत और पाकिस्तान एक जैसे है। दोनों देशों की भाषा, भोजन, पोशाक, सब कुछ एक जैसा है। जैसा मसालेदार खाना हम कराची में खाते हैं, वैसा ही स्वाद हमें दिल्ली में भी मिलता है।' उन्होंने कहा, 'मैं 1987 में सैटेलाइट टूनार्मेंटों के लिए बॉम्बे (अब मुंबई), बैंगलोर (अब बेंगलुरु) और त्रिवेंद्रम गया था। मुझे आवास मिलने में परेशान हो रही थी और भारतीय खिलाड़ी वासुदेवन को जब इसके बारे में पता चला तो सुरक्षा चिताओं की परवाह किये बिना वह मुझे अपने घर लेकर गये थे।'

लीच ने अभ्यास सत्र में हिस्सा नहीं लिया, दूसरे टेस्ट में खेलना संदिग्ध

दर्पण न्यूज सर्विस
विशाखापत्तनम

इंग्लैंड के सबसे अनुभवी स्पिनर जैक लीच हैदराबाद में खेले गये पहले टेस्ट के दौरान घुटने में लगी चोट से पूरी तरह से उबरने में विफल रहे हैं जिससे पांच मैचों की श्रृंखला में शुक्रवार से यहां शुरू हो रहे दूसरे टेस्ट मैच में उनका खेलना संदिग्ध है। लीच ने बुधवार को टीम के अभ्यास सत्र में हिस्सा नहीं लिया। उन्हें मैदान के बाहर फिजियो से इलाज कराते देखा गया। टीम के उनके साथी खिलाड़ी जैक क्राउली ने यहां संवाददाता सम्मेलन में कहा, 'वह काफी मजबूत इंसान है। आप उसके बारे में कुछ अंदाजा नहीं लगा सकते है।' आप वास्तव में उसे कभी नजरअंदाज नहीं कर सकते। हम देखेंगे कि वह कुछ दिनों में कैसा करते हैं। हैदराबाद टेस्ट के पहले दिन क्षेत्ररक्षण करते समय लीच के बाएं घुटने में चोट लग गई थी। इंग्लैंड ने इस मैच को 28 रन से जीता था। घुटने के आसपास चोट लगने से हुई सूजन और दर्द के बावजूद उन्होंने हैदराबाद टेस्ट की पहली पारी में 26 और दूसरी पारी में 10 ओवर की गेंदबाजी की थी। उन्हें बुधवार को अभ्यास सत्र के दौरान लंगड़ाते हुए देखा गया। लीच अगर चोट से उबरने में विफल रहे तो टीम में उनकी जगह ऑफ स्पिनर शोएब बशीर को मौका मिल सकता है। वीजा संबंधी समस्या के कारण बशीर देर से भारत पहुंचे थे और हैदराबाद टेस्ट में पदार्पण नहीं कर सके थे। सलामी बल्लेबाज क्राउली को भरोसा है कि अगर बशीर को मौका दिया गया तो वह अच्छा प्रदर्शन करेंगे। उन्होंने कहा, ' वह एक शानदार खिलाड़ी है। उसे खुद पर काफी भरोसा है। वह जानता है कि वह अपनी गेंदबाजी के साथ क्या करने की कोशिश कर रहा है और वह खुद का समर्थन करता है।

पैरा तैराक लोहिया ने कहा, कभी लोग मुझे हमदर्दी की नजर से देखते थे

इंदौर (मध्यप्रदेश)। पद्मश्री से नवाजे गए अंतरराष्ट्रीय पैरा तैराक सतेंद्र सिंह लोहिया को इस मुकाम तक पहुंचने के लिए शारीरिक, मानसिक और सामाजिक चुनौतियों के महासागरों को पार करना पड़ा है। राज्य के मुरैना जिले के गाता गांव से ताल्लुक रखने वाले लोहिया (35) ने बुधवार को यहां 'पीटीआई-भाषा' से कहा,'पद्मश्री पुरस्कार के लिए चुना जाना बहुत बड़ी बात है जिसे मैं महसूस तो कर सकता हूं, पर शब्दों में बयान नहीं कर सकता।' उन्होंने,'शुरूआत में लोग मुझे हमदर्दी की नजर से देखते थे। वे कहते थे कि पैरों में समस्या के कारण मेरी जिंदगी बर्बाद हो गई है, लेकिन मैंने सोचा कि मुझे लोगों की सहानुभूति का नहीं, बल्कि उनके सम्मान का पात्र बनना है। इसके लिए मैंने अपने मन में शक्ति जुटाई।' लोहिया के मुताबिक बचपन में चिकित्सकों की कथित लापरवाही के कारण पैरों पर दवा के दुष्प्रभाव से 12 साल की उम्र में उन्हें चलने में दिक्कत पेश आने लगी जो लगातार बढ़ती चली गई।

'तेंदुलकर को खाता खोलने के लिए तीन मैच तक इंतजार करना पड़ा था'

दर्पण न्यूज सर्विस
मुंबई

सचिन तेंदुलकर ने अपने मित्रों को 'अपने जीवन का पहला मैच' देखने के लिए आमंत्रित किया था लेकिन उन्हें निराश होकर घर लौटना पड़ा क्योंकि दुनिया का सबसे सफल अंतरराष्ट्रीय बल्लेबाज पहली ही गेंद पर आउट हो गया। अपनी कॉलोनी के मुख्य बल्लेबाज तेंदुलकर ने अपने समर्थकों के समूह के सामने कुछ बहाने बनाए और उन्हें मना लिया कि उनके आउट होने में उनकी गलती नहीं थी। उनके वही मित्र उनके दूसरे मैच के लिए भी मैदान में पहुंचे लेकिन इस बार भी तेंदुलकर उन्हें निराश करते हुए पहली ही गेंद पर आउट हो गए। तेंदुलकर ने अपने तीसरे मैच के लिए अपने मित्रों को मैदान पर नहीं बुलाया। उन्हें किस्मत में बदलाव की उम्मीद थी लेकिन इस बार भी भाग्य ने उनका साथ नहीं दिया और वह एक रन बनाकर सिर्फ खाता ही खोल पाए। तेंदुलकर हालांकि यह 'एक रन' बनाकर राहत महसूस कर रहे थे और मैदान से खुश होकर घर लौटे क्योंकि उन्होंने उस सफर की शुरूआत कर दी थी जिसे क्रिकेट का चेहरा हमेशा के लिए बदलना था। तेंदुलकर ने बुधवार को कहा, 'अपने जीवन के पहले मैच में मैंने साहित्य सहवास के अपने सभी मित्रों को बुलाया था। मैं अपनी कॉलोनी का मुख्य बल्लेबाज था और मैंने उन्हें मैच देखने के लिए बुलाया था। मेरे सभी मित्र आए और मैं पहली गेंद पर आउट हो गया जो काफी निराशाजनक था।' उन्होंने कहा, 'मैंने कुछ बहाने बनाए जो आमतौर पर गली क्रिकेट में स्वीकार्य होते थे। मैंने कहा कि गेंद नीची रह गई थी और वे सभी मान गए।

हमारे अंदर 'बैजबॉल' नैसर्गिक रूप से है: जैक क्राउली

विशाखापत्तनम। इंग्लैंड के सलामी बल्लेबाज जैक क्राउली ने बुधवार को कहा कि अति आक्रामक होकर खेलने के 'बैजबॉल' रवैये को अपनाने के बाद से उनके अधिकतर साथी बेहतर खिलाड़ी बन गए हैं क्योंकि यह समय लेकर खेलने की पारंपरिक रणनीति की तुलना में उनके प्राकृतिक खेल के कहीं अधिक अनुकूल है। इंग्लैंड ने हैदराबाद में पहले टेस्ट में पहली पारी में 190 रन से पिछड़ने के बावजूद भारत को 28 रन से हराया जो लड़ने के टीम के जज्बे को दिखाता है और इससे टीम प्रबल दावेदार भारत को हराने में सफल रही। न्यूजीलैंड के कोच ब्रैंडन मैकुलम के मार्गदर्शन में 'बैजबॉल' रणनीति अपनाने के बाद से इंग्लैंड ने अब तक कोई टेस्ट मैच नहीं गंवाया है। क्राउली ने शुक्रवार से यहां शुरू हो रहे दूसरे टेस्ट से पूर्व प्रेस कांफ्रेंस में कहा, 'मुझे लगता है कि यह (बैजबॉल) हमारे अंदर नैसर्गिक रूप से आता है क्योंकि हमारी कई टीम अधिक आक्रामक होकर खेलती हैं। जब मैं पहली बार इंग्लैंड टीम में आया तो समय लेकर लंबी पारी खेलने की मानसिकता थी और मुझे नहीं लगता है कि मैं और कुछ अन्य प्राकृतिक रूप से ऐसे हैं।'

अश्विन टेस्ट रैंकिंग में शीर्ष पर बरकरार, बुमराह चौथे पायदान पर

दर्पण न्यूज सर्विस
दुबई

भारत के अनुभवी ऑफ स्पिनर रविचंद्रन अश्विन ने बुधवार को आईसीसी (अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद) की ओर से जारी टेस्ट गेंदबाजों की रैंकिंग में अपना शीर्ष स्थान बरकरार रखा है, जबकि हमवतन जसप्रीत बुमराह चौथे स्थान पर पहुंच गए हैं। इंग्लैंड के खिलाफ शुरूआती टेस्ट में भारत की 28 रन की हार के दौरान अश्विन ने मैच में छह विकेट झटके थे। उनके नाम 853 रेटिंग अंक हैं। तेज गेंदबाज बुमराह ने भी इस मैच में छह विकेट चटकाये थे जिससे वह चौथे स्थान पर पहुंच गये। गेंदबाजी तालिका में शीर्ष 10 में तीसरे भारतीय बाएं हाथ के स्पिनर रविंद्र जडेजा है, जो छठे नंबर पर हैं। टेस्ट ऑलराउंडर रैंकिंग में जडेजा शीर्ष पर हैं। हरफनमौला खिलाड़ियों की सूची में इंग्लैंड के जो रूट चौथे स्थान पर पहुंच गये है। वह अगर गेंद से अच्छा प्रदर्शन जारी रखने में सफल रहे तो इस सूची में शीर्ष तीन स्थान पर काबिज खिलाड़ियों (जडेजा, अश्विन और शाकिब अल हसन) को कड़ी टक्कर दे सकते हैं। अपनी शानदार बल्लेबाजी के लिए जाने जाने वाले रूट ने हैदराबाद टेस्ट में पांच विकेट चटकाये थे। उन्होंने दूसरी पारी में गेंदबाजी का आगाज भी किया था। अक्षर पटेल इस सूची में छठे स्थान पर खिसक गये हैं। दिग्गज भारतीय विराट कोहली छठे स्थान के साथ शीर्ष 10 बल्लेबाजों में अकेले भारतीय हैं। भारत के खिलाफ दूसरी पारी में 196 रन बनाने वाले इंग्लैंड के ओली पोप 20 स्थान की सुधार के साथ 15वें पायदान पर पहुंच गये हैं। पोप के इंग्लैंड टीम के साथी बेन डकेट भी अपनी रैंकिंग में सुधार करने में सफल रहे हैं।

दिन भर नहीं फैलेगा आपकी आंखों का काजल बस इन ट्रिक्स को करें फॉलो

कहीं भी जाना हो घर से निकलते हुए मेकअप करना तो जरूरी है लेकिन मेकअप करने के लिए आपको सही तकनीक को समझना भी बेहद जरूरी होता है अन्यथा गलत तरीके से मेक अप करने से आपका हुलिया बिगड़ जाता है। रोजाना की बात करें तो हम ज्यादातर हल्के.फुल्के मेकअप में काजल और लिपस्टिक को लगाना पसंद करते हैं। आंखों में काजल लगाने का शौक अधिकतर महिलायें रखती हैं क्योंकि हल्का सा काजल लगाने के बाद आंखें बेहद खूबसूरत दिखने लगती हैं और चेहरे की खूबसूरती को चार चाँद लगा देती हैं / अगर आप पार्टी में जा रही हैं तो ऐसे में तो आपके लिए मकेअप करना और भी जरूरी हो जाता है और हल्का सा काजल आपके लुक को कमाल का बना सकता है लेकिन कई बार काजल इस्तेमाल के बाद चेहरे पर फैल जाता है और पूरा लुक ही खराब हो जाता है जिसकी बजह से अनेक महिलायें इसे लगाने से बचती हैं / जिनकी आंखों से ज्यादा पानी आता है उनका काजल तो स्मज हो ही जाता है साथ ही साथ समान्यता भी 1--.2 घंटे बाद काजल फैलने का डर बना रहता है। अगर आप भी इस तरह की समस्या से जूझती हैं तो कुछ मेकअप टिप्स अपनाकर आप घंटों आपके मेकअप को स्मज फ्री रख सकती हैं/ ये काफी आसान और असरदार तरीके हैं/

फाउंडेशन या कंसीलर लगाएं

काजल लगाने से पहले अपनी आंखों के नीचे की स्किन पर फाउंडेशन या कंसीलर लगाएं और इसके सेट होने के बाद इस पर काजल लगाएं। उसके बाद पाउडर का इस्तेमाल करना न भूलें। ये आपकी स्किन को ऑइली होने से बचाएगाए जो काजल को एक जगह बिना स्मज हुए टिके रहने में मदद करेगा। फेस पाउडर का टच.अप भी ऑइल को कंट्रोल करने में मददगार साबित हो सकता है। इसे तीन.चार घंटे में दोबारा अप्लाई किया जा सकता है। ये आपकी आंखों के नीचे फैलने वाले काजल को रोकेगा जिससे परफेक्ट लाइन दिखेगी। ठंडे पानी में कॉटन बॉल्स को डिप करके आंखों पर रखें / यह आपकी आईलिड के आसपास के एरिया के ऑइल को बैलेंस करने में मदद करेगाए जिससे काजल बिना स्मज हुए आपकी आंखों पर बना रहेगा। आंखों के नीचे बीबी क्रीम की एक लेयर सेट करें और फिर काजल अप्लाई करें।

सही काजल चुनें

काजल ना फेले इसके लिए सही काजल खरीदना बहुत ही जरूरी है। जब भी आप काजल खरीदें तो बेहतर होगा कि आप वाटर प्रूफ , स्मजफ्री काजल का ही इस्तेमाल करें यह आपके आंखों से बाहर नहीं नहीं आएगा और फैलने से बचा रहेगा/ आंखों में लगे काजल को फैलने से बचाने के लिए आप सबसे पतली टिप वाले काजल पेन या पेंसिल का इस्तेमाल कर सकती हैं। हमेशा अपने लिए एक अच्छे ब्रॉन्डेड काजल ही खरीदें। सस्ता नकली या लोकल ब्रांड का काजल आपकी आंखों को नुकसान पहुंचा सकता है। इस तरह के सस्ते काजल बहुत जल्दी फैलते हैं

आंखें रगड़ने से बचें

अगर आपको बार.बार आंखें मलने या हाथ लगाने की आदत है तो इस आदत से बचें। बार.बार आंखों को रब करने से काजल फैल जाता है। इससे आपकी आंखों का काजल बहुत ही जल्द खराब हो सकता है। अगर आपकी आंखों में ज्यादा आंसू आते हैं तो काजल लगाने की शुरूआत आउटर लाइन से इनर लाइन की ओर करें। अगर अंदर से बाहर ;आंसू आने वाली जगह से आंख की आउटर क्रीज लाइन तक लगाएंगे तो काजल पेंसिल पहले ही गीली हो जाएगी और ऐसे में आपको दो.तीन स्ट्रोक लगाने पड़ सकते हैं। अगर आपकी आंखों में ज्यादा पानी आता है और आप किसी ऑफिस में काम करती हैं जहां दिन भर कम्प्यूटर देखना पड़ता है तो बीच.बीच में ब्रेक जरूर लेती रहें।

अप्लाई से पहले करें ये काम

अगर आपके चेहरे पर क्रीम आदि लगी है तो काजल लगाने से पहले आंखों और आई लीड के आसपास क्रीम को किसी टीश्यू से अच्छी तरह साफ कर लें / इस तरह चिकनाई नहीं रहेगी और काजल आसानी से लगा पाएंगे और फैलने से भी बचा रहेगा/ अगर आपने तुरंत फेस क्रीम लगाई है तो काजल लगाने से पहले कम से कम 10 मिनट इंतजार करें ताकी चिकनाई के कारण ये खराब ना हो।

आईशैडो का प्रयोग

काजल को फैलने से बचाने के लिए आप पहले काजल अप्लाई कर लें और इसके बाद आंखों की लिड एरिया पर स्किन से मैच करती आई शैडो को अप्लाई कर लें/ यह ट्रिक काफी काम का है/ काजल हमेशा आहिस्ता मसे लगाएं जितना ज्यादा फोर्स से काजल लगेगा उसके फैलने की उतनी ही ज्यादा गुंजाइश होगी।

फेस पाउडर की मदद

काजल अगर फैल जाता है तो हर 3 से 4 घंटे के गैप के बाद आंख और चेहरे पर फेस पाउडर अप्लाई कर लिया करें ऐसा करने से ये काजल को नीचे फैलने से रोकेगा। अगर आपके आंखों में बार बार पानी आता है या काजल फेलता है तो आप साथ में हमेशा कुछ ईयर बड्स रखें अगर यह

अनिल कपूर ने फाइटर के सेट से वीडियो की शेयर

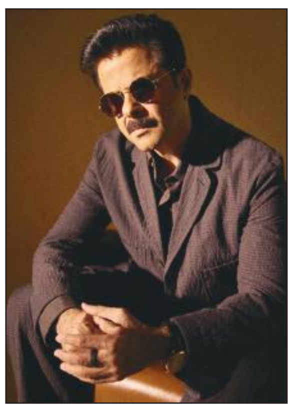

सिनेमा आइकॉन अनिल कपूर स्टारर फाइटर का सिनेमाघरों में जलवा बरकरार है। सिनेमाघरों में फिल्म के सफल प्रदर्शन के बीच, कैप्टन रॉकी उर्फ अनिल कपूर ने सिद्धार्थ आनंद निर्देशित फिल्म के सेट से एक दिलचस्प बीटीएस वीडियो जारी किया है। वीडियो में मेगास्टार अनिल कपूर की भूमिका के लिए तैयारी की एक अच्छी झलक और फिल्म के फिल्मांकन के कुछ स्नैपशॉट पेश किए गए हैं। कुछ दृश्यों की शूटिंग से लेकर सुधार के सुझाव तक, वीडियो ने यह सब पूरी तरह से कैद कर लिया है। अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम हैंडल पर बीटीएस वीडियो साझा करते हुए कपूर के कैप्शन में लिखा है, 'कठिन, आधिकारिक और अटूट। आपको ग्रुप कैप्टन राकेश जय सिंह के निर्माण के बारे में बताते हुए। कॉल साइनः रॉकी.. #फाइटर फॉरएवर।'

फाइटर की बात करें तो फिल्म में ऋतिक रोशन, दीपिका पादुकोण और अनिल कपूर, करण सिंह ग्रोवर और अक्षय ओबेरॉय प्रमुख भूमिकाओं में हैं। सिद्धार्थ आनंद की मार्फ्लिक्स पिक्चर्स द्वारा निर्मित और Viacom18 के सहयोग से, फाइटर 25 जनवरी, 2024 से सिनेमाघरों में अपना सफल प्रदर्शन जारी रखे हुए है।

नेटफ्लिक्स ने भूमि पेडनेकर की आगामी फिल्म 'भक्षक' का ट्रेलर जारी किया

स्ट्रीमर नेटफ्लिक्स ने बुधवार को भूमि पेडनेकर की आगामी फिल्म 'भक्त' का ट्रेलर जारी किया, जो एक खोजी पत्रकार के बारे में है जो एक जघन्य अपराध को उजागर करने की कोशिश करता है। सुपरस्टार शाहरुख खान के बैनर रेड चिलीज एंटरटेनमेंट ने क्राइम ड्रामा का समर्थन किया है, जो सच्ची घटनाओं से प्रेरित है। फिल्म पुलकित द्वारा निर्देशित है और 9 फरवरी को नेटफ्लिक्स पर डेब्यू करेगी। फिल्म में पेडनेकर ने पत्रकार वैशाली सिंह की भूमिका निभाई है, जो लड़कियों के आश्रय गृह में दुर्व्यवहार की कहानियों को उजागर करती है। इसमें संजय मिश्रा, आदित्य श्रीवास्तव और साई ताम्हणकर भी हैं। खान की पत्नी गौरी खान को गौरव वर्मा के साथ निमार्ता के रूप में श्रेय दिया जाता है। सुपरस्टार ने ट्रेलर को अपने सोशल मीडिया हैंडल पर साझा किया और लिखा, 'लचीलेपन की एक कहानी जिसे बताने की जरूरत है।' एक अभिनेत्री के रूप में, पेडनेकर ने कहा कि वह हमेशा 'अव्यवस्था-तोड़ने वाली फिल्मों' की तलाश में रहती हैं जो पारंपरिक कथा से परे हों। 'भक्षक' भी ऐसी ही एक फिल्म है, वास्तव में, यह मेरे करियर की सबसे महत्वपूर्ण फिल्मों में से एक है। यह एक गहरा अनुभव रहा है और मैं 'भक्षक' जैसी स्क्रिप्ट और वैशाली सिंह जैसे किरदारों के लिए बहुत आभारी हूं। इन शक्तिशाली आख्यानों को बताने का साहस,'अभिनेता ने एक बयान में कहा। 'मैं वास्तव में कहानी कहने की परिवर्तनकारी क्षमता में विश्वास करता हूं, और मैं ऐसी भूमिकाएं चुनने के लिए प्रतिबद्ध हूं जो न केवल सीमाओं को तोड़ती हैं, और रूढ़िवादिता को तोड़ती हैं, बल्कि उन चचार्ओं को भी प्रज्वलित करती हैं जो सार्थक बदलाव का मार्ग प्रशस्त करती हैं। 'भक्त' एक महत्वपूर्ण फिल्म है और मैं ऐसा कर सकता हूं उन्होंने कहा, ''हम दुनिया भर के दर्शकों के साथ अपने प्यार को साझा करने के लिए इंतजार नहीं कर सकते।''

अभिनेत्री सांची राय और लक्ष्य कपूर का गाना 'बरबाद' रिलीज

अभिनेत्री सांची राय ने अपने नवीनतम संगीत वीडियो, 'बरबाद' की रिलीज के साथ संगीत जगत में तहलका मचा दिया है। साँची और गायक लक्ष्य कपूर की विशेषता वाला यह गीत, प्यार, विश्वासघात और टूटे हुए सपनों की एक मार्मिक कहानी बुनते हुए, साल का सबसे दिल तोड़ने वाला गीत बनने की ओर अग्रसर है। सांची राय और लक्ष्य कपूर ने पहली बार कला का एक टुकड़ा बनाने के लिए सहयोग किया है जो न केवल उनकी कलात्मक कौशल को प्रदर्शित करता है बल्कि दर्शकों के साथ आंतरिक स्तर पर जुड़ता है।

'बरबाद' दो लवबर्ड्स, सांची और लक्ष्य की कहानी को उजागर करता है, जिनके रिश्ते में उथल-पुथल मच जाती है। खुद लक्ष्य कपूर द्वारा गाए गए, भावपूर्ण गीत प्यार की जटिलताओं और टूटे हुए दिल के विनाशकारी परिणामों को दशार्ते हैं। कहानी उस दर्द के इर्द-गिर्द घूमती है, जब सांची का किरदार लक्ष्य को एक शानदार जीवन शैली प्रदान करने में असमर्थता का हवाला देते हुए धोखा देता है। लक्ष्य की सुरीली आवाज एक ऐसे व्यक्ति की भावनात्मक यात्रा का वर्णन करती है जिसने बारबाड को छोड़ दिया, या उस व्यक्ति द्वारा बर्बाद कर दिया जिसे वह सबसे अधिक प्यार करता था। 'बरबाद' सिर्फ एक संगीत वीडियो से कहीं अधिक है; यह एक भावनात्मक यात्रा है जो प्यार और दिल टूटने के जटिल पहलुओं की पड़ताल करती है।

संगीत वीडियो के बारे में बोलते हुए, सांची राय ने परियोजना के लिए अपना उत्साह और जुनून व्यक्त किया। उन्होंने साझा किया, 'मुझे लगता है कि यह साल का सबसे बड़ा दिल तोड़ने वाला एंथम है। यह गाना विश्वासघात, दिल टूटने और धोखे की भविष्यवाणी करता है। लक्ष्य के साथ इस गाने की शूटिंग में मैंने बहुत अच्छा समय बिताया क्योंकि उन्होंने ही इस गाने को अपनी सुरीली आवाज दी है, और आप गाने में दर्द को महसूस कर सकते हैं।' 'यह दिल टूटना निश्चित रूप से आपको आपके दिल टूटने वाले दुखों में से एक में ले जाएगा, और इस अद्भुत गीत को आप सभी तक लाने का हमारा पूरा मकसद यही है। मुझे उम्मीद है कि आपको गाना पसंद आएगा और आप इस गाने पर अपना बेशुमार प्यार बरसाएंगे।' सांची वास्तव में संगीत वीडियो में अपने आकर्षक विभिन्न लुक और अपने प्रदर्शन से चौंका देती है। लक्ष्य कपूर की दिल छूलेने वाली आवाज 'बारबाड' में निहित भावनाओं की गहराई को व्यक्त करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। गाने को कुणाल वर्मा ने लिखा है, संगीत गौरव दासगुप्ता ने दिया है और आरिफ खान ने इसका निर्देशन किया है। संगीत वीडियो डीआरजे के आधिकारिक यूट्यूब हैंडल पर जारी किया गया है।

सांची राय वर्तमान में अजेय हैं और अभिनेत्री ने केवल एक सप्ताह के अंतराल में लगातार 2 संगीत वीडियो जारी किए थे, बारबाड के अलावा, अभिनेत्री के स्टेबिन बेन और असीस कौर दिल क्या करे भी श फ्छ ओरिजिनल पर रिलीज हुए थे। इसके अलावा सांची ने कई अन्य संगीत वीडियो भी किए हैं जिनमें जी म्यूजिक पर झूम के सावन आया, तुम्हें दिल और अबकी बारिश में शामिल हैं। इस वर्ष उनकी कुछ और परियोजनाएँ भी रिलीज होने वाली हैं, आधिकारिक घोषणा के लिए बने रहें।

अदालत ने नये सिरे से चुनाव कराने की आप की अर्जी पर चंडीगढ़ प्रशासन, नगर निगम से जवाब मांगा

मेयर चुनाव में धांधली को लेकर आप-कांग्रेस ने किया जोरदार प्रदर्शन

दर्पण न्यूज सर्विस
चंडीगढ़

पंजाब और हरियाणा उच्च न्यायालय ने महापौर का नए सिरे से चुनाव कराने की आम आदमी पार्टी (आप) की अर्जी पर बुधवार को कोई राहत देने से इनकार कर दिया तथा चंडीगढ़ प्रशासन एवं नगर निगम से तीन हफ्ते में जवाब मांगा। आम आदमी पार्टी ने मतपत्रों के साथ छेड़छाड़ का आरोप लगाते हुए उच्च न्यायालय से मंगलवार के चुनाव को खारिज करने तथा उच्च न्यायालय के एक सेवानिवृत्त न्यायाधीश की निगरानी में नए सिरे से महापौर का चुनाव कराने का अनुरोध किया है। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने कल आश्चर्यजनक ढंग से कांग्रेस-आम आदमी पार्टी (आप) गठबंधन को हराते हुए चंडीगढ़ महापौर चुनाव में सभी तीन शीर्ष पद जीत लिए। इस गठबंधन ने पीठासीन अधिकारी द्वारा मतपत्रों के साथ छेड़छाड़ किये जाने का आरोप लगाया है। न्यायमूर्ति सुधीर सिंह और न्यायमूर्ति हर्ष बुंगर की खंडपीठ ने बुधवार को चंडीगढ़ प्रशासन, चंडीगढ़ नगर निगम, पीठासीन अधिकारी अनिल मसिह, नवनिर्वाचित महापौर मनोज सोनकर एवं अन्य को नोटिस जारी कर उनसे तीन हफ्ते में जवाब मांगा। इस मामले में अगली सुनवाई 26 फरवरी को होगी। आप पार्षद एवं महापौर पद के लिए प्रत्याशी कुलदीप कुमार ने चंडीगढ़ नगर निगम और केंद्र शासित प्रदेश चंडीगढ़ प्रशासन एवं अन्य के खिलाफ याचिका दायर की है। सुनवाई के बाद पत्रकारों से बात करते हुए, चंडीगढ़ प्रशासन के वकील अनिल मेहता ने कहा कि अदालत ने याचिकाकर्ता को कोई अंतरिम राहत नहीं दी। मेहता ने कहा, 'हमें जवाब दाखिल करने के लिए तीन हफ्ते का वक्त दिया गया है।' उन्होंने कहा कि याचिका की पोषणीयता से जुड़ा मुद्दा अब भी लंबित है।

याचिकाकर्ता के वकील गुरमिंदर सिंह ने कहा कि अदालत ने नोटिस जारी किया तथा प्रतिवादियों को जवाब दाखिल करने के लिए तीन हफ्ते दिये। सिंह ने कहा, 'हमारे अनुरोध का दायरा था कि महापौर चुनाव परिणाम खारिज किया जाए तथा स्वतंत्र एवं निष्पक्ष चुनाव कराए जाएं।' सिंह पंजाब के महाधिवक्ता भी हैं। अपनी अर्जी में याचिकाकर्ता ने अदालत से उच्च न्यायालय के किसी सेवानिवृत्त न्यायाधीश की निगरानी में स्वतंत्र एवं निष्पक्ष चुनाव कराये जाने का निर्देश देने का अनुरोध किया है ताकि 'कोई कदाचार न हो।' अर्जी के मुताबिक यह याचिका इसलिए दायर की गयी क्योंकि 'स्वतंत्र एवं निष्पक्ष तरीके से चुनाव नहीं कराए गए तथा मतों की गिनती के दौरान नियमों का खुल्लम-खुल्ला उल्लंघन किया गया, मतपत्रों के साथ छेड़छाड़ के बाद उन्हें अवैध घोषित कर दिया गया...।' याचिकाकर्ता ने चुनाव प्रक्रिया के दौरान की गयी 'समूची धोखाधड़ी' की किसी स्वतंत्र जांच एजेंसी से जांच कराने की मांग की है। याचिका के मुताबिक याचिकाकर्ता ने उच्च न्यायालय से अनुरोध किया कि वह मतपत्रों के रिकार्ड एवं मंगलवार की चुनाव प्रक्रिया की कार्यवाही एवं वीडियोग्राफी समेत चुनाव की समूची प्रक्रिया को सील कर अदालत के सामने पेश करने का प्रतिवादियों को निर्देश दे। याचिकाकर्ता ने अदालत से यह निर्देश देने की भी मांग की है कि नवनिर्वाचित महापौर को काम करने से रोका जाए क्योंकि चुनाव की पूरी प्रक्रिया 'गलत' है। कांग्रेस और आम आदमी पार्टी को 35 सदस्यीय चंडीगढ़ नगर निगम में आसान जीत का अनुमान था और इसे विपक्षी गठबंधन 'इंडिया' के लिए प्रारंभिक परीक्षा के रुप में पेश किया था। लेकिन भाजपा ने चुनाव में तीनों शीर्ष पद जीत लिये। विपक्षी पार्षदों ने पीठासीन अधिकारी अनिल मसीह द्वारा मतपत्रों में कथित रूप से गड़बड़ी किये जाने का आरोप लगाया है।

कांग्रेस व आप के गठबंधन ने की है लोकतंत्र की हत्या, पारदर्शिता से हुई है पूरी चुनावी प्रक्रियाः मल्होत्रा

चंडीगढ़। भारतीय जनता पार्टी चंडीगढ़ के प्रदेश अध्यक्ष जितेंद्र पाल मल्होत्रा ने चंडीगढ़ में मेयर,सीनियर डिप्टी मेयर तथा डिप्टी मेयर चुनाव में भाजपा के प्रत्याशियों की जीत को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की गारंटी, भाजपा की नीतियों तथा विचारधारा की जीत बताया है और साथ ही साथ इसे इंडी गठबंधन के पतन की शुरुआत बताई है। इस विषय को लेकर भाजपा कार्यालय कमलम में एक प्रेस कांफ्रेंस आयोजित की गई। प्रेस कांफ्रेंस में उनके साथ प्रदेश उपाध्यक्ष कैलाश चंद जैन महामंत्री हुकम चंद तथा पार्षद लखबीर सिंह बिल्लू उपस्थित रहे। पत्रकारों को संबोधित करते हुए जितेंद्र पाल मल्होत्रा ने कहा कि भाजपा प्रत्याशियों की जीत मोदी की गारंटी तथा भाजपा की नीतियों तथा विचारधारा की जीत है। इस जीत से इंडि या भिंडी गठबंधन की पोल खुल गई है यह इस ठगबंधन के पतन की शुरुआत है। उन्होंने कहा कि शहर के पार्षद शहर का विकास चाहते हैं तथा विकास केवल भाजपा द्वारा ही संभव है इसलिए ये पार्षद नहीं चाहते थे कि आम आदमी पार्टी का मेयर बने इसके अलावा कांग्रेस स्वयं भी नहीं चाहती थी कि आम आदमी पार्टी का मेयर बने। दूसरे पार्षदों को कैद किया गया था, डर के माहौल में रखा गया था घर वालों तक को मिलने नहीं दिया जा रहा था पार्षदों में भारी रोष था जिसे उन्होंने वोट के माध्यम से जाहिर किया। बेटा बीमार था को मां से मिलने भी नहीं दिया गया इतना प्रेशर बनाया गया जिसे झेलना मुश्किल हो गया था और उनमें इसको लेकर गुस्सा था। मल्होत्रा ने मेयर चुनावों की जीत को विकास की जीत बताया। उन्होंने कहा कि यह बेमेल का गठबंधन था तथा दो व्यक्तियों का गठबंधन था जो टांय टांय फिस्स हो गया है। एक सवाल के जवाब में मल्होत्रा ने कहा कि जो इल्जाम लगाए जा रहे है वो सब झूठे है ,सब कुछ ट्रांसपेरेंट हुआ। पूरी प्रक्रिया का लाइव टेलीकास्ट हो रहा था ऐसे में कोई गड़बड़ी कैसे कर सकता है। जो हंगामा इन लोगों ने कल हाउस में किया वे शर्मनाक है , इन लोगों ने लोकतंत्र की हत्या की है, इनको लोकतंत्र में चुनावी प्रक्रिया में विश्वास ही नहीं था। बैलेट पेपर को छीनने की कोशिश की बैलेट पेपर को फाड़ा गया यह उनकी धक्केशाही है या नही। मल्होत्रा ने यह भी स्पष्ट किया कि हमारी कुल 16 वोट थी जो हमे मिली है हमने किसी प्रकार की कोई खरीद परोख्त नही की, जो खेला किया है कांग्रेस व आम आदमी पार्टी के पार्षदों ने किया है, पार्षद खुद इस दो व्यक्तियों के गठबंधन से दुखी थे इसलिए वोट खराब किए हैं।

पुलिस के हत्थे चढ़ा वाहन चोर, तीन चोरी के मामले सुलझाए गए

दर्पण न्यूज सर्विस
चंडीगढ़

वाहन चोरों के खिलाफ कार्रवाई करते हुए चंडीगढ़ पुलिस को एक बड़ी सफलता मिली है। क्राइम ब्रांच की टीम ने एक वाहन चोर को गिरफ्तार किया है। आरोपी की पहचान 29 वर्षीय रोहित कंबोज निवासी गांव चक जमालगढ़, जिला फाजिल्का के रूप में हुई। आरोपी की गिरफ्तारी के साथ ही पुलिस थाना-11 में बुलेट मोटर साइकिल चोरी के कुल 3 मामले सुलझ गए हैं। यह मामला विशाल निवासी सेक्टर 15डी की शिकायत पर दर्ज किया था। इसमें उसने बताया था कि उसने 21/22 नवंबर 2023 की मध्यरात्रि को अपने घर के सामने खड़ी बुलेट मोटर साइकिल नंबर सीएच01 एएम5853 खड़ी की थी। शिकायत पर आईपीसी की धारा 379, 411 के तहत केस दर्ज किया गया। पुलिस को गुप्त सूचना मिली की एक लड़का जिसने सेक्टर-15 के क्षेत्र से मोटर साइकिल चोरी की थी, उसे बेचने के लिए थाना मलोया के एरिया में घूम रहा है। इस सूचना पर कार्रवाई करते हुए, रोहित कंबोज को सत्संग भवन मलोया के पास से पकड़ा गया और उसके कब्जे से बिना नंबर प्लेट की चोरी की हुई मोटर साइकिल बरामद की गई। रिमांड के दौरान उसने खुलासा किया उसने अपने दोस्त के साथ मिलकर चंडीगढ़ और आसपास के अलग-अलग इलाकों से करीब 3 से 4 वाहन चुराए थे। आरोपी के खुलासे पर कार्रवाई करते हुए चोरी की 2 बुलेट पीबी05एसी4604 और सीएच01 एयू0437 बरामद की गईं। आरोपी रोहित कंबोज बुलेट ढूंढने के लिए अपने दोस्त की कार में चंडीगढ़ के इलाके में घूमता रहा, रात के दौरान उनमें से एक ने डुप्लीकेट चाबी का उपयोग करके मोटर साइकिल चुरा ली।

नैनो यूरिया स्प्रे करवाने के लिए 15 तक करना होगा आवेदन

चंडीगढ़। रासायनिक उर्वरकों का इस्तेमाल कम करने और प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने के उद्देश्य से राज्य सरकार ने लगभग एक लाख एकड़ भूमि पर स्प्रे करने का लक्ष्य निर्धारित किया है। इस योजना के तहत सरकार किसानों को आधी कीमत पर नैनो तरल यूरिया प्रदान करेगी। इसका लाभ लेने के लिए सभी जिलों के किसान 15 फरवरी तक पोर्टल पर आवेदन कर सकते हैं। भिवानी, फतेहाबाद, हिसार, करनाल व सिरसा में 7000-7000 एकड़ में नैनो यूरिया स्प्रे किया जाएगा। वहीं, कुरुक्षेत्र, जींद व कैथल में 6000-6000 एकड़, सोनीपत व यमुनानगर में 5000-5000 एकड़ और अंबाला, पानीपत, महेन्द्रगढ़, रेवाड़ी, रोहतक व पलवल में किसानों की 4000-4000 एकड़ भूमि पर स्प्रे का लाभ दिया जाएगा। कृषि एवं किसान कल्याण विभाग के मुताबिक मेवात व झज्जर में 3000-3000 एकड़, चरखी दादरी, फरीदाबाद व गुरुग्राम में 2000-2000 एकड़ और पंचकूला में 1000 एकड़ जमीन पर नैनो यूरिया स्प्रे छिड़काव का लक्ष्य निर्धारित किया है।

एसडी कॉलेज के रीडर्स क्लब ने अपने रीडिंग सर्कल के छठे संस्करण का किया आयोजन

दर्पण न्यूज सर्विस
चंडीगढ़

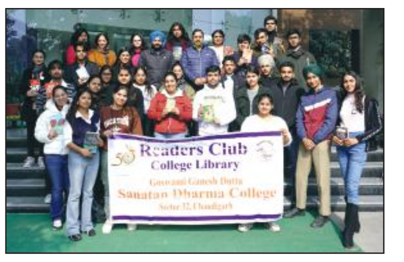

सेक्टर-32 स्थित गोस्वामी गणेश दत्त सनातन धर्म (जीजीडीएसडी) कॉलेज के रीडर्स क्लब की ओर से रीडिंग सर्कल के अपने छठे संस्करण का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम उन सभी प्रकार के रचनाकारों के कार्यों को सेलिब्रेट करने के लिए आयोजित किया गया था जिन्होंने पाठकों के जीवन को प्रभावित किया है। प्रतिभागियों ने किताबों और फिल्मों के साथ अपने अनुभव पर चर्चा की और कैसे किताबों की सामग्री का उपयोग करने से उन्हें अपनी कमियों का एहसास हुआ और कैसे शब्दों की दुनिया में प्रवेश करने से उन्हें एक नया दृष्टिकोण मिला। फिल्में और साहित्य चर्चा के विषय बन गए, जिससे उनकी दोस्ती शुरू हुई और खुशी और सीखने के स्रोत बन गए, जिससे उन्हें नींद से बाहर निकाला गया। कॉलेज के प्रिंसिपल डॉ. अजय शर्मा ने स्क्रीन्स के युग में पढ़ने की आदतों को बढ़ावा देने के साथ-साथ छात्रों को साहित्य और सिनेमा की विभिन्न शैलियों का पता लगाने की पहल के लिए रीडर्स क्लब की सराहना की। उन्होंने छात्रों में पढ़ने की आदत विकसित करने और आलोचनात्मक सोच कौशल विकसित करने के निरंतर प्रयासों के लिए रीडर्स क्लब की सराहना की। डॉ. गुरप्रीत सिंह ने कार्यक्रम के लिए धन्यवाद प्रस्ताव प्रस्तुत किया। उन्होंने छात्रों को उनकी विरासत के बारे में शिक्षित करने के लिए साहित्य और फिल्म के नए कार्यों से परिचित कराने के महत्व पर भी जोर दिया।

पीजीजीसी-46 में पीईपी के तहत एक दिवसीय सेमिनार आयोजित

चंडीगढ़। प्राचार्य डॉ. आभा सुदर्शन के नेतृत्व में राज्य कार्यालय पंजाब एवं यूटी चण्डीगढ़, खादी और ग्रामोद्योग आयोग, भारत सरकार द्वारा पोस्ट ग्रेजुएट गवर्नमेंट कॉलेज, सेक्टर - 46 में पीपुल्स एजुकेशन प्रोग्राम (पीईपी) के तहत एक दिवसीय सेमिनार का आयोजन किया गया। जगदीप सिंह खादी उद्योग के सहायक निदेशक ने कॉलेज द्वारा आयोजित निबंध प्रतियोगिता और वाद-विवाद प्रतियोगिता के विजेताओं को प्रमाण पत्र और पुरस्कार वितरित किए। कार्यक्रम के अंत में कॉलेज के वाइस प्रिंसिपल डॉ. बलजीत सिंह ने धन्यवाद ज्ञापन किया। डॉ. जीसी सेठी, ज्योति, डॉ. देश राज, गौरव जिंदल और लगभग 80 विद्यार्थियों ने इस कार्यक्रम में भाग लिया। कॉलेज के कंप्यूटर एप्लीकेशन विभाग के सहयोग से ललित कला विभाग ने ₹डिजाइन एनिमेशन और कंप्यूटर ग्राफिक्स₹ पर एक वार्ता का आयोजन किया। प्रिंसिपल डॉ. आभा सुदर्शन ने स्पीकर का गर्मजोशी से स्वागत किया और आयोजकों के प्रयासों की सराहना की।

संक्षिप्त-समाचार

यूटीसीए अध्यक्ष संजय टंडन ने काशवी गौतम को भेंट किया बीसीसीआई अवार्ड

चंडीगढ़। हाल ही में हैदराबाद में सम्पन्न हुये बीसीसीआई अवार्ड के दौरान जगमोहन डालमिया ट्रॉफी फॉर बेस्ट वूमैन क्रिकेटर (जूनियर डोमेस्टिक) से नवाजी गई चंडीगढ़ की काशवी गौतम को यूटीसीए अध्यक्ष संजय टंडन ने सम्मानित किया। चोटिल होने के कारण काशवी पुरस्कार समारोह में नही जा सकी जिसके चलते उनकी ओर से यूटीसीए सचिव देवेन्द्र शर्मा ने पुरस्कार ग्रहण किया था। सेक्टर 16 स्थित यूटीसीए कार्यालय में आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान बीसीसीआई से प्राप्त वह मैडेलियन काशवी को संजय टंडन ने भेंट किया। इस अवसर पर टंडन ने उनकी रिकवरी होने की कामना की और 23 फरवरी से शुरू होने वाले वूमैन्स आईपीएल के लिये शुभकामनाएं व्यक्त की। इस अवसर पर काशवी के पिता सहित यूटीसीए अधिकारी भी शामिल हुये ।

जीवाणु संक्रमण से लड़ने में बीपीआई के महत्व पर व्याख्यान आयोजित

चंडीगढ़। रोगाणुरोधी मेजबान प्रोटीन 'जीवाणुनाशक/पारगम्यता बढ़ाने वाले प्रोटीन (बीपीआई)' के महत्व पर प्रख्यात वैज्ञानिक और प्रोफेसर डॉ. दीपशिखा चक्रवर्ती (माइक्रोबायोलॉजी और सेल बायोलॉजी विभाग, भारतीय विज्ञान संस्थान बैंगलोर, भारत) द्वारा एक अतिथि व्याख्यान लिया गया। ग्राम नकारात्मक बैक्टीरियल एडोटॉक्सिन प्रेरित सेप्सिस के खिलाफ मेजबान मैक्रोफेज में अभिव्यक्ति। उन्होंने प्रायोगिक चिकित्सा और जैव प्रौद्योगिकी विभाग, पीजीआईएमईआर, चंडीगढ़ में अपना भाषण दिया। छात्रों ने बीपीआई और सेप्टिक शॉक के खिलाफ अनुसंधान और चिकित्सीय हस्तक्षेप के उन्नत क्षेत्रों में इसकी भविष्य की संभावनाओं के बारे में चर्चा में सक्रिय रूप से भाग लिया। डॉ दीपशिखा ने हेलोआर्कियल बायोइंजीनियर्ड बीपीआई नैनोकणों को सेप्टिक शॉक के खिलाफ जादुई गोलियों के रूप में समझाया। डॉ. दिब्यज्योति बनर्जी (प्रोफेसर और प्रमुख, प्रायोगिक चिकित्सा और जैव प्रौद्योगिकी विभाग) ने एक समापन टिप्पणी के साथ चर्चा सत्र का सारांश दिया कि बढ़ते एंटीबायोटिक प्रतिरोध के नैदानिक परिदृश्य में, मेजबान आधारित चिकित्सीय चिकित्सा का भविष्य हैं। इस अतिथि व्याख्यान ने न केवल बौद्धिक आदान-प्रदान के लिए एक मंच प्रदान किया, बल्कि छात्रों को अनुसंधान करने और चिकित्सा विज्ञान की उन्नति में योगदान देने के लिए एक प्रेरणा के रूप में भी काम किया। डॉ. चक्रवर्ती की विशेषज्ञता और वैज्ञानिक नवाचार को बढ़ावा देने के लिए विभाग की प्रतिबद्धता क्षेत्र में प्रगति और सहयोग को बढ़ावा देना जारी रखती है।

चंडीगढ़ से अयोध्या के लिए शुरू होगी सीधी बस, 1706 रुपये देना होगा किराया

चंडीगढ़। अयोध्या जाकर रामलला के दर्शन करने की चंडीगढ़ के लोगों की राह अब आसान होने जा रही है। चंडीगढ़ ट्रांसपोर्ट अंडरटेकिंग (सीटीयू) पहली बार अयोध्या के लिए सीधी बस चलाने जा रहा है। 12 फरवरी से पहले बस सेवा को शुरू करने की योजना है। सफर के लिए लोगों को 1706 रुपये चुकाने होंगे और कुछ स्टॉपेज के साथ करीब 19 घंटे का सफर होगा। परिवहन विभाग के अनुसार आईएसबीटी-17 से दोपहर 1:30 बजे रोजाना चलेगी और अगले दिन सुबह 8:30 बजे अयोध्या पहुंचेगी। इसी तरह अयोध्या से बस शाम 4:30 बजे रोजाना चलेगी और अगले दिन सुबह 11:05 बजे चंडीगढ़ के सेक्टर-17 बस स्टैंड पर पहुंचेगी। 947 किलोमीटर के इस सफर के लिए 1706 रुपये का किराया तय किया गया है। बस का एक तरफ का सफर 19 घंटे का रहेगा। अयोध्या के लिए अगर सीटीयू की बस शुरू हो जाती है तो यह लोगों के लिए काफी बड़ी राहत की बात होगी क्योंकि चंडीगढ़ से अयोध्या जाने के लिए वर्तमान में सीधी रेल सुविधा भी नहीं है।

दुष्कर्म के बाद गर्भवती हुई थी युवती, हाईकोर्ट ने दी 12 सप्ताह का गर्भ गिराने की अनुमति

चंडीगढ़। शादी का झूठा वादा कर दुष्कर्म के मामले में पंजाब-हरियाणा हाईकोर्ट ने युवती को 12 सप्ताह से अधिक के गर्भ को गिराने की अनुमति दे दी है। हाईकोर्ट ने अपने आदेश में कहा कि अवांछित गर्भ युवती के जीवन में रोजगार के अवसर समाप्त कर देगा और उसकी क्षमता को प्रभावित कर कर सकता है। पटियाला निवासी 30 साल की युवती ने हाईकोर्ट में याचिका दाखिल करते हुए 12 सप्ताह से अधिक के गर्भ को गिराने के लिए आवश्यक निर्देश जारी करने की अपील की थी। याची ने दलील दी कि आरोपी ने शादी के बहाने उसके साथ संबंध स्थापित करने के लिए सहमति ली और गर्भवती होने के बाद याची से दूरी बना ली। इसके बाद याची की शिकायत के आधार पर आरोपी के खिलाफ दुष्कर्म का मामला दर्ज किया गया। याची ने कहा कि वह इस गर्भ को जारी नहीं रखना चाहती और ऐसे में उसे इसे गिराने की अनुमति दी जाए। दलीलों पर विचार करते हुए हाईकोर्ट ने कहा कि एक युवती का प्रजनन विकल्प का अधिकार अनुच्छेद 21 के तहत उसकी व्यक्तिगत स्वतंत्रता का अविभाज्य हिस्सा है और यह शारीरिक अखंडता का पवित्र अधिकार है। वर्तमान गर्भावस्था को जारी रखना याचिकाकर्ता को उस दुर्भाग्यपूर्ण स्थिति की लगातार याद दिलाती रहेगी।

जेल में तैयार उत्पाद के मुनाफे में कैदियों को हिस्सेदार बनाएं वरना वे हो जाएंगे अवसाद के शिकारः हाईकोर्ट

दर्पण न्यूज सर्विस
चंडीगढ़

जेलों में तैयार उत्पादों की बिक्री से होने वाले मुनाफे में कैदियों को 40 प्रतिशत हिस्सेदारी हिमाचल की तर्ज पर देने को लेकर निर्णय लेने का पंजाब-हरियाणा हाईकोर्ट ने पंजाब, हरियाणा व चंडीगढ़ को आदेश दिया है। हाईकोर्ट ने कहा कि कैदी अक्सर परिवार की चिंता में तनाव व अवसाद का शिकार होते हैं। यदि वे परिवार को अपनी कमाई का हिस्सा भेज पाएंगे तो 90 प्रतिशत कैदियों का तनाव वैसे ही समाप्त हो जाएगा। इसके साथ ही जेलों में मेडिकल स्टाफ व डॉक्टरों के रिक्त पदों को लेकर भी हलफनामा दाखिल करने को कहा है। गत वर्ष अक्टूबर में पंजाब-हरियाणा हाईकोर्ट ने बठिंडा जेल में बंद एक कैदी की रिहाई की मांग को लेकर दाखिल याचिका पर संज्ञान लेते हुए कैदियों के हितों पर सुनवाई आरंभ की थी। इस मामले में अदालत के सहयोग के लिए सीनियर एडवोकेट रीता कोहली को एमिकस क्यूरी नियुक्त किया था। मामले की सुनवाई के दौरान हाईकोर्ट ने पाया कि जेल में काम कर रहे विचाराधीन कैदियों और दोषियों को जेल में निर्मित उत्पादों की बिक्री से कोई लाभ नहीं मिल रहा है। हाईकोर्ट ने मनोवैज्ञानिकों से रिपोर्ट प्राप्त करने का प्रयास किया और पाया कि ये युवा विचाराधीन और दोषी कैदी गुस्से और मानसिक दबाव से पीड़ित हैं। हाईकोर्ट ने पंजाब जेल मैनुअल में संशोधनों के संबंध में सुनवाई आगे बढ़ाई ताकि कैदियों द्वारा तैयार की गई वस्तुओं की बिक्री से प्राप्त लाभ में उन्हें हिस्सा दिया जा सके। अदालत को एमिकस क्यूरी ने बताया कि 2021 में हिमाचल जेल विभाग ने एक योजना लागू की थी जिसके माध्यम से कैदियों को लाभ का हिस्सा दिया जाता है। इस मामले में हरियाणा सरकार की ओर से कहा गया कि अकुशल कैदियों को मुनाफे का 5 प्रतिशत और कुशल कैदियों को 10 प्रतिशत देने के लिए नीति बनाई जा रही है।

पीजीआई निदेशक द्वारा 15 अधिकारी व कर्मचारी सेवानिवृत्ति के मौके पर किए गए सम्मानित

दर्पण न्यूज सर्विस
चंडीगढ़

पीजीआई निदेशक प्रो. विवेक लाल ने बुधवार को 15 अधिकारियों एवं कर्मचारियों को उनकी सेवानिवृत्ति पर स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया। इस अवसर पर प्रो. विपिन कौशल चिकित्सा अधीक्षक, प्रो. सुरिंदर एस. पांडव प्रमुख नेत्र विज्ञान विभाग, प्रो. वनिता जैन स्त्री रोग विभाग, घनश्याम दास वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी (सतर्कता), सुशील कुमार एचई (निर्माण), दलजीत सिंह वरिष्ठ लेखा अधिकारी, जसपाल कौर कार्यवाहक सीएनओ, कुसुम राणा वरिष्ठ संपादक, रतन लाल ठाकुर प्रशासनिक अधिकारी (एस्टेट शाखा) और रवि दत्त शर्मा वरिष्ठ स्वच्छता अधिकारी भी उपस्थित थे। उपनिदेशक (प्रशासन) पंकज राय ने उनके जीवन की मंगलकामना की। वरुण अहलूवालिया वित्तीय सलाहकार ने सेवानिवृत्त लोगों को जीपीएफ, ग्रेच्युटी और समूह बीमा सहित लाभार्थी चेक सौंपे और उनके जीवन में अच्छे जीवन की कामना की। प्रो. वनिता सूरी प्रमुख प्रसूति एवं स्त्री रोग विभाग, प्रो. अरुणांशु बेहरा प्रमुख जनरल सर्जरी विभाग, परवीन डीएम उप नर्सिंग अधीक्षक आपातकालीन ब्लॉक नेहरू अस्पताल, जीनत विलियम उप नर्सिंग अधीक्षक सी ब्लॉक नेहरू अस्पताल, वनीत जगोटा सहायता प्रशासनिक अधिकारी एस्टेट शाखा-1, ज्योति प्रकाश कनिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी एमएस कार्यालय, अंजू गुप्ता आशुलिपिक बुलेटिन अनुभाग, पुष्पिंदर कौर आशुलिपिक लेखा शाखा, पियार चंद अपर डिविजन क्लर्क इंजीनियरिंग विभाग, सूरज बाली यादव अस्पताल परिचारक ग्रेड 1 स्वच्छता कार्यालय, पुष्कर सिंह अस्पताल परिचारक ग्रेड 2 नेत्र विज्ञान विभाग, नन्हे बाबू सक्सेना हॉस्पिटल अटेंडेंट ग्रेड 2 सेनिटेशन ऑफिस, प्रमोद कुमार शर्मा हॉस्पिटल अटेंडेंट ग्रेड 2 रिसेप्शन ऑफिस, कमलेश हॉस्पिटल अटेंडेंट ओल्ड डॉक्टर हॉस्टल, सुंदर पाल सेनेटरी अटेंडेंट ग्रेड 2 सेनिटेशन ऑफिस, अपने जीवन के 20 से 39 साल पीजीआई को समर्पित करने के बाद सेवानिवृत्त हुए।

बीडीपीओ कार्यालय पिंजौर में लाभार्थियों को मिला विभिन्न योजनाओं का लाभ

दर्पण न्यूज सर्विस
पंचकूला

विकसित भारत संकल्प यात्रा जनसंवाद के तहत बुधवार को बीडीपीओ कार्यालय पिंजौर में विभिन्न विभागों द्वारा लाभार्थियों को योजनाओं का लाभ प्रदान किया गया और मौके पर ही उनकी समस्याओं का निवारण किया गया। इस मौक पर आयोजित कार्यक्रम में नगर परिषद कालका के चेयरमैन कृष्ण लाल लांबा ने मुख्यातिथि के रूप में शिरकत की। उनके साथ कालका की पूर्व विधायिका व राष्ट्रीय महिला मोर्चा की कोषाध्यक्ष लतिका शर्मा भी उपस्थित थी। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कृष्ण लाल लांबा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के समावेशी विकास की अवधारणा को आगे बढ़ाते हुए मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने शिक्षा, स्वास्थ्य, कानून-व्यवस्था, महिला सशक्तिकरण, युवाओं के उत्थान और अंत्योदय को हासिल करने के लिए कई अनूठी स्कीमें शुरू की हैं और ऐतिहासिक निर्णय लिए हैं जिनका लाभ सीधा लोगों को मिल रहा है। उन्होने कहा कि परिवार पहचान पत्र के माध्यम से सरकारी सेवाओं और योजनाओं को ऑनलाइन कर देने से इनका लाभ लोगों को घर-द्वार पर ही मिल रहा है। अब गरीब का हक कोई छीन नहीं सकता। उन्होंने कहा कि विकसित भारत यात्रा के दौरान विभिन्न विभागों द्वारा स्टाल लगाकर लाभार्थियों को परिवार पहचान पत्र, बीपीएल कार्ड, आधार कार्ड, उज्जवला योजना, स्वरोजगार, प्रधानमंत्री मातृ वंदन योजना के तहत लाभ प्रदान किए जा रहे है। इस अवसर पर लांबा ने पीएम वंदन योजना, वृद्धावस्था सम्मान भत्ता, स्वस्थ बालक स्पर्धा और अन्य योजनाओं के लाभाथियो को योजनाओं के सर्टिफिकेट प्रदान किए।

आयोजन

नारायण दास गुप्ता और स्वाति मालीवाल ने भी ली शपथ

चंडीगढ़ यूनिवर्सिटी के चांसलर सतनाम सिंह संधू ने दिल्ली में नई संसद में राज्यसभा सांसद के रूप में शपथ ली

दर्पण न्यूज सर्विस
मोहाली

चंडीगढ़ यूनिवर्सिटी (सीयू) के संस्थापक-चांसलर, सतनाम सिंह संधू ने बुधवार (31 जनवरी) को राजधानी नई दिल्ली में नई संसद में राज्यसभा सांसद (एमपी) के रूप में शपथ ली। शपथ ग्रहण समारोह का संचालन भारत के माननीय उपराष्ट्रपति और राज्यसभा के सभापति श्री जगदीप धनखड़ ने लोकसभा और राज्यसभा की संयुक्त बैठक के दौरान किया। दोनों सदनों की संयुक्त बैठक में राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू के अभिभाषण के बाद,सतनाम सिंह संधू ने वर्ष 2024-25 के अंतरिम बजट सत्र के उद्घाटन दिवस पर आधिकारिक सांसद के रूप में शपथ ली। गौरतलब है कि नई संसद भवन में यह पहला बजट सत्र है। चंडीगढ़ यूनिवर्सिटी के संस्थापक-चांसलर सतनाम सिंह संधू को शिक्षा और समाज सेवा में उनके समृद्ध योगदान के लिए राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने मंगलवार को राज्यसभा के लिए नामित किया था। एक साधारण किसान के बेटे, सतनाम सिंह संधू को अपने प्रारंभिक जीवन में कई शैक्षणिक चुनौतियों का सामना करना पड़ा। हालाँकि, अपनी दृढ़ता और दृढ़ संकल्प के माध्यम से, उन्होंने अपनी यात्रा को एक उल्लेखनीय सफलता की कहानी में बदल दिया। 2001 में चंडीगढ़ ग्रुप ऑफ कॉलेजेज (सीजीसी) लांडरां की स्थापना के साथ शुरूआत करते हुए, उन्होंने 2012 में विश्व स्तरीय चंडीगढ़ यूनिवर्सिटी की स्थापना की। शिक्षा में अपने अद्वितीय योगदान के अलावा, संधू एक परोपकारी व्यक्ति के रूप में उभरे हैं, जो देश में स्वास्थ्य और समाज कल्याण को बढ़ाने के लिए कई सामुदायिक पहल में सक्रिय रूप से संलग्न हैं। अपने गैर सरकारी संगठनों, अर्थात श्न्यू इंडिया डेवलपमेंट (एनआईडी) फाउंडेशनश और श्इंडियन माइनॉरिटीज फाउंडेशनश के माध्यम से, सतनाम सिंह संधू देश में सांप्रदायिक सद्भाव को बढ़ावा देने और सामाजिक ताने-बाने को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। संधू ने वर्ष 2024-25 के अंतरिम बजट सत्र के उद्घाटन दिवस पर आधिकारिक सांसद के रूप में शपथ ली। गौरतलब है कि नई संसद में यह पहला बजट सत्र है। सतनाम सिंह संधू के अलावा, नारायण दास गुप्ता और स्वाति मालीवाल ने भी दिल्ली से निर्विरोध चुने जाने के बाद राज्यसभा सांसद के रूप में अपने पद की शपथ ली।

पेक में हुआ एक दिवसीय डार्क पैटर्न बस्टर हैकथॉन-2023 आयोजित

दर्पण न्यूज सर्विस
चंडीगढ़

पंजाब इंजीनियरिंग कॉलेज, चंडीगढ़ के कैरियर डेवलपमेंट एंड गाइडेंस सेंटर ने 'डार्क पैटर्न बस्टर हैकथॉन-2023 (डीपीबीएच-2023)' नामक एक दिवसीय हैकथॉन का सफलतापूर्वक आयोजन किया। इस हैकथॉन को ई-कॉमर्स वेबसाइटों में भ्रामक डार्क पैटर्न मुकाबला करने के उद्देश्य से भारत सरकार के उपभोक्ता मामले विभाग द्वारा आईआईटी-बीएचयू के सहयोग से लॉन्च किया गया है। हैकथॉन का राउंड 1 (टीम पंजीकरण) और राउंड 2 (लाइव प्रदर्शन) उत्तरी क्षेत्र के नोडल केंद्रों में से एक, पेक में आयोजित किया गया है। नोडल अधिकारी और प्रोफेसर प्रभारी सीडीजीसी, डॉ. पूनम सैनी ने कहा, कि प्रतिभागियों से पैटर्न डिटेक्शन, उपयोगकर्ता के अनुकूल एक्सटेंशन और क्रॉस-ब्राउजर संगतता जैसे एआई-सक्षम समाधानों पर ध्यान केंद्रित करने की उम्मीद की जाती है। प्रतिभागियों को ऐसे नवीन समाधान प्रदान करने में सक्षम होना चाहिए, जो वेबसाइटों की कार्यक्षमता और सुविधाओं का पालन करते हों। एनआईटी हमीरपुर, आईआईटी रूड़की और पेक जैसे विभिन्न संस्थानों की कुल 15 टीमों ने पंजाब इंजीनियरिंग कॉलेज में हैकथॉन में भाग लिया है। सीएसई संकाय और डीपीबीएच के संस्थान समन्वयक डॉ. शिल्पा ने कहा, कि इस पहल का उद्देश्य उपभोक्ताओं को सभी प्रकार की अनुचित व्यापार प्रथाओं से बचाना है। इस हैकथॉन के माध्यम से, हम विविध समाधानों को संबोधित करना चाहते हैं, जो उपभोक्ता स्वायत्तता, निर्णयों या उपभोक्ता अधिकारों के उल्लंघन को खराब नहीं करते हैं।